हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, रविवार 7 जून 2026

रायपुर के लोधीपारा स्थित निजी हॉस्पिटल पर इलाज में लापरवाही और मोटी फीस वसूलने का गंभीर आरोप

अंतिम संस्कार से पहले जिंदा हुआ 'मृतक', परिजन पहुंचे अस्पताल, डॉक्टरों ने फिर किया मृत घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

रायपुर के निजी अस्पताल से जुड़ा एक अजीबोगरीब और सनसनीखेज मामला सामने आया है। भिलाई के देवबलौदा निवासी एक परिवार जब अपने सदस्य के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा था, तभी अचानक 'शव' के हाथ-पैर हिलने लगे। शव में हरकत देखकर दुखी परिजनों में उसके जीवित होने की उम्मीद जाग उठी। आनन-फानन में परिजन उसे लेकर भिलाई के स्वास्थ्य केंद्र और वहां से सीधे आंबेडकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन यहां डॉक्टरों ने गहन जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पेट दर्द से पीड़ित इस मरीज को एक दिन पहले ही लोधीपारा चौक स्थित निजी हास्पिटल ने मृत घोषित कर शव ▶▶| शेष पेज 7 पर

24 घंटे बाद भी चल रही थीं सांसें

भाई अजय रात्रे ने बेहद चौंकाने वाला दावा करते हुए बताया कि निजी अस्पताल वालों ने 4 जून की रात को ही रामअवतार को मृत घोषित कर दिया था। अस्पताल की कागजी औपचारिकताएं पूरी करने, दस्तावेज प्राप्त करने और भारी-भरकम बिल जमा करने में ही काफी वक्त बीत गया। इसके चलते वे 5 जून की दोपहर को शव लेकर अपने गृहग्राम पहुंचे थे। ▶▶| शेष पेज 7 पर

अस्पताल से बाहर लाते वक्त ही होने लगी थी हलचल

परिजनों के अनुसार, लापरवाही का खेल अस्पताल के भीतर से ही शुरू हो गया था। अजय ने बताया कि जब 4 जून की रात को अस्पताल प्रबंधन ने शव उन्हें सौंपा, तो स्ट्रेचर से गाड़ी में लाते वक्त ही शरीर में मामूली हलचल महसूस हुई थी, लेकिन डॉक्टरों पर भरोसा होने के कारण उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। परिजनों का साफ तौर पर कहना है कि जब निजी अस्पताल ने रामअवतार को मरा हुआ मानकर डिस्चार्ज किया, तब वास्तव में वह जीवित था। अगर अस्पताल ने ईमानदारी से जांच की होती और सही तरीके से इलाज जारी रखा होता, तो आज रामअवतार उनके बीच जिंदा होता। बहरहाल, इस पूरे मामले के बाद अब निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली और डेथ सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रियाओं पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

3 जून को पेट दर्द बढ़ने पर किया था दाखिल

मृतक रामअवतार के भाई अजय रात्रे ने बताया कि रामअवतार को पेट दर्द की समस्या थी। 3 जून को अचानक तकलीफ बढ़ने पर उसे पहले इलाज के लिए एम्स लाया गया था। वहां प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे आंबेडकर अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन परिवार वालों को आस थी कि किसी बड़े प्राइवेट अस्पताल में ले जाने पर बेहतर इलाज मिल सकेगा। अच्छे इलाज की उम्मीद में परिजन उसे सीधे लोधीपारा चौक स्थित हॉस्पिटल ले गए और वहां दाखिल करा दिया। परिजनों का आरोप है कि इलाज के नाम पर अस्पताल प्रबंधन ने उनसे मोटी फीस भी वसूली।

तस्करों का फेवरेट बना गांजा...क्योंकि ओडिशा से 3000 में निकलकर, शहर से गलियों तक कीमत हो जाती है 100000

गिरीश केशरवानी ▶▶| रायपुर

गांजा इस समय तस्करों का पसंदीदा माल बन गया है। वजह...क्योंकि ओड़िशा और आंध्र प्रदेश से खरीदते वक्त 3000 से 5000 हजार रुपए किलो तक कीमत होती है। वह शहर और गांव की गलियों में पहुंचते-पहुंचते एक लाख रुपए तक हो जाता है। मतलब तीस गुना तक मुनाफा।

उल्लेखनीय है कि ओडिशा से दूसरे राज्यों में होने वाली गांजा तस्करी का प्रमुख रूट छत्तीसगढ़ का सरहदी इलाका है। नौ जिले ओडिशा सीमा से लगे हुए हैं। तस्कर ओडिशा से गांजा तस्करी कर दूसरे प्रांतों में ले जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक छत्तीसगढ़ के जरिए हर साल 500 से 488 सौ क्विंटल गांजा की तस्करी होती है। ▶▶| शेष पेज 7 पर

सख्ती का असर पकड़े जा रहे हैं गांजा तस्कर

रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने कहा कि रायपुर में जो गांजा पहुंच रहा है वह महासमुंद के रास्ते बस या छोटी वाहनों में लाकर खपा रहे हैं। पुलिस हर संदिग्ध गाड़ियों की जांच करने के साथ जिस रास्ते से गांजा तस्करी होती है, उन मार्गों में चलने वाली यात्री ▶▶| शेष पेज 7 पर

छत्तीसगढ़ में बीते कुछ दिनों में ही 10 करोड़ रुपए से अधिक का गांजा पकड़ा गया है। आज शनिवार कवर्धा में भी गांजा तस्कर पकड़ा गया। यूं अब हर महीने करोड़ों का गांजा बरामद होना आम बात हो गई है।

- **जितनी मात्रा में तस्करी होती है, उसमें से महज 18 से 22 प्रतिशत गांजा पकड़ा जाता**
- **ओडिशा का गांजा छत्तीसगढ़ के रास्ते देश के अलग-अलग 17 राज्यों तक पहुंच रहा है**

ओड़िशा-आंध्र प्रदेश से खरीदते वक्त
3000 से 5000 हजार रुपए किलो

शहर और गांव की गलियों में पहुंचते
एक लाख रुपए किलो

एमपी, यूपी, राजस्थान, दिल्ली हरियाणा से पश्चिम बंगाल तक पहुंचता है

ओडिशा से अन्य राज्यों के लिए जो गांजा तस्करी होती है उनमें मुख्य रूप से मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे 17 राज्ज शामिल हैं। तस्कर गांजा तस्करी करने एम्बुलेंस, डाक गाड़ियां या डॉक्टर लिखी लग्जरी कारों ▶▶| शेष पेज 7 पर

एक अनुमान के मुताबिक छत्तीसगढ़ के जरिए हर साल
488 से 500 क्विंटल गांजा की तस्करी होती है

पब कल्चर में कीमत ज्यादा

लोकल स्तर पर गांजा तस्करी से तस्कर प्रति किलो 50 हजार से एक लाख रुपए बना सकते हैं। यहीं गांजा महानगरों में तथा छत्तीसगढ़ के छोड़ अन्य प्रांतों में पहुंचता है ▶▶| शेष पेज 7 पर

तस्करों के पसंदीदा रूट

- **जशपुर-सुंदरगढ़ (एंट्री पॉइंट)**: ओड़िशा का सुंदरगढ़ जिला छत्तीसगढ़ के जशपुर की सीमा को छूता है। वनांचल और ग्रामीण रास्तों का फायदा उठाकर तस्कर इस मार्ग से झारखंड और बिहार की ओर माल डाइवर्ट करते हैं।
- रायगढ़ - सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा (रेंगाली हब) : यह रूट तस्करों का पुराना और सबसे पसंदीदा रास्ता है। इस मार्ग पर आने वाला 'कनकतोरा बॉर्डर' और ओड़िशा का 'रेंगाली हब' तस्करी के लिहाज से बेहद संवेदनशील जोन बन चुके हैं, जहां से माल सीधे नेशनल हाईवे पर चढ़ाया जाता है।
- सारंगढ़-बिलाईगढ़-बरगढ़ (सराईपाली बेल्ट): नए जिले सारंगढ़-बिलाईगढ़ से सटा ओड़िशा का बरगढ़ रूट अंतरराज्यीय तस्करों के लिए मुफीद है। यहां का सराईपाली-बरगढ़ बेल्ट घने और लिंक रोड्स से जुड़ा होने के कारण पुलिस के लिए हमेशा बड़ी चुनौती रहता है।
- महासमुंद - बरगढ़, नुआपाड़ा (सिंघोड़ा बॉर्डर): यह छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा और सबसे संवेदनशील गांजा कॉरिडोर माना जाता है। महासमुंद ▶▶| शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ के आयुष का 'इंडिया-ए' टीम में चयन

रायपुर। भारतीय क्रिकेट टीम को रायपुर से एक नया और आक्रामक बांए हाथ का बल्लेबाज मिल गया है। रायपुर के आयुष पांडेय का चयन इंडिया-ए टीम में किया गया है। शनिवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। आयुष 25 जून से श्रीलंका-ए के खिलाफ होने वाली चार दिवसीय मैचों की सीरीज में भारतीय टीम का अहम हिस्सा होंगे। आयुष का यह अहम चयन मुख्य रूप से रणजी ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी और वर्तमान में चल रहे सीसीपीएल में उनके बेहतरीन और निरंतर प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। ▶▶| शेष पेज 7 पर

पिकअप वाहन और ट्रक की टक्कर में नौ की मौत

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर में शनिवार को एक पिकअप वाहन की ट्रक से टक्कर हो जाने के कारण नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। दुर्घटना फिरोजपुर-फाजिल्का सड़क पर जंगावाला मोड़ के पास हुई। जलालाबाद से 32 लोग एक रिश्तेदार की अस्थियों को ब्यास नदी में विसर्जित करने के लिए अमृतसर के ब्यास जा रहे थे कि तभी उनके वाहन की ट्रक से टक्कर हो गई। इनमें से कई की मौके पर ही मौत हो गई और गंभीर रूप से घायल लोगों को फिरोजपुर के सिविल अस्पताल ले जाया गया।

खाद-बीज की कोई कमी न हो, छोटे किसानों को मिले प्राथमिकता : साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/ गरियाबंद

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता के आधार पर खाद-बीज उपलब्ध कराया जाए तथा इसकी जवाबदेही संबंधित कलेक्टरों की होगी। मुख्यमंत्री ने कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गांव-गांव जाकर किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के लाभों की जानकारी दें ताकि आधुनिक कृषि तकनीकों का अधिकतम उपयोग हो सके। उन्होंने अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री गुरुवार को गरियाबंद जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में रायपुर संभाग के जिलों की संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। लगभग साढ़े तीन घंटे तक ▶▶| शेष पेज 7 पर

अवैध रेत उत्खनन पर कड़ी कार्रवाई, नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश

शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने पर बल

शिक्षा की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने स्कूलों में सीखने के स्तर में सुधार, नियमित मॉनिटरिंग तथा नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी है। वहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों का उपयोग कर शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जाए।

जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर का मामला

बाइक चोरी के आरोपी की खंभे से बांधकर पिटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में बाइक चोरी के एक आरोपी युवक के साथ सुरक्षाकर्मियों द्वारा कथित मारपीट का मामला सामने आया है। चोरी के आरोप में एक युवक को सुरक्षा एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा बिजली के खंभे से बांधकर बेरहमी से मारपीट की गई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है।

जिला मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था निजी सुरक्षा एजेंसी कामथेन कंपनी के जिम्मे है। शुक्रवार की देर रात ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मी राजेंद्र पटेल की बाइक अस्पताल परिसर से चोरी हो गई। रात करीब 11:45 बजे वाहन ▶▶| शेष पेज 7 पर

नोटिस जारी कर मांगा जाएगा जवाब

सुरक्षा एजेंसी को नियमानुसार कार्य करना चाहिए। यदि सुरक्षाकर्मियों द्वारा नियमों का उल्लंघन किया गया है तो एजेंसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

डॉ. केके सहारे, मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता

की जाएगी कार्रवाई

आरोपी के साथ मारपीट किए जाने की शिकायत की जांच की जाएगी। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। पूछताछ के दौरान आरोपी विशाल सागर ने चोरी की कई घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार की है। फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

समोसा-भजिया, बड़ा पाव अखबार में पैक किया तो होगी जेल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में सड़क किनारे मिलने वाले समोसे, पकौड़े, कचौड़ी या वड़ा पाव को अखबार में लपेटकर देने का चलन बहुत पुराना है। कई दुकानदार आज भी गर्म-गर्म स्नैक्स को अखबार में पैक करके ग्राहकों को दे देते हैं लेकिन अब ऐसा करना महंगा पड़ सकता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने साफ कर दिया है कि खाने-पीने की चीजों को अखबार में लपेटना या परोसना सुरक्षित नहीं है और यह खाद्य सुरक्षा नियमों के खिलाफ है। नियमों का उल्लंघन करने पर खाद्य कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है जिसमें सजा का प्रावधान भी है। राज्यों को इस पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कहीं भी अखबार का उपयोग खाने की पैकिंग या परोसने में न हो।

अखबार में खाना परोसना खतरनाक

हाल ही में मुंबई में एक फूड वेंडर ग्राहकों को वड़ा पाव अखबार में पैक करके बेचता हुआ पाया गया था। मामले की जानकारी मिलने के बाद खाद्य प्राधिकरण की क्षेत्रीय टीम और बीएमसी ने जांच की और खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन पर जोर दिया। इस घटना ने एक बार फिर अखबार में भोजन परोसने से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को सामने ला दिया, जिसके बाद देशभर के खाद्य कारोबारियों को नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश जारी किए गए।

सेहत के लिए खतरनाक है अखबार

विशेषज्ञों के अनुसार, अखबार की छपाई में इस्तेमाल होने वाली स्याही में कई तरह के रसायन और भारी धातुएं हो सकती हैं, जिनमें सीसा भी शामिल है। गर्म खाने के संपर्क में आने पर ये तत्व भोजन में मिल सकते हैं, जो कि स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसके अलावा अखबार कई बार अस्वच्छ जगहों से होकर गुजरता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया और रोग फैलाने वाले कीटाणु भी मौजूद हो सकते हैं।

दुकानदार से सेफ पैकेजिंग की मांग करें : *वहीं ग्राहकों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। अगर कोई दुकान आज भी अखबार में खाना दे रही है, तो बेहतर होगा कि आप उससे सेफ पैकेजिंग की मांग करें। खाने की चीजों को पैक करने, ढकने या एक्स्ट्रा ऑयल सोखने के लिए अखबार का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए. किसी भी ऐसी स्थिति में जहां खाना सीधे अखबार के संपर्क में आए, उसे सेफ नहीं माना गया है।*

सिर्फ स्याही नहीं, गंदगी भी बन सकती है समस्या

अखबार छपने के बाद प्रिंटिंग प्रेस, गोदाम, ट्रांसपोर्ट और कई लोगों के हाथों से गुजरता है। इस दौरान उस पर धूल, मिट्टी और बैक्टीरिया जमा हो सकते हैं। ऐसे कागज में खाना रखने से संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है। यही वजह है कि खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञ लंबे समय से अखबार के इस्तेमाल से बचने की सलाह देते रहे हैं।

छोटे-बड़े सभी दुकानदारों के लिए है नियम

यह नियम सिर्फ बड़े होटल या रेस्तरां के लिए नहीं है। छोटे ठेले वाले, स्ट्रीट फूड विक्रेता, फूड डिलीवरी किचन, कैटरिंग सर्विस, फास्ट फूड आउटलेट और खाद्य पदार्थ बेचने वाले सभी कारोबारियों पर यह लागू होता है। यानी अगर कोई दुकानदार खाने को अखबार में पैक करता है या तेल सोखने के लिए अखबार का इस्तेमाल करता है, तो उसे नियमों का उल्लंघन माना जा सकता है।

खबर संक्षेप

दिल्ली में हिमांशु गिरोह के तीन शार्प शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में एक नाबालिग समेत हिमांशु भाऊ गिरोह के तीन कथित शार्पशूटर को हिरासत में लिया गया तथा उनके पास से दो अत्याधुनिक अवैध पिस्तौल और 27 कारतूस जब्त किये गये। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान हरियाणा के झज्जर निवासी अजय (22), पूठ खुर्द के कन्हैया कुमार (22) और उसी इलाके के 17-वर्षीय एक किशोर के रूप में हुई है।

पिता-पुत्र से 1.46 करोड़ रुपए की स्मैक बरामद

जयपुर। राजस्थान के बारां जिले में पुलिस ने 732 ग्राम स्मैक बरामद करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जब्त स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1.46 करोड़ रुपए आंकी गई है। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान विमल प्रकाश महाजन, उसके पुत्र रवि मित्तल और नरेश मीणा के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपी रवि मित्तल और विमल प्रकाश के कब्जे से 732 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ 46 लाख 40 हजार रुपये आंकी गई है।

एक तरफ चल रही शांति समझौते की बात, दूसरी तरफ ताबड़तोड़ बमबारी

रात को ईरान ने किया ड्रोन से हमला सुबह अमेरिका ने भी कर दी बमबारी

एजेंसी ▶▶| तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच शनिवार को तनाव एक बार फिर बढ़ गया। देर रात जहां ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों का ड्रोन से हमला किया वहीं सुबह अमेरिका सेना ने पलटवार करते हुए मिसाइलें दाग दीं।

अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की ओर भेजे गए ईरानी ड्रोन मार गिराए। इसके बाद अमेरिका ने ईरान के तटीय रडार और निगरानी ठिकानों पर हमला किया। दूसरी ओर ईरान ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे टैंकरों को निशाना बनाया। दोनों देशों के बीच युद्ध रोकने के लिए बातचीत जारी है, लेकिन अब तक कोई समझौता नहीं हो पाया है।

अमेरिका ने कहा-ड्रोन हमले किए नाकाम

अमेरिकी सेना के अनुसार ईरान ने चार ड्रोन होर्मुज स्ट्रेट की दिशा में भेजे थे। एक अमेरिकी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि इन ड्रोन का लक्ष्य क्षेत्रीय समुद्री यातायात माना जा रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि इसके बाद अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट पर स्थित गोरुक और क्रेश्म द्वीप के निगरानी ठिकानों पर हमला किया।

ईरान ने कहा- अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के पास दुश्मन ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। अमेरिकी हमलों के जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान ने यह भी कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे चार टैंकरों पर गोलीबारी की। अमरीकी सेना के मुताबिक ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें 6 को हवा में ही रोक दिया गया, जबकि सातवीं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

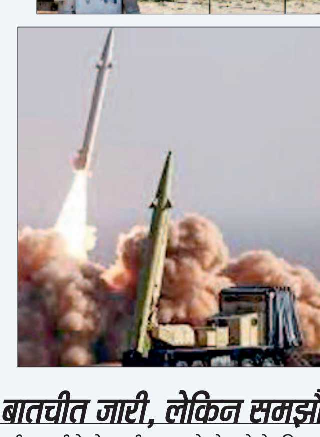

कुवैत और बहरीन में अलर्ट

कुवैत की सरकारी मीडिया के अनुसार देश की वायु रक्षा प्रणाली अज्ञात स्रोत से आए मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोक रही थी। बहरीन में सायरन बजाए गए और लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया। ईरान ने कहा कि उसने दोनों देशों में अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। वहीं अमेरिकी सेना ने कहा कि छह मिसाइलों को रोक लिया गया और सातवीं मिसाइल अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंची।

बातचीत जारी, लेकिन समझौता नहीं

अमेरिका और ईरान पिछले तीन महीने से जारी युद्ध को रोकने के लिए अप्रत्यक्ष बातचीत कर रहे हैं। इन वार्ताओं का उद्देश्य एक अंतरिम समझौता करना है, जबकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे मुद्दों पर आगे बातचीत होनी है। हालांकि बीच-बीच में होने वाली सैन्य झड़पों के कारण अब तक कोई समझौता नहीं हो सका है।

इजरायल करा रहा ट्रंप की जासूसी, खुफिया रिपोर्ट से हलचल

अमेरिका के खुफिया विभाग की एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका में इजरायल की खुफिया गतिविधियां बढ़ गई हैं। इजरायली खुफिया एजेंसी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जासूसी करने में लगी हुई हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने हाल ही में इजरायल से जुड़े काउंटर-इंटेलिजेंस खतरे का स्तर बढ़ाकर क्रिटिकल कर दिया है, जिसका मतलब है कि इजरायल अमेरिकी अधिकारियों को कभी भी निशाना बना सकते हैं। रिपोर्ट में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों को संभावित निगरानी से बचने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

समुद्र मंथन मिशन कामयाब

355 मीटर गहरे पानी में मिला नेचुरल गैस का बड़ा भंडार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड को अंडमान ऑफशोर क्षेत्र में दूसरी नेचुरल गैस खोज में सफलता मिली है। कंपनी ने विजयपुरम-3 खोजी कुएं में प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि की है। इससे पहले सितंबर 2025 में विजयपुरम में 2 कुएं में भी गैस की खोज हुई थी। कंपनी के अनुसार अब तक ड्रिल किए गए तीन खोजी कुओं में से दो में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी मिली है। इस सफलता से अंडमान बेसिन में भविष्य की खोज गतिविधियों की संभावनाएं मजबूत हुई हैं और यह क्षेत्र तेल और गैस खोज के लिए महत्वपूर्ण बनता दिख रहा है।

परीक्षण में मिली पुष्टि

मंत्री ने कहा कि 1900 मीटर से अधिक गहराई पर इओसीन संरचना में किए गए शुरुआती उत्पादन परीक्षण के दौरान लगातार फ्लेयरिंग के माध्यम से प्राकृतिक गैस की मौजूदगी स्थापित हुई। कंपनी के अनुसार परफोरेशन के बाद कुएं में दबाव तेजी से बढ़ा और उत्पादन शुरू हो गया. इससे जलाशय की उत्साहजनक विशेषताओं का संकेत मिला।

कहां हुई नई खोज

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि यह खोज विजयपुरम-3 खोजी कुएं में हुई है। यह कुआं अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित है। यह क्षेत्र 355 मीटर गहरे पानी में स्थित है। यह उसी ब्लॉक में आइल द्वारा ड्रिल किया गया दूसरा सफल गैस युक्त कुआं है। कंपनी ने कहा कि अब तक चलाए गए तीन खोजी कुओं में से दो में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी की पुष्टि हो चुकी है।

समुद्र मंथन मिशन का जिक्र : हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2025 पर घोषित समुद्र मंथन मिशन के तहत देश के ऑफशोर बेसिनों में बड़ी संख्या में डीपवॉटर और अल्ट्रा डीपवॉटर खोजी कुएं खोदे जाने की योजना है।

अंडमान बेसिन में बढ़ी उम्मीदें

कंपनी ने कहा कि लगातार दो गैस खोज भारत के ऑफशोर खोज प्रयासों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं। विशेष रूप से अपेक्षाकृत कम खोजे गए अंडमान बेसिन के लिए यह एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। कंपनी के अनुसार यह खोज एक सक्रिय पेट्रोलियम प्रणाली का महत्वपूर्ण संकेत है और बेसिन में अतिरिक्त हाइड्रोकार्बन भंडार की मौजूदगी की ओर इशारा कर सकती है।

बांग्लादेशी घुसपैठ की बड़ी साजिश नाकाम, 30 पकड़ाए

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने के बाद अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ अभियान तेज हो गया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर सख्त रुख अख्तियार किया है। इसके बाद मालदा में डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं। बांग्लादेश बॉर्डर पर घुसपैठियों का हुजूम उमड़ पड़ा है।

- बीएसएफ ने कूचबिहार बॉर्डर पर चलाया अभियान

सीमा पर बढ़े तनाव के बीच सीमा सुरक्षा बल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद बीएसएफ जवानों ने अभियान चलाया और कम से कम 30 लोगों को पकड़ा है।

पकड़े गए लोगों की हो रही जांच

रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को बंगाल के कूचबिहार सेक्टर में तलाशी के दौरान जवानों ने सीमा के पास से करीब 30 लोगों को पकड़ा इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। फिलहाल पकड़े गए लोगों के आईडी वेरिफिकेशन की प्रक्रिया की जा रही है।

सिक्किम में आग लगने से मठ और दो घर जलकर खाक

गंगटोक। उत्तरी सिक्किम के लाचेन क्षेत्र में लगी आग में 61 साल पुराना एक मठ और उससे सटे दो घर जलकर खाक हो गए। 'थांगू सेर्टोक गुम्पा' में आधी रात के आसपास आग लग गई और यह आसपास के दो घरों में भी फैल गई, जिसपर स्थानीय लोगों ने काबू पाया, क्योंकि दमकल गाड़ियां दुर्गम रास्तों के कारण घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकीं।

कार के उड़े परखच्चे, आप नेता समेत पांच की मौत, दो गंभीर

एजेंसी ▶▶| मोरबी

गुजरात के मोरबी जिले में शुक्रवार रात कार व ट्रक की टक्कर में आम आदमी पार्टी के एक स्थानीय नेता समेत पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा मोरबी-हलवद हाईवे पर चराडवा गांव के पास रात करीब 9:30 बजे हुआ। कार ट्रक की टक्कर इतनी भयावह थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए।

पुलिस के मुताबिक, सात लोग एक कार में सवार होकर हलवद तालुका के रांचोरगढ़ गांव से राजकोट जा रहे थे। कार में मौजूद 24 वर्षीय परेश धाधेया पहले एक बाइक दुर्घटना में घायल हो गए थे और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था। इसी दौरान चराडवा गांव के पास सड़क पार कर रहे एक डंपर ट्रक से कार की जोरदार टक्कर हो गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

गुजरात में दर्दनाक सड़क हादसा

इनकी हुई मौत

हादसे में आम आदमी पार्टी के तालुका पंचायत सदस्य प्रेमजी धाधेया, परेश धाधेया, सुरेश सिरोया, वीरम धाधेया और भरत धाधेया के रूप में हुई है। हादसे में घायल दो अन्य लोगों को गंभीर हालत में राजकोट के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

HMS घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहांसे • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

राजनांदगांव

स्कूल चलें हम... किस्त 1

122 शालाओं में बालक-बालिका के लिए पृथक शौचालय नहीं

जर्जर भवन और टूटे फर्नीचरों की बीच होगी पढ़ाई, 531 स्कूलों को मरम्मत की दरकार

हफीज खान ▶▶| राजनांदगांव

अलग खबर

स्कूलों की बदहाल व्यवस्था वर्षों से एक ही ढर्रे पर चलती हुई नजर आ रही है। शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार की तमाम कोशिशे केवल योजनाओं तक सीमित दिखाई देती है । इसका धरातल पर क्रियान्वयन नजर नहीं आता है। जिले की सैकड़ों जर्जर स्कूलों में बच्चे अध्ययन करने मजबूर है। जिससे हादसों का खतरा होने के साथ ही असुविधाएं व्याप्त है। जिले में जर्जर शाला भवन और संसाधनों में कमी को लेकर शिक्षा विभाग के माध्यम से प्रतिवर्ष जर्जर ▶▶|शेष पेज 7 पर

गिरते प्लास्टर और टपकती छत के नीचे पढ़ेंगे बच्चे

16 जून से स्कूलों के पट बच्चों की शिक्षा अध्ययन के लिए खुल जाएंगे लेकिन इससे पहले स्कूल में व्याप्त समस्याओं को दूर करने के लिए काम नहीं किया गया है। जिले में चिन्हित जर्जर स्कूलों के भवन काम मरम्मत नहीं होने से इस सत्र में भी बच्चे गिरते प्लास्टर और टपकती छत के बीच शिक्षा ग्रहण करने मजबूर होंगे।

प्रसाधन के दरवाजे भी जर्जर

कई शासकीय स्कूलों में शौचालय तो है लेकिन दरवाजे टूटे हुए हैं । कुछ जगहों पर तो बालक और बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय भी नहीं है। कुछ स्कूलों में विद्यार्थी और शिक्षक एक ही प्रसाधन का उपयोग करते हैं। आलम यह है कि जिले 182 शासकीय स्कूलों में अब तक बालिका- शौचालय निर्माण कार्य की स्वीकृति नहीं हुई है।

सौ से अधिक भवन खंडहर

जिले में स्कूल के 107 पुराने भवन हैं, जिसका उपयोग वर्तमान में नहीं हो रहा है, लेकिन यह भवन स्कूल परिसर में होने के चलते खतरे का सबब बने हुए हैं, इन्हें जमीदोज करने की आवश्यकता है, लेकिन संबंधित स्कूल प्रशासन के द्वारा पत्राचार करने के बाद भी ऐसे चिन्हित जर्जर भवनों को डिस्मेंटल नहीं किया जा रहा है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1163 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पीएम मोदी ने ईएसी-पीएम के सदस्यों के साथ बैठक की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद' के सदस्यों के साथ बैठक कर वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि को और तेज करने के उपायों पर चर्चा की। इस बैठक में 'जीवन की सुगमता' और 'कारोबारी सुगमता' को और बेहतर बनाने से जुड़े विभिन्न सुधारों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सीबीएसई में वैरिफिकेशन की आज अंतिम तिथि

नई दिल्ली। सीबीएसई ने 12वीं बोर्ड परीक्षा की आंसर शीट के वैरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 6 जून से बढ़ाकर 7 जून कर दी है। सीबीएसई ने 2 जून को पोस्ट-रिजल्ट दिक्कतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया था। इसके बाद कई छात्रों ने आंसर शीट देखने और वेरिफिकेशन, री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन करने के दौरान कई दिक्कत आने की शिकायत की थी। बोर्ड ने पोर्टल पर साइबर हमलों के मामले में एफआईआर दर्ज कराई है।

रहमान बीएसएफ के सम्मान में देंगे प्रस्तुति

नई दिल्ली। संगीतकार ए आर रहमान सीमा सुरक्षा बल के सम्मान में अटारी सीमा पर संगीतमय प्रस्तुति देंगे। यह घोषणा आने वाली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के निर्माताओं ने की है। यह कार्यक्रम रविवार को पंजाब की अटारी सीमा स्थित जेसीपी स्टेडियम में परेड समारोह के दौरान शाम साढ़े चार से साढ़े पांच बजे के बीच होगा।

यूजीसी नेट : 22 से 30 जून तक होगी परीक्षा

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने यूजीसी नेट जून 2026 परीक्षा का विषयवार शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा 22 जून से 30 जून 2026 के बीच कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो शिफ्टों में होगी। पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की जाएगी। पहले दिन शिफ्ट-1 में विजुअल आर्ट, म्यूजियोलॉजी एंड कंजर्वेशन विषय शामिल हैं।

तस्करों की साढ़े तीन करोड़ की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर। श्रीनगर में दो कथित मादक पदार्थ तस्करों की करीब 3.5 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की गई है। यह कार्रवाई मादक पदार्थ तस्करों पर पुलिस की धरपकड़ और 'नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान' के तहत कथित तौर पर नशीले पदार्थों के धंधे से बनाई गई संपत्तियों को निशाना बनाने की कोशिशों के साथ की गई।

2 दिन में 7 राज्यों में एंट्री, उत्तर भारत में 2 दिन बरसात

मानसून ने पकड़ी रफ्तार, महाराष्ट्र से कर्नाटक तक झमाझम बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देशभर में मानसून की रफ्तार अब तेज होती नजर आ रही है। केरल में दस्तक देने के बाद मानसून ने पूरे राज्य को कवर कर लिया है। शनिवार को यह आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम और मणिपुर पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को कर्नाटक, तमिलनाडु और गोवा में एंट्री की थी। महाराष्ट्र और कर्नाटक में झमाझम बारिश हो रही है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार शुरुआती चरण में मानसून काफी सक्रिय दिखाई दे रहा है।

खास खबर

दक्षिण भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों तक अच्छी बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी तट पर केरल से लेकर गोवा और मुंबई तक बारिश का सिलसिला जारी रहने के संकेत हैं। आईएमडी ने यह भी कहा कि दक्षिण-पश्चिमी मानसून मध्य-पश्चिमी और मध्य-पूर्वी अरब सागर के अधिकांश हिस्सों के साथ-साथ गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने कहा कि उत्तरी केरल के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण छह जून को कासरगोड, कन्नूर, कोझिकोड, वायनाड और मलप्पुरम जिलों के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। उसने कहा कि छह से नौ जून तक केरल और माहे के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

प्री-मानसून की गतिविधियां तेज

गुजरात को छोड़कर देशभर में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हैं। राजस्थान, मध्यप्रदेश, यूपी, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के बीकानेर में तेज आंधी और बारिश से गारबदेसर गांव के स्कूल के एक कमरे की छत गिर गई। हिमाचल प्रदेश के मनाली में रोहतांग दर्रे पर बर्फ देखने के लिए पहुंचे टूरिस्ट। यहां बारिश भी हो रही है।

छत्तीसगढ़ और मप्र में धीमी रफ्तार

स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है, क्योंकि इसे आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में कोई मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव नहीं है। राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर जारी है। बीकानेर में शनिवार को ओले गिरे। श्रीडूंगरगढ़ में वेयरहाउस के टिनशेड और कोटपूतली-बहरोड़ में टेंट उड़ गया।

छत्तीसगढ़ में आंधी-बारिश का अलर्ट

छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में इसी तरह के मौसम बने रहने की संभावना जताई है। रायपुर समेत कई जिलों में बादल छाए रहने, गरज-चमक, बारिश और धूलभरी आंधी के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। बिजली गिरने और आंधी के साथ बारिश की भी संभावना जताई गई है।

इन राज्यों में आज ऐसा रहेगा मौसम

- केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, लक्षद्वीप और आंध्र प्रदेश में बारिश जारी रहने का अनुमान
- राजस्थान के कई हिस्सों में 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं
- पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में आंधी-तूफान के साथ बारिश की स्थिति रह सकती है
- ओडिशा, बिहार और झारखंड में आंधी-तूफान और बारिश का असर बना रह सकता है

खिताब जीतने वाले पहले भारतीय

प्रज्ञानानंदा ने नार्वे चेस जीतकर रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा इतिहास रचते हुए अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर प्रतिष्ठित नार्वे शतरंज का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। प्रज्ञानानंदा ने आखिरी दिन की शुरुआत 15 अंक के साथ तीसरे स्थान से की। उन्होंने सबसे अहम मौके पर बेहतरीन खेल दिखाया और क्लासिकल बाजी में जीत हासिल करके पूरे तीन अंक बटोरे। इस तरह वे 18 अंक पर पहुंचे और एलीट शतरंज की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफियों में से एक अपने नाम की। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने वह उपलब्धि हासिल की जो 2013 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद और डी गुकेश जैसे खिलाड़ी हासिल नहीं कर पाए थे।

भारतीय टीम में वैभव

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के अलावा एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम का चयन हुआ। इस टीम में सबसे बड़ी चर्चा 15 वर्षीय बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को लेकर है, जिन्हें पहली बार भारतीय सीनियर टीम में मौका मिला है। आईपीएल-2026 में अपने तूफानी प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरने वाले वैभव अब टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे। श्रेयस अय्यर के कप्तान बनने की खबरें सामने आ रही थीं और अब भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने इस पर मुहर लगा दी।

प्रदीप सोनी हत्याकांड

भाई के मोबाइल पर मैसेज मैंने गोली मार कर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पेंड्रा

हरिभूमि फॉलोअप

सर्राफा व्यापारी प्रदीप सोनी लूट और हत्याकांड मामले में एक नया और सनसनीखेज मोड़ आया है। मृतक के छोटे भाई मनोज सोनी के व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से धमकी भरा संदेश आया है, जिसमें लिखा है कि प्रदीप कुमार सोनी की गोली मारकर हत्या मैंने की है। इस मैसेज के बाद से पीड़ित परिवार में एक बार फिर दहशत का माहौल है। ज्ञात हो कि जिले के कोटमी गांव में बाजार में सर्राफा व्यापारी प्रदीप सोनी की गोली मार हत्या कर दी गई थी।

थाने में शिकायत

मनोज सोनी ने वाट्सएप पर मैसेज आने की शिकायत पेंड्रा पुलिस से की है। इस पर पुलिस ने अज्ञात मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ बीएनएस की धारा 296 और 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से नंबर की पहचान और आरोपी का लोकेशन ट्रेस करने में जुट गई है। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि यह मैसेज सचमुच किसी आरोपी ने भेजा है या फिर जांच को भटकाने और परिवार को डराने के लिए ऐसा किया गया है। गौरतलब है कि अन्य फरार आरोपियों की तलाश के बीच इस व्हाट्सएप मैसेज ने पुलिस की तफ्तीश को और तेज कर दिया है।

घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के 29 रुपए बढ़ गए दाम

नई दिल्ली। घरेलू रसोई गैस एलपीजी की कीमत में 29 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी गई है। यह तीन महीने में दूसरी बढ़ोतरी है, क्योंकि सरकारी ईंधन कंपनियां बढ़ती वैश्विक ऊर्जा लागत से जूझ रही हैं। दिल्ली में 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 913 रुपए से बढ़कर 942 रुपए हो गई है। यह नई दर 7 जून से लागू हो गई है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, मार्च में पश्चिम एशिया में हुए संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई थी, जिसके चलते 7 मार्च को 60 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी। फिर भी, घरेलू एलपीजी बिक्री पर हो रहे नुकसान को सिर्फ आंशिक रूप से ही कवर किया जा सका। इस बढ़ोतरी से पहले सरकारी तेल कंपनियां हर एलपीजी सिलेंडर पर करीब 703 रुपए का नुकसान उठा रही थीं। एलपीजी की इस बढ़ोतरी के साथ ही अन्य ईंधनों की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। मई के मध्य से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 7.50 प्रति लीटर रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। सीएनजी की दर में करीब 6 रुपए प्रति किलो की वृद्धि हुई है।

आज से नई दरें

'कॉकरोच' का मुखौटा पहनकर किया जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर शिक्षा मंत्री प्रधान से मांगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सैकड़ों प्रदर्शनकारी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बैनर तले शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एकत्र हुए। इस दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रदर्शनकारियों से यह संदेश देने को कहा कि 'हम डरते नहीं' है। प्रदर्शन का आह्वान करने वाले दीपके शनिवार सुबह अमेरिका से दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पुलिस से अनुमति मिलने के बाद वह जंतर-मंतर पहुंचे, जहां सुबह से ही लोग एकत्र होने लगे थे।

चेहरे पर मुखौटा, हाथों में फूल

प्रदर्शन में सैकड़ों लोग शामिल हुए, जिनमें खासकर युवा थे। उनमें से कई ने कॉकरोच के मुखौटे पहन रखे थे और वे हाथों में फूल लिए हुए थे। स्कूली छात्र भी अपने माता-पिता के साथ प्रदर्शन में शामिल होते दिखाई दिए। प्रदर्शन में शामिल लोगों में अधिकतर स्कूली और कॉलेज छात्र तथा युवा पेशेवर थे। प्रदर्शन स्थल पर बड़ी संख्या में एकत्र हुए छात्रों ने नारे लगाते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। दीपके ने समर्थकों से अनुशासन बनाए रखने और प्रदर्शन को शांतिपूर्ण रखने का आग्रह किया।

वांगचुक बोले- शांतिपूर्ण प्रदर्शन से प्रभावित

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कहा कि वह युवाओं और उनके शांतिपूर्ण प्रदर्शन से प्रभावित हैं। उन्होंने इस बात की भी सराहना की कि सरकार ने प्रदर्शन की अनुमति दी। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि भविष्य में भी सरकार इसी प्रकार की रचनात्मक अभिव्यक्तियों की अनुमति देगी। वांगचुक ने दीपके को 'कॉकरोच-इन-चीफ' बताते हुए उनका धन्यवाद किया और प्रदर्शनकारियों से कहा, आप घर पर बैठकर रोते नहीं रहे और न ही सड़क पर कोई हंगामा कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी संविधान की प्रतियां और राष्ट्रध्वज भी लेकर आए थे तथा कुछ लोग फूल लेकर पहुंचे थे।

पांच हजार से ज्यादा रीडर हो जाएंगे बेरोजगार

मीटर से ही तैयार हुआ स्मार्ट बिल, सफल ट्रायल के बाद ऑनलाइन बिलिंग, बचेंगे हर माह छह करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

प्रदेश में अब बिजली उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग को भी स्मार्ट किया जा रहा है। इस महीने पहली बार इसका सफल ट्रायल किया गया। स्मार्ट मीटरों की रीडिंग सीधे कंट्रोल रूम से बैठकर की जा रही है। उपभोक्ताओं को सीधे उनके मोबाइल नंबर पर मैसेज के माध्यम से बिल भेजा जा रहा है। सफल प्रयोग के बाद आने वाले समय में ऑनलाइन रीडिंग का ही सिस्टम चलेगा। ▶▶|शेष पेज 7 पर

आयोग से लेंगे मंजूरी

बिजली बिल को पेपरलेस करने के लिए ऑनलाइन बिलिंग प्रारंभ की गई है। अभी इसका ट्रायल कर रहे हैं, स्थाई व्यवस्था के लिए बिजली नियामक आयोग से मंजूरी लेनी पड़ेगी।

-भीमसिंह कंवर
एमडी, वितरण कंपनी

पेपरलेस बिलिंग की तैयारी

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी पेपरलैस बिजली बिल पर काम कर रहा है। जून में स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को सीधे उनके मोबाइल पर बिल भेजा गया है। इससे एक बड़ा फायदा यह है कि उपभोक्ताओं को रीडरों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अक्सर रीडिंग गलत होने की शिकायत भी रहती है। ऐसी शिकायत भी नहीं रहेगी। वहीं मकान बंद होने पर औसत रीडिंग के बाद होने वाले विवाद खत्म हो जाएंगे।

पिछले कुछ सालों में भारत में पेपर लीक की घटनाएं एक गंभीर राष्ट्रीय समस्या बनकर उभरी हैं। इसने न सिर्फ लाखों युवाओं के करियर पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि पूरी शिक्षा और भर्ती प्रणाली के भरोसे को भी गहरा धक्का पहुंचाया है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है। तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के बड़े-बड़े दावों के बीच आखिर चूक हो गई। इसके लिए सीबीएसई को परीक्षकों के लिए एक अनिवार्य और व्यापक डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना होगा, ताकि वे स्क्रीन पर भी न्यायपूर्ण मूल्यांकन कर सकें। पेपर लीक की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लगातार अत्यधिक कठिन बनाया जा रहा है। जेईई एडवांस्ड और नीट जैसी परीक्षाओं में कई प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो भले ही औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम के अंतर्गत हों, लेकिन उनकी जटिलता सामान्य विद्यालयी शिक्षा के स्तर से कहीं अधिक होती है। शिक्षा व्यवस्था का लक्ष्य प्रतिभा को पहचानना होना चाहिए, उसे अनावश्यक दबाव और असमानताओं के जाल में फंसाना नहीं। अब समय आ गया है कि एक पारदर्शी, सुरक्षित और अचूक परीक्षा प्रणाली का निर्माण किया जाए। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

पेपर लीक : सिस्टम को इलाज की जरूरत

विश्लेषण
चरणजीत चरण
स्वतंत्र स्तंभकार

सीबीएसई एवं नीट की परीक्षाओं ने देश के युवा को निराश किया है। इस तरह की घटनाएं जब भी होती हैं तो देश के युवा मन में निराशा और अवसाद का एक बीज उपजने लगता है, जिससे उस युवा का समूचा परिवार प्रभावित होता है। सरकार नीतियां निर्धारित करती है, लेकिन उन नीतियों का क्रियान्वयन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी, पेपर बनाने वाले एक्सपर्ट वो लोग जिन पर उस पेपर को संभालने और उसकी गोपनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी होती है या कोई बड़ा राजनीतिक व्यक्ति जब किसी लालच का शिकार हो जाता है तो पेपर लीक जैसी घटनाएं समाज में घटती हैं। इस तरह की घटनाओं को किसी एक व्यक्ति की गलती के तौर पर देखना पूरे सिस्टम की गंदगी पर पर्दा डालने जैसा होगा।

किसी भी देश को आत्मनिर्भर बनाने और उसके सांस्कृतिक, धार्मिक, तकनीकी एवं नैतिक उत्थान को उसके वैभव तक ले जाने में उस देश की शिक्षा का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान होता है। अगर किसी कारण से शिक्षा व्यवस्था में कोई सेंधमारी होती है तो यह निश्चित रूप से उस देश के भविष्य के लिए चिंता का विषय है। पिछले कई वर्षों से भारत की कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं इस समस्या से जूझ रही हैं। सामान्य परीक्षाओं से लेकर भर्ती परीक्षाएं भी पेपर लीक की शिकार हुई हैं। अगर हालिया वर्ष की बात करें तो सीबीएसई एवं नीट की परीक्षाओं ने देश के युवा को निराश किया है। इस तरह की घटनाएं जब भी होती हैं तो देश के युवा मन में निराशा और अवसाद का एक बीज उपजने लगता है, जिससे उस युवा का समूचा परिवार प्रभावित होता है। सरकार नीतियां निर्धारित करती है, लेकिन उन नीतिओं का क्रियान्वयन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी, पेपर बनाने वाले एक्सपर्ट वो लोग जिन पर उस पेपर को संभालने और उसकी गोपनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी होती है या कोई बड़ा राजनीतिक व्यक्ति जब किसी लालच का शिकार हो जाता है तो पेपर लीक जैसी घटनाएं समाज में घटती हैं। इस तरह की घटनाओं को किसी एक व्यक्ति की गलती के तौर पर देखना पूरे सिस्टम की गंदगी पर पर्दा डालने जैसा होगा। सिस्टम में बैठे लोगों की लापरवाही कोई तकनीकी खामी या किसी व्यक्ति का नैतिक पतन किसी भी परीक्षा के लीक के लिए जिम्मेदार हो सकता है, लेकिन इसके लिए भी सबसे अधिक जिम्मेदारी सरकार की ही बनती है। पेपर लीक का यह मामला पहला नहीं है। कई वर्षों से इस तरह के मामले निरंतर आ रहे है, लेकिन उसके लिए कोई ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना, एक निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर किसी बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना और उसका उल्लंघन होने पर कड़ी सजा का प्रावधान न होना इस सारे घटनाक्रम का कारण बनता है।

संगठित अपराध बना पेपर लीक

लीक होने वाली इन परीक्षाओं के लिए सरकार, प्रशासन और विशेषज्ञ ही जिम्मेदार हों, ऐसा नहीं है। बात अब इससे बहुत आगे बढ़ चुकी है। पेपर लीक अब एक संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें मोटा पैसा, रसूक और माफिया तंत्र का कॉकटेल बन चुका है। समाज के मध्यवर्ग में बैठे कुछ बड़े अधिकारी, उद्योगपति और कोचिंग संचालक इस पूरी प्रक्रिया से मोटा पैसा खींच रहे हैं। एक तरफ जहां लोगों पर सामाजिक दबाव है, बच्चों को किसी अच्छे कोर्स में डालने का और उन्हें कामयाब होते हुए देखने का, तो दूसरी तरफ अपनी सामाजिक और आर्थिक सत्ता को बचाने का भी दबाव है। इसके चलते पेपर लीक जैसे शॉर्टकट के माध्यम से नालायक बच्चों को भी कामयाब बनाने की कोशिश की जा रही है।

पैसे वाले माता-पिता की इसी मज़बूरी और महत्वाकांक्षा का फायदा पेपर लीक माफिया उठा रहा है। लीक पेपर के लाखों रुपये पेरेंट्स से वसूले जाते हैं। लीक पेपर से बना डॉक्टर इंजीनियर या अन्य किसी पद पर बैठा व्यक्ति समाज में कभी नैतिकता के पैमाने पर खरा नहीं उतर सकता। आज बहुत से इंस्टिट्यूट ये दावा करते हैं कि उनके यहां से कोचिंग लेने पर परीक्षा पास करने की सौ प्रतिशत गारंटी है।

भ्रामक विज्ञापन पर रोक लगे

पेपर लीक की बुनियाद यही गारंटी है। इसको बस ऐसे समझ लीजिए कि कोई तरबूज बेचने वाला अगर सौ प्रतिशत लाल और मीठे की गारंटी लेता है तो निश्चित मानना चाहिए कि वहां तरबूज में किसी केमिकल का इस्तेमाल हुआ है। भारत में भी पेपर लीक का एक बड़ा सोर्स इसी तरह के संस्थान हैं, जिन पर पूर्णतया रोक लगाने या इस तरह के भ्रामक विज्ञापन बंद करने की आवश्यकता है। आज सरकार और स्वयं पेरेंट्स को यह तय करना होगा कि हम देश में कैसा तंत्र चाहते हैं। क्या हम एक ऐसे डॉक्टर से इलाज कराना चाहते हैं तो पेपर लीक से डॉक्टर बना है।

पेपर लीक : मुख्य कारण

- ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना पेपर लीक का मुख्य कारण
- दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना शामिल
- निचले स्तर से बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना
- कड़ी सजा का प्रावधान न होना

सुधरनी चाहिए व्यवस्था

क्या हम किसी ऐसे इंजीनियर के मानकों पर खरे उतरे पुल से गुजरना चाहते हैं जो पेपर लीक सका सहारा लेकर यहां तक पहुंचा है, यह समस्या आज विकराल रूप लेती जा रही है। बार-बार पेपर लीक होना बताता है कि सिस्टम का एक बड़ा हिस्सा सड़ चुका है। उसे एक सतत इलाज की ज़रूरत है। जब तक सिस्टम में बैठे लोगों की जिम्मेदारी तय नहीं होती और जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान नहीं होता, तब तक इस समस्या से निपटना आसान नहीं है।

साथ ही हमें बच्चों को बेसिक शिक्षा से ही नैतिक मूल्यों की कसौटी पर इस परिपक्वता के साथ ढालना होगा कि वे स्वयं इस तरह के अनैतिक कार्य के विरुद्ध खड़े होकर अपनी आवाज मुखर कर सकें। अगर ये नहीं होता है तो भविष्य में इसके बहुत ही दुखद परिणाम देखने को मिलेंगे। क्योंकि सालों साल मेहनत करने वाला बच्चा जब यह देखता है कि जिस करियर के सपने को सजाकर वह वर्षों से मेहनत कर रहा था, वह परीक्षा लीक हो चुकी है तो उसके मन मस्तिष्क पर इसका ऐसा दुष्प्रभाव पड़ेगा कि वह पूरे जीवन देश की सरकार और सिस्टम पर विश्वास नहीं कर पाएगा। हो सकता है कि यह घटना उसके मानसिक अवसाद का कारण बन जाए।

समाज होता है प्रभावित

इसका एक और दुष्परिणाम यह होगा कि बहुत सारे योग्य बच्चों की जगह अयोग्य बच्चे उन महत्वपूर्ण पदों पर बैठ जाएंगे, जहां से पूरा समाज प्रभावित होता है। यह ऐसी स्थिति होती है जैसे किसी स्वस्थ शरीर में एक अंग का खराब हो जाना,जो आज नहीं तो कल पूरे शरीर के लिए घातक साबित होगा।

स्कूली शिक्षा के अनुरूप हों प्रतियोगी परीक्षाएं

व्यवस्था
विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

देश में प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पिछले कुछ वर्षों में गंभीर प्रश्नों के घेरे में आई है। विशेष रूप से मेडिकल प्रवेश परीक्षा जैसे नीट से जुड़े विवादों ने लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को चिंता में डाल दिया है। लाखों की संख्या मे छात्रों द्वारा दी गई इस परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने, असामान्य रूप से बड़ी संख्या में छात्रों के अत्यधिक अंक प्राप्त करने तथा परीक्षा संचालन में अनियमितताओं के आरोप लगे। साथ ही विभिन्न राज्यों में शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, रेलवे भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों ने न केवल युवाओं का विश्वास कमजोर किया है बल्कि परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पेपर लीक की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लगातार अत्यधिक कठिन बनाया जा रहा है। जेईई एडवांस्ड और नीट जैसी परीक्षाओं में कई प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो भले ही औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम के अंतर्गत हों, लेकिन उनकी जटिलता सामान्य विद्यालयी शिक्षा के स्तर से कहीं अधिक होती है। राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की पुस्तकों पर आधारित होने का दावा करने वाली परीक्षाओं में भी अनेक ऐसे प्रश्न देखने को मिलते हैं, जिनके समाधान के लिए विशेष कोचिंग की आवश्यकता पड़ती है। इस संदर्भ में यह प्रश्न प्रासंगिक हो जाता है कि जब चयन प्रक्रिया का अंतिम आधार मेरिट ही है, तब प्रश्नपत्रों की कठिनाई का स्तर इतना अधिक रखने की आवश्यकता क्यों महसूस की जाती है? यदि किसी परीक्षा में दस लाख विद्यार्थी शामिल होते हैं और केवल पांच हजार का चयन होना है, तो अपेक्षाकृत संतुलित और पाठ्यक्रम आधारित प्रश्नपत्र में भी श्रेष्ठ विद्यार्थियों की पहचान की जा सकती है। कठिनाई बढ़ाने से चयन प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष नहीं हो जाती, बल्कि यह उन छात्रों को अतिरिक्त लाभ देती है जिन्हें महंगे कोचिंग संस्थानों तक पहुंच उपलब्ध है। भारत में शायद इसीलिए भी कोचिंग उद्योग का आकार लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान का कोटा, तेलंगाना का हैदराबाद तथा दिल्ली का मुखर्जी नगर जैसे क्षेत्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बड़े केंद्र बन चुके हैं। अनेक परिवार अपने बच्चों की तैयारी पर लाखों रुपये खर्च करने के लिए विवश हो जाते हैं। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र इस प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट जाते हैं। यह स्थिति शिक्षा में समान अवसर के सिद्धांत के विपरीत है। यदि किसी छात्र ने अपने विद्यालय में पूरी लगन से पढ़ाई की है और बोर्ड के निर्धारित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, तो उसे केवल इसलिए नुकसान नहीं होना चाहिए कि उसने किसी महंगे कोचिंग संस्थान में प्रवेश नहीं लिया। प्रतियोगी परीक्षाओं का उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता को प्रोत्साहित करना होना चाहिए, न कि उसे अप्रासंगिक बनाना। सरकार और परीक्षा संचालित करने वाली संस्थाओं को इस विषय पर गंभीरता से पुनर्विचार करना चाहिए। नीट और जेईई जैसी परीक्षाओं का पाठ्यक्रम देश के विभिन्न शिक्षा बोर्डों के पाठ्यक्रमों के अनुरूप होना चाहिए। प्रश्नों का स्तर ऐसा हो जो अवधारणात्मक समझ की जांच करे, लेकिन विद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विषयों की सीमा से बाहर न जाए। यदि किसी प्रश्न को हल करने के लिए छात्र को अतिरिक्त कोचिंग सामग्री या विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ती है, तो यह परीक्षा की मूल भावना के विरुद्ध माना जाना चाहिए। इसके साथ ही परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा को भी मजबूत करना आवश्यक है। प्रश्नपत्रों की डिजिटल सुरक्षा, एनक्रिप्टेड वितरण प्रणाली, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, दोषियों के विरुद्ध त्वरित कड़ी कार्रवाई तथा पारदर्शी जांच व्यवस्था को और सशक्त बनाया जाना चाहिए। पेपर लीक केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि यह लाखों मेहनती छात्रों के सपनों पर चोट है। एक छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है, जबकि कुछ लोग अवैध तरीकों से उस मेहनत का मूल्य समाप्त कर देते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को कठिन बनाने की बजाय निष्पक्ष, पारदर्शी और विद्यालयी शिक्षा के अनुरूप बनाया जाए। यदि प्रश्नपत्र देश के विभिन्न बोर्डों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे, तो छात्रों का कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता कम होगी, आर्थिक असमानता घटेगी और विद्यालयी शिक्षा का महत्व बढ़ेगा। साथ ही, यदि परीक्षा प्रणाली सुरक्षित और विश्वसनीय होगी तो युवाओं का विश्वास भी मजबूत होगा। भारत जैसे युवा देश के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा का चयन अवसरों की समानता और ईमानदार प्रतिस्पर्धा के आधार पर हो, न कि कोचिंग की उपलब्धता, आर्थिक क्षमता या पेपर लीक जैसी विकृतियों के आधार पर। शिक्षा व्यवस्था का लक्ष्य प्रतिभा को पहचानना होना चाहिए, उसे अनावश्यक दबाव और असमानताओं के जाल में फंसाना नहीं।

भारत जैसे युवा देश के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा का चयन अवसरों की समानता और ईमानदार प्रतिस्पर्धा के आधार पर हो, न कि कोचिंग की उपलब्धता, आर्थिक क्षमता या पेपर लीक जैसी विकृतियों के आधार पर।

तकनीक की चमक में गायब हुई गुणवत्ता

मंथन
डॉ. सुरेंद्र कुमार
स्वतंत्र स्तंभकार

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और निष्पक्ष बनाने के लिए तकनीक का दामन थामा। डिजिटल मूल्यांकन, ऑन-स्क्रीन मार्किंग, बारकोड आधारित उत्तर पुस्तिकाएं और ऑनलाइन मॉडरेशन जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं का उद्देश्य सिर्फ एक था, मानवीय भूलों को कम करना और पूरे देश में एक समान मानक स्थापित करना। साल 2026 के 12वीं बोर्ड के नतीजों ने इस पूरी चमक-दमक के पीछे छिपी एक गंभीर वास्तविकता को उजागर कर दिया है। परीक्षा परिणाम आते ही जिस तरह देश भर के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने मूल्यांकन प्रक्रिया पर तीखे सवाल उठाए, उसने एक नई बहस को जन्म दे दिया।

सवाल यह है कि तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के बड़े-बड़े दावों के बीच आखिर चूक कहां हुई? सबसे जरूरी यह कि आने वाले समय में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए? सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली का मूल विचार बहुत प्रगतिशील था, जिसमें शिक्षक कंप्यूटर स्क्रीन पर कॉपियां जांचते हैं ताकि कॉपियों का विवरण आसानी से रखा जा सके और समय पर परिणाम घोषित हों। मगर इस बार के नतीजों ने इस पूरी व्यवस्था पर ही एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। हजारों मेधावी छात्रों ने यह शिकायत की है कि उन्होंने सभी प्रश्नों के पर्याप्त और सही उत्तर लिखे थे फिर भी उन्हें उम्मीद से बहुत कम अंक मिले। सबसे चौंकाने वाली स्थिति कुछ खास विषयों, जैसे फिजिक्स में देखने को मिली, जहां लगभग 58 % छात्रों को फेल या 'रिपीट' की श्रेणी में डाल दिया गया। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों का पिछड़ना सीधे तौर पर इस तकनीकी मूल्यांकन की विश्वसनीयता को कटघरे में खड़ा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विफलता का कारण स्वयं तकनीक नहीं है, बल्कि उसके क्रियान्वयन का तरीका और मशीनों पर हमारी जरूरत से ज्यादा निर्भरता है। इसमें पहली और सबसे बड़ी चूक शिक्षकों के प्रशिक्षण से जुड़ी रही। कंप्यूटर स्क्रीन पर लंबे-लंबे उत्तरों को पढ़ना, उन्हें समझना और मार्किंग टूल्स का इस्तेमाल करना, पारंपरिक रूप से कागज पर कॉपी जांचने से बिल्कुल अलग अनुभव है। चूंकि शिक्षकों को इसके लिए व्यावहारिक रूप से तैयार नहीं किया गया, इसलिए वे स्क्रीन पर उत्तरों के गहरे भाव और गुणवत्ता को समझने में चूक गए। तकनीक ने गति तो दी, लेकिन मजबूत 'क्वालिटी चेक' न होने के कारण यह गति अंततः भारी त्रुटियों में बदल गई। इसके अलावा, मॉडरेशन और री-वेरिफिकेशन की व्यवस्था भी इस बार बेहद कमजोर साबित हुई। आधुनिक सॉफ्टवेयर होने के बावजूद यह सुनिश्चित नहीं किया जा सका कि हर कॉपी को तय मानकों के अनुसार जांचा जा रहा है या नहीं। परिणाम यह हुआ कि शुरुआती स्तर पर हुई गलतियां बिना किसी रोक-टोक के सीधे फाइनल रिजल्ट तक पहुंच गईं। कॉपियों के डिजिटल होने के बावजूद छात्रों को कोई ऐसा विस्तृत फीडबैक या स्पष्टीकरण नहीं मिला जिससे वे समझ सकें कि उनके अंक आखिर कहां और क्यों कटे।

इस पारदर्शिता की कमी ने छात्रों के असंतोष को गहरे अविश्वास में बदल दिया है। अब सवाल उठता है कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए क्या किया जाना चाहिए। तकनीक आज की जरूरत है और इससे पीछे लौटना कोई समाधान नहीं हो सकता; समाधान केवल तकनीक और मानवीय विशेषज्ञता के बीच एक सही संतुलन बनाने में है। इसके लिए सीबीएसई को परीक्षकों के लिए एक अनिवार्य और व्यापक डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना होगा ताकि वे स्क्रीन पर भी न्यायपूर्ण मूल्यांकन कर सकें। दूसरा, ए आई और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग केवल 'ऑडिट' और निगरानी के लिए होना चाहिए। यदि किसी छात्र को बहुत असामान्य अंक मिलते हैं तो एआई सिस्टम को उसे स्वतः चिन्हित कर देना चाहिए ताकि वरिष्ठ शिक्षक उस कॉपी को दोबारा देख सकें।

बोर्ड को मार्किंग स्कीम और कॉपियों को देखने की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता अपनानी होगी, तभी छात्रों का भरोसा वापस जीता जा सकेगा। परीक्षा परिणाम के चलते प्रभावित हुए छात्रों के संकट का तत्काल निवारण करना भी बहुत आवश्यक है। यह अनुभव एक बड़ी चेतावनी है कि शिक्षा में आधुनिकता का स्वागत तो है, लेकिन किसी भी तकनीक को छात्रों के भविष्य की कीमत पर लागू नहीं किया जा सकता।

बोर्ड को मार्किंग स्कीम और कॉपियों को देखने की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता अपनानी होगी, तभी छात्रों का भरोसा वापस जीता जा सकेगा। परीक्षा परिणाम के चलते प्रभावित हुए छात्रों के संकट का तत्काल निवारण करना भी बहुत आवश्यक है।

योग्यता पर प्रहार, भविष्य पर वार

परीक्षा
डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

भारत में 'पेपर लीक' की निरंतर बढ़ती घटनाएं केवल प्रशासनिक विफलता या वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला नहीं है बल्कि यह देश के भविष्य के साथ होने वाला एक गंभीर क्रूर मज़ाक है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है।

हर साल लाखों युवाओं की उम्मीदें, उनके माता-पिता की गाढ़ी कमाई और सालों की तपस्या एक झटके में पेपर लीक के काले बाज़ार की भेंट चढ़ जाती है। एक सुरक्षित परीक्षा प्रणाली का ढांचा तीन स्तंभों पर टिकता है- गोपनीयता, सत्यनिष्ठा और उपलब्धता। पेपर लीक की घटनाएं दर्शाती हैं कि हमारे तंत्र में इन तीनों ही स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। प्रश्नपत्र तैयार होने से लेकर प्रिंटिंग प्रेस, लॉजिस्टिक्स (परिवहन) और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के बीच कई ऐसे 'लीक प्वाइंटस' होते हैं, जहां सुरक्षा बेहद कमज़ोर है। स्थानीय स्तर पर अधिकारियों या निजी एजेंसियों की मिलीभगत से प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर तैरने लगते हैं। दूसरा, पेपर लीक मामले में मज़बूत कानून और त्वरित न्याय का अभाव है। राज्य स्तर के कानून इतने लचर हैं कि दोषी कुछ ही दिनों में ज़मानत पर बाहर आ जाते हैं और दोबारा इसी धंधे में लग जाते हैं। त्वरित और कठोर सज़ा न होना अपराधियों के हौसले बढ़ाता है। तीसरा परीक्षा लेने वाली एजेंसियों की निजी केंद्रों और आउटसोर्सिंग पर अत्यधिक निर्भरता भी इसका बड़ा कारण है। परीक्षा कराने वाली नोडल एजेंसियों में भी कर्मचारियों की भारी कमी है, जिससे वे बाहरी वेंडर्स पर निर्भर हो जाती हैं। मनोविज्ञान के नजरिए से देखें तो परीक्षा की तैयारी का दौर अपने आप में एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब इस तनाव के बीच पेपर लीक या परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद देशभर के राज्यों में जिस तरह से युवा-युवतियों के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आईं, वे मानसिक असंतुलन और दबाव का ही परिणाम हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र महीनों, सालों तक 'क्रॉनिक स्ट्रेस' यानी लगातार बने रहने वाले तनाव से गुज़रते हैं। जब परीक्षा रद्द हो जाती है तो छात्र 'बर्नआउट' की स्थिति में पहुंच जाते हैं। बर्नआउट का अर्थ है मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट जाना, जिसके बाद दोबारा ऊर्जा जुटाना असंभव सा लगने लगता है। मनोविज्ञान में मार्टिन सेलिगमैन का 'लर्नड हेल्पलेसनेस' का सिद्धांत यहां सटीक बैठता है। जब छात्रों को लगता है कि उनकी कड़ी मेहनत, बुद्धिमत्ता और प्रयासों का परीक्षा के परिणाम से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि अंततः पेपर तो पैसे वाले ही खरीद लेंगे तो वे मान लेते हैं कि परिस्थितियां उनके नियंत्रण से बाहर हैं। यह सोच उन्हें गहरे डिप्रेशन की ओर धकेलती है और वे प्रयास करना ही छोड़ देते हैं। पेपर लीक होने पर जब सालों की मेहनत शून्य हो जाती है तो छात्रों में 'आईडेंटिटी क्राइसिस' पैदा होता है। इसके साथ ही रिश्तेदारों और समाज के ताने, ‘इतने साल से क्या कर रहे हो?’ जैसी बातें उनके आत्मसम्मान को पूरी तरह नष्ट कर देती हैं। यही कारण है कि कोटा से लेकर प्रयागराज तक, छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति डराने वाले स्तर तक बढ़ गई है। पेपर लीक होने पर सरकारें अकसर परीक्षा रद्द करके 'दोबारा परीक्षा' की घोषणा कर देती हैं। प्रशासनिक रूप से यह एक समाधान लग सकता है, लेकिन एक विद्यार्थी के धरातल पर यह एक नई प्रताड़ना की शुरुआत है। अधिकांश छात्र ग्रामीण या निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं जो शहरों में किराए के कमरों या लॉज में रहकर, कर्ज़ लेकर कोचिंग और रहने का खर्च उठाते हैं। कई परिवारों के पास दोबारा परीक्षा तक छात्र को बाहर रखने के पैसे ही नहीं होते। मानव मस्तिष्क किसी एक लक्ष्य के लिए एक निश्चित समय तक ही उच्चतम एकाग्रता बनाए रख सकता है। परीक्षा के दिन छात्र का मानसिक स्तर चरम पर होता है। परीक्षा टलने या रद्द होने पर वह मानसिक लय टूट जाती है। जब देश की मेधावी युवा शक्ति व्यवस्था से निराश होकर अवसाद और आक्रोश में डूबने लगेगी तो राष्ट्र निर्माण की नींव भी कमजोर होगी। अब समय आ गया है कि एक पारदर्शी, सुरक्षित और अचूक परीक्षा प्रणाली का निर्माण किया जाए ताकि किसी भी युवा की मेहनत पर भ्रष्टाचार का पानी न फिरे और 'योग्यता' का मान सुरक्षित रहे।

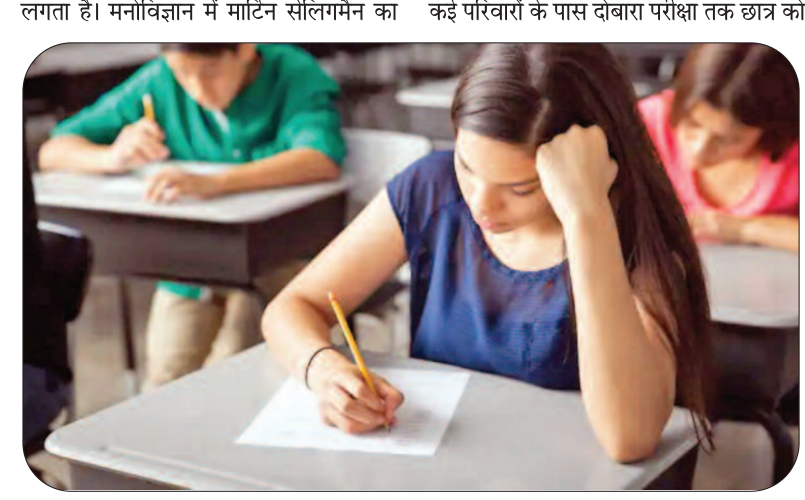

परीक्षा की तैयारी का दौर अपने आप में एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद जिस तरह से युवाओं के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आईं, वे मानसिक असंतुलन का ही परिणाम हैं।

तरकश

संजय के. दीक्षित

मंत्रिमंडलः परफॉर्मेंस और परसेप्शन

विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल में फेरबदल इस महीने होगा या जुलाई फर्स्ट वीक तक, इस पर अभी कुछ क्लियरिटी नहीं है। मगर सोशल मीडिया में अटकलों का बाजार गर्म है। हालांकि, बीजेपी की सियासत में इस समय एक कान को पता नहीं होता...कि दूसरे कान में..., तो फिर मंत्री कौन बनेगा, कौन होगा आउट, इसकी भविष्यवाणी करना मुमकिन नहीं। बहरहाल, परफॉर्मेंस और परसेप्शन के आधार पर ये जरूर कहा, सुना और माना जा रहा कि मंत्रिमंडल की सर्जरी में सबसे अधिक खतरा सरगुजा संभाग को रहेगा। मुख्यमंत्री को छोड़ दें, तब भी बस्तर की तुलना में सरगुजा में चार गुना मंत्री हैं। जाहिर है, फेरबदल में इस असंतुलन को दूर किया जाएगा।

खतरे में ये मंत्री

सरगुजा के चार में से तीन की रिपोर्ट्स अच्छी नहीं आ रही है। इसकी बड़ी वजह खराब परफार्मेंस के साथ रिकार्डतोड़ करप्शन है। सरगुजा के कई मंत्रियों को लग रहा...शायद यह मौका फिर मिले न दोबारा...सो, आईपीएल अंदाज़ में बैटिंग चल रही। खुफिया एजेंसियां भी इसकी तस्दीक कर रही हैं...अपडेट्स भी लगातार दिल्ली जा रहे हैं। खैर, परफॉर्मेंस और परसेप्शन की बात करें तो 12 में से पांच मंत्रियों की विदाई निश्चित लग रही है। बीजेपी के शीर्ष लीडर भी मानते हैं... तभी 2028 के सियासी रण में बीजेपी दमदारी से उतर पाएगी।

आईपीएस डेपुटेशन पर!

छत्तीसगढ़ के नक्सल चीफ और एडीजी आर्म्स फोर्स विवेकानंद प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली जा सकते हैं। पता चला है, उन्होंने सेंट्रल डेपुटेशन के लिए अप्लाई किया था। उसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ सरकार से एनओसी मांगा है। 96 बैच के आईपीएस अधिकारी विवेकानंद इससे पहले एसपीजी में प्रतिनियुक्ति पर रह चुके हैं। बहरहाल, प्रश्न यह है कि राज्य सरकार ने डीजीपी अरुणदेव गौतम की पोस्टिंग में चकरी चलाते हुए आठ महीने में समेट दिया है। अगले साल 4 फरवरी को गौतम का दो बरस का टेन्योर खतम हो जाएगा। इसके बाद डीजीपी के प्रबल दावेदारों में विवेकानंद भी होंगे। विवेकानंद पिछले सात साल से नक्सल देख रहे हैं। उनके कार्यकाल में छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का खात्मा हुआ है। उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर्सनली जानते हैं। फिर ऐसे गोल्डन टाईम में क्या उन्हें डेपुटेशन पर जाना चाहिए? एक संभावना यह भी है कि उन्होंने डीजीपी के आदेश निकलने से पहले डेपुटेशन के लिए अप्लाई कर दिया होगा। मगर अब वे क्या सोच रहे, कुछ नहीं कहा जा सकता। उधर, बस्तर आईजी सुंदरराज के लिए भी केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एनओसी मांगा है। बस्तर में 15 जून के बाद बारिश शुरू हो जाएगी। बारिश में नक्सलियों का मूवमेंट कम हो जाता है। इसके बाद सुंदरराज कभी भी दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

कॉकरोच पार्टी, युवा नेताओं की मौज

सुप्रीम कोर्ट के कई बड़े असहज करने वाले फैसलों से बीजेपी और उसकी सरकारों की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ा मगर शीर्ष अदालत से अनजाने में निकले एक शब्द ने भाजपा को बैकफुट पर ला खड़ा किया है। कॉकरोच पार्टी के ऑनलाइन गठन से बीजेपी इसलिए डिफेंसिव है कि केंद्र समेत डेढ़ दर्जन राज्यों में उसकी सरकारें हैं। बाकी कांग्रेस की, तो उसके पास कोई खास बचाने के लिए है नहीं। खैर, इस ऑनलाइन पार्टी का भविष्य क्या होगा, ये वक्त बताएगा। अलबत्ता, बीजेपी और उसके पैरोकारों ने अभिजीत दीपके के आम आदमी पार्टी का सदस्य होने और मुस्लिम प्रधानमंत्री की वकालत वाले उसके ट्वीट पर घेरना शुरू कर दिया है। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के साथ सीजेपी के संस्थापक की फोटो सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। अब, पते की बात यह है कि बीजेपी संगठन और सरकारों में अब युवाओं की पूछपरख बढ़ जाएगी। वैसे, भी बीजेपी एक कदम आगे चलते हुए 44 साल के नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना दिया था। अब केंद्र में मंत्रिमंडल के विस्तार में इसका असर दिखेगा, तो छत्तीसगढ़ समेत दीगर राज्यों के कैबिनेट के फेरबदल में युवा विधायकों के लिए संभावनाएं बढ़ेंगी। सिर्फ बीजेपी ही नहीं, बल्कि दीगर सियासी पार्टियों में युवाओं की अहमियत बढ़ेगी।

ईमानदारी...और एफिशियेंट भी

छत्तीसगढ़ में इस समय कलेक्टरों के साथ सचिवों की पोस्टिंगे ठीकठाक हुई हैं। कलेक्टरों में देखा जाए तो दर्जन भर कलेक्टर अच्छी और साफ-सुथरी छबि वाले हैं। मगर सवाल उठता है सिर्फ ईमानदारी ही काफी है? नहीं। रिजल्ट देने के लिए दक्षता, कार्यकुशलता भी जरूरी है। पब्लिक से संवाद और जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता भी चाहिए। छत्तीसगढ़ ने अतीत में कई ऐसे नौकरशाहों को देखा है, सरकार जिन्हें एक बार इशारा कर दें, रिजल्ट की गांरटी होती थी। मगर उसके लिए सिस्टम पर पकड़ जरूरी होता है। नए जमाने के अफसरों में दिक्कत यह है कि एक बड़ा तबका आईएएस बनने के बाद खुद को जमीन से दो इंच उपर समझ बैठता है। और, कहीं उनके साथ ईमानदारी का तगगा लग गया, तब तो करेला और नीम चढ़ा। कलेक्टरों की अपनी पहचान नहीं बन पाने के पीछे ये एक बड़ी वजह है। बहरहाल, ये सिंड्रोम सिर्फ कलेक्टरों में नहीं, मंत्रालय के सचिवों में भी यही स्थिति है। कई ईमानदारी आईएएस कई अहम विभाग लेकर बैठे हैं, मगर उनका परफार्मेंस आज तलक किसी को कुछ दिखा नहीं, और न ही बरसों की सर्विस में वे अपना एक काम बता सकते। ब्यूरोक्रेसी और उसके जिम्मेदार अफसरों को मंथन करना चाहिए कि ब्यूरोक्रेसी के इस वायरस का आखिर निदान क्या है।

सुशासन और कलेक्टर

सवाल फिर कलेक्टरों से...राजा जैसी सुविधाओं का उपभोग करने के बाद कलेक्टर अपने दायित्वों में कितना खरे उतर रहे हैं? इस समय स्थिति यह है कि मुट्ठी भर उत्साही कलेक्टरों को छोड़ दें तो ठीकठाक छबि वाले कलेक्टर भी कुर्सी पर चिपके सिर्फ टाईम काट रहे हैं। कोरबा में अजीत बसंत और बेमेतरा में प्रतिष्ठा ममगई की घटना के बाद ये भ्रांति भी दूर हो गई है कि कलेक्टरों को कोई प्रोटेक्शन नहीं है। इस सरकार में अच्छे अफसरों को संरक्षण दिया जा रहा। इसके बाद भी हालत में कोई सुधार नहीं। मिलियन डॉलर का सवाल कि कलेक्टर अगर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहे होते तो सरकार को 45 डिग्री की गर्मी में समाधान शिविर लगाने की आवश्यकता पड़ती क्या? एक तरह से कहें तो समस्या निवारण शिविर कलेक्टरों की अक्षमता को प्रतीक है। जाहिर है, कलेक्टर अगर अपनी नाक के नीचे बैठे एसडीएम, तहसीलदार को महीने में एक बार बुलाकर रिव्यू कर लेते तो पब्लिक कलेक्टर से लेकर सरकार तक को वाह-वाह कर उठती।

कलेक्टरों की चार केटेगरी

छत्तीसगढ़ में इस समय चार तरह के कलेक्टर हैं। एक ऑनेस्ट, डेसिंग और रिजल्ट देने वाले। यद्यपि, कलेक्टरों का ये नस्ल इस समय विलुप्ति की ओर अग्रसर है। मुश्किल से होंगे चार-पांच। दूसरा केटेगरी...ईमानदार मगर काम से देहचोरी करने वाले। इस दूसरे केटेगरी वाले का पूरा ध्यान अपनी छबि और कुर्सी बचाने पर टिका होता है। बीच-बीच में डीएमएफ का हिस्सा आ जाए तो रख लो। बाकी फुल डिफेंसिव। तीसरे केटेगरी की तादात ज्यादा है। उसकी नजर काम पर कम, डीएमएफ पर ज्यादा रहती है। आईएएस बनने के बाद ये जीवन में बड़ा आसामी बनने का लक्ष्य लेकर चले थे, वे सही ट्रेक पर, वंदे भारत एक्सप्रेस की गति से दौड़ रहे हैं। अब चौथा केटेगरी...यह मजबूरी का नाम महात्मा गांधी वाला है। क्योंकि, आईएएस हैं, तो कम-से-कम एक जिला तो उन्हें देना ही पड़ेगा। इनमें वे कलेक्टर भी शामिल हैं, जिन्हें आमतौर पर जाति-वर्ग के तराजू पर तौलकर जिलों में भेजा जाता है...ये कितने दिन जिले में रहेंगे, किसी को नहीं पता।

घटना पुरानी मगर मौजूं

बात 2011 के किसी महीने की होगी। बिलासपुर के जूदेव समर्थक युवा नेता का थाने में पुलिस वालों से विवाद हो गया था। उस समय एक तेज-तर्रार आईपीएस बिलासपुर के कप्तान थे। वे घटना से बहुत नाराज हुए...उन्होंने युवा नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दिया। बीजेपी के दिग्गत नेता दिलीप सिंह जूदेव को जब यह पता चला तो दिल्ली से बिलासपुर पहुंच गए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने सिस्टम के खिलाफ फायर खोल दिया। बोले...बिलासपुर में प्रशासनिक आतंकवाद चल रहा है। जूदेव के पास उस समय कोई पद बड़ा नहीं था। सिर्फ सांसद थे। मगर सियासी कद बड़ा था। उनके प्रशासनिक आतंकवाद के शाब्दिक प्रहार से रमन सरकार हिल गई थी। जूदेव की नाराजगी दूर करने उच्च स्तर पर मंत्रणा हुई। उस समय के क्षेत्रीय संगठन मंत्री सौदान सिंह से विमर्श किया गया। फिर सरकार ने सिंगल आर्डर निकाल पुलिस कप्तान को बदल दिया था।

कैडर पर कैंची

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद यह पहली दफा हुआ कि इस बार स्टेट को एक भी आईपीएस नहीं मिला। वहीं, आईएएस में भी कटौती हो गई है। इस साल सिर्फ दो ही मिलने वाले हैं। जबकि, 2003 के बाद से आईएएस, आईपीएस की संख्या लगातार बढ़ती जा रही थी। जाहिर है, 2002 तक इक्का-दुक्का अफसर मिलते थे, मगर उसके बाद हर बैच में पांच-छह होते ही थे। मगर बताते हैं, अब छत्तीसगढ़ का कोटा फुल हो गया है। यही हाल बाकी राज्यों का भी है। तभी आईएएस की वैकेंसी अब 250 से कम होकर 200 पर आ गई है। आईपीएस में नक्सल स्टेट होने का फायदा मिला। मगर अब नक्सलिज्म भी समाप्त हो गया है। इसलिए, रिक्वायरमेंट का ये आधार पर भी अब खतम हो गया। कुल मिलाकर भारत सरकार आईएएस, आईपीएस की संख्या पर अब लगाम लगाना चाह रहा है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. इन चर्चाओं में कितनी सच्चाई है...बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव मंत्री और उनकी जगह तोखन साहू प्रदेश अध्यक्ष बनेंगे?
2. बस्तर आईजी बनने के लिए आईपीएस अफसरों की उत्सुकता क्यों बढ़ गई है?

पेड्डी' विवादः बुची बाबू सना ने मांगी माफी

हैदराबाद। राम चरण और जान्हवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' को रिलीज हुए दो दिन हो चुके हैं। इस बीच फिल्म विवादों के घेरे में भी घिर गई है। फिल्म में जान्हवी कपूर के किरदार और कुछ रोमांटिक सीन्स को लेकर जमकर आलोचना हो रही है। ऐसे में फिल्म के डायरेक्टर बुची बाबू सना ने इस विवाद पर सफाई देते हुए माफी मांग ली है। डायरेक्टर ने सोशल मीडिया प्लटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सिनेमा का काम दर्शकों का मनोरंजन करना, उन्हें प्रेरित करना और उनसे जुड़ना है। इससे किसी को असहज या बेइज्जती महसूस नहीं होनी चाहिए।

लाइफStyle

शरवरी

भाषाएं करती हैं मुझे आकर्षित

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा।

शरवरी वाघ ने कहा,'घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था। शरवरी ने कहा, भाषाएं हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में कलाकारों के लिए सीखने और समझने के अवसर कभी खत्म नहीं होते। यहां इतनी सारी भाषाएं और संस्कृतियां हैं कि हर नया किरदार किसी नई दुनिया का दरवाजा खोल देता है। एक अभिनेता के लिए सिर्फ डायलॉग बोलना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस भाषा की भावना, उसके लहजे और उससे जुड़ी संस्कृति को समझना भी जरूरी होता है। शरवरी ने कहा, भले ही मैं नई भाषाएं सीखने को लेकर उत्साहित रहती हूं, लेकिन मेरी मातृभाषा मराठी आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। जब भी मुझे किसी सीन के लिए भावनात्मक रूप से खुद को तैयार करना होता है या किसी खास एहसास से जुड़ना होता है, तो मैं अक्सर मराठी गाने सुनती हूं। मराठी भाषा के शब्द मेरे दिल को सबसे गहराई से छूते हैं।

हॉलीवुड मसाला

अमीर म्यूजिशियन में हुई शुमार

लॉस एंजेलिस। टेलर स्विफ्ट दुनिया की सबसे अमीर म्यूजिशियन की लिस्ट में शुमार हो गई हैं। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिंगर की नेटवर्थ 2 अरब डॉलर से अधिक हो गई है। इसी नेटवर्थ के साथ वह संगीत की दुनिया की सबसे अमीर महिला बन गई हैं। उन्हें ये कामयाबी उनके म्यूजिक टूर से हुई जबरदस्त कमाई और अपने गानों की ओनरशिप को वापस लेने के लिए उठाए गए उनके समझदारी भरे कदम से मिली है। इन आंकड़ों के साथ टेलर स्विफ्ट को अरबपति का दर्जा मिल गया है।

जेनिफर ने तोड़ी अफवाहों पर चुप्पी

लॉस एंजेलिस। जेनिफर लोपेज इस वक्त सिंगल हैं। हालांकि, कुछ फैंस ने कयास लगाए हैं कि जेनिफर ने अपनी फिल्म 'ऑफिस रोमांस' के को-स्टार के साथ रियल लाइफ में रोमांस शुरू कर दिया है। हालांकि, इन अफवाहों पर खुद ही चुप्पी तोड़ी है। बता दें कि लोपेज और 45 साल के गोल्डस्टीन इन दिनों नेटफ्लिक्स रोमांटिक कॉमेडी 'ऑफिस रोमांस' में लीड रोल में नजर आ रहे हैं। इसी प्रोजेक्ट को लेकर अपने प्रमोशनल टूर के दौरान कपल की जबरदस्त केमिस्ट्री नजर आई और इसी के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी अटकलें लगने लगीं। लोपेज ने अपनी डेटिंग की अफवाहों पर साफ-साफ बात की। उन्होंने कहा, 'ऐसा कभी नहीं होता कि जब मुझे किसी के साथ देखें या किसी के साथ काम करते हुए देखा जाए तो लोग मुझे उस व्यक्ति के साथ न जोड़ें।

'बेबी डू डाई डू' का टीजर रिलीज...

मुंबई। हुमा कुरैशी की नई फिल्म 'बेबी डू डाई डू' का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें एक्ट्रेस का अवतार चौंकाने वाला है। फैंस क्रेजी हो गए हैं और वो तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। टीजर की शुरुआत कॉमिक स्टाइल में होती है और यह काफी इंगेजिंग है। हुमा कुरैशी इसमें एक किलर के रोल में नजर आ रही हैं और उनका अंदाज एकदम बेखौफ और धाकड़ है। इसमें हुमा कुरैशी एक हिटवुमन के रोल में हैं। टीजर में दिखाया गया है कि मुंबई में लगातार हत्याएं हो रही हैं, पर कातिल कौन है, इसका किसी को कुछ पता नहीं है। मीडिया से लेकर पुलिस खोजबीन कर रही है, पर कातिल का कहीं कोई सुराग नहीं। फिर पता चलता है कि कातिल एक महिला है, जो बोल-सुन नहीं सकती है और वो हैं हुमा कुरैशी फिल्म को नचिकेत सामंत ने डायरेक्ट किया है।

बॉबी की फिल्म 'बंदर' पड़ी फीकी...

मुंबई। सिनेमाघरों में जब दो फिल्में एक ही दिन रिलीज हो तो बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तुलना अक्सर की जाती है। इसी तरह 5 जून को रिलीज हुईं दो फिल्में, अनुराग कश्यप की 'बंदर' और डेविड धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है।' दोनों ही फिल्मों की शैली एक दूसरे से बिल्कुल अलग है। इसके बावजूद फिल्मों को उनकी ऑडियंस मिली और फिल्मों को पसंद किया गया। फिल्म की रिलीज के पहले दिन इनकी कमाई का बात करें तो 'बंदर' थोड़ी फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। कलेक्शन के मामले में 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म ने बंदर को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डेविड धवन के निर्देशन में बनी 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म 9081 शोज में चली, जिससे फिल्म का पहले दिन का नेट कलेक्शन 7.50 करोड़ रुपए रहा।

थिएटर में चीखने-चिल्लाने की आवाजें, रिकॉर्ड तोड़ रही 'ऑब्सेशन'

लॉस एंजेलिस। बीते कुछ सालों में रोमांस से भरपूर फिल्मों की बजाय हॉरर फिल्मों ने इंडस्ट्री में अपना दबदबा बना लिया है। हॉरर फिल्मों में भी लोगों को सिर्फ भूत प्रेत की कहानी पसंद नहीं आती बल्कि लोगों को हॉरर फिल्मों में दमदार स्टोरी के साथ ही इमोशनल और मेंटल स्ट्रेस से भरपूर फिल्मों में मजा आता है। हॉरर फिल्मों का क्रेज लोगों के मन में इतना ज्यादा बढ़ गया है कि लोग इसे बेहतर साउंड इफेक्ट्स के साथ थिएटर्स में देखना पसंद करते हैं। तो अगर आपको हॉरर फिल्में देखने का शौक है तो हम आपको एक ऐसी फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसने पूरी दुनिया में धमाल मचा दिया है।

सिर्फ 9 करोड़ में बनी फिल्म, कमा डाले 1400 करोड़

फिल्म की कहानी

यह कहानी बेयर की है, जो एक अकेला और रोमांटिक लड़का है और एक म्यूजिक स्टोर में काम करता है। वह बचपन से ही अपनी दोस्त और साथ काम करने वाली निक्की से चुपके-चुपके प्यार करता है। अपने दिल की बात कहने की एक और नाकाम कोशिश के बाद, बेयर एक क्रिस्टल की दुकान पर जाता है और 'वन विश विलो' नाम की एक अजीब चीज खरीदता है। वह एक विश मांगता है कि निक्की उसे दुनिया में किसी भी और इंसान से ज्यादा प्यार करे। उसकी यह विश काफी खतरनाक तरीके से पूरी होती है। निक्की की फीलिंग्स बेकाबू, जुनून भरी हो जाती है। उसका प्यार घुटन भरा हो जाता है। वह बेयर से दूर नहीं रह पाती। जब बेयर उससे दूर जाता है तो वह घबरा जाती है।

'ऑब्सेशन' का इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन

29 मई को रिलीज हुई फिल्म 'ऑब्सेशन' के बारे में 9 से 10 करोड़ रुपए में बनी ये हॉरर फिल्म फैन्स के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। दुनिया भर में इस फिल्म ने 10 करोड़ डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। भारत में भी, 'ऑब्सेशन' सिनेमाघरों में काफी अच्छा परफॉर्म कर रही है। 'ऑब्सेशन' इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है।

एकता ने स्मृति पर लुटाया प्यार

मुंबई। अभिनेत्री स्मृति ईरानी और टेलीविजन की महारानी एकता कपूर ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को दो दशकों से अधिक पुरानी अपनी अटूट दोस्ती की झलक दिखाई है। एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर स्मृति की साझा की गई एक पोस्ट को रीशेयर किया, जिसमें स्मृति ने एकता को उनके नए व्यवसाय के लिए शुभकामनाएं दीं। स्मृति के प्यार के लिए धन्यवाद देते हुए एकता ने कहा कि स्मृति का साथ उनके लिए गर्व की बात है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एकता ने लिखा, मेरी तुलसी, तुम्हारा साथ मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। साथ में उन्होंने दिल वाले इमोजी भी लगाए। स्मृति ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, आप हमेशा से ही चमकती रही हैं, एकता कपूर और आज आपने दूसरों को भी अपनी चमक बिखेरने का मौका दिया... एक और सफलता के लिए बधाई। एकता ने स्मृति को मशहूर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में उनके किरदार के नाम से संबोधित किया। इस शो की बात करें तो इसका निर्माण बालाजी टेलीफिल्म्स ने किया था और इसका प्रीमियर 2000 में हुआ था।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
साशा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेनडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्स हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

कविता
पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए-ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तकः कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखकः** नवनीत मिश्र, **मूल्यः** 450 रुपए, **प्रकाशकः** भावना प्रकाशन, दिल्ली

एआई इमेज

देश के कई हिस्सों में ई-85 ईंधन मिलना शुरु हो गया है

ब्राजील में दशकों से ई-85 ईंधन का इस्तेमाल हो रहा

आ गया ई-85 ईंधन... यह फ्लेक्स फ्यूल वाहन के लिए, लेकिन, ई-20 या पेट्रोल वाहन बंद नहीं होंगे

- ई-85 ईंधन 85% इथेनॉल और 15% पेट्रोल का मिश्रण होता है
- सामान्य पेट्रोल के मुकाबले लगभग 20 रु. प्रति लीटर सस्ता
- एक लीटर ई-85 पेट्रोल से वाहन 8 से 12 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकता है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में ई-85 फ्यूल लॉन्च हो गया है। अब जो नई कार और बाइक हैं, वो ई-85 फ्यूल से ही चलेंगी। अब ऐसे में लोगों को मन में सवाल उठ रहा कि उनकी पुरानी गाड़ियों का क्या होगा जो साधारण पेट्रोल या ई-20 पेट्रोल से चलती हैं। क्या आने वाले समय में पुरानी गाड़ियां बंद हो जाएंगी। इन सभी सवालों के जवाब केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक वीडियो जारी कर दिए हैं। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि मेरे पास एक सवाल आया कि मैंने अप्रैल में ही ई-20 गाड़ी खरीदी है, अब तो वो बेकार हो जाएगी? इस सवाल का जवाब देते हुए पुरी ने कहा कि ई-20 और ई-85 दो अलग-अलग श्रेणियों के ईंधन हैं, जो अलग-अलग प्रकार के वाहनों के लिए बनाए गए हैं। ई-85 के आने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि ई-20 या पेट्रोल वाहन बंद हो जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने नई दिल्ली में ई-85 ईंधन भरकर पंप का शुभारंभ किया, सेल्फी की होड़ लगी

किसानों की आय बढ़ाने में मददगार: पुरी

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा यह किसानों की आय बढ़ाने, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने के साथ-साथ देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत करेगा। यह भारत के स्वच्छ और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर निरंतर बढ़ते कदम को दर्शाता है। यह भारत के स्वच्छ और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर निरंतर बढ़ते कदम को दर्शाता है।

बड़ी बैठक: पश्चिम एशिया संकट के बीच पीएम मोदी की इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल के साथ बैठक

तेल की कीमतों, सप्लाई चेन व महंगाई को थामने के लिए पीएम ने किया मंथन

पीएम ने कहा कि भारत ने सामूहिक राष्ट्रीय प्रयासों के दम पर मजबूती दिखाई है और विकास केंद्रित नीतियों पर वह लगातार आगे बढ़ रहा है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल (पीएम-ईएसी) की बैठक की अध्यक्षता की, जहां बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत की आर्थिक रफ्तार को बनाए रखने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। बैठक में आर्थिक विकास को मजबूत करने, अर्थव्यवस्था की मजबूती बढ़ाने, देश में ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाने के लिए सुधारों को तेज करने से जुड़े कई सुझावों और नीतिगत उपायों पर विचार किया गया। काउंसिल के सदस्यों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती परिस्थितियों की समीक्षा की, इसके साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभावों का आकलन किया गया। चर्चाओं में भू-राजनीतिक अस्थिरता के ऊर्जा बाजारों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, महंगाई और वैश्विक व्यापार प्रवाह पर संभावित प्रभाव को शामिल किया गया, ये सभी मुद्दे दुनिया भर के नीति-निर्माताओं के लिए प्रमुख चिंता का विषय बने हुए हैं।

काउंसिल के सदस्यों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती परिस्थितियों की समीक्षा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक लेते हुए

ये प्रमुख विषय — इन पर हुई सर्वाधिक चर्चा

ईंधन की कीमतें
वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की आपूर्ति में आने वाली बाधाओं और कीमतों में अस्थिरता पर चिंता जताई गई।

आपूर्ति श्रृंखला
युद्ध और तनाव के कारण वैश्विक लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन में होने वाले व्यवधानों का विश्लेषण किया गया।

महंगाई
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमोडिटी की बढ़ती कीमतों का घरेलू मुद्रास्फीति पर असर रोकने के उपायों पर बात हुई।

वैश्विक व्यापार प्रवाह | दुनिया भर के नीति-निर्माताओं के लिए चिंता का विषय बने व्यापारिक गतिरोधों के बीच भारतीय निर्यात को सुरक्षित रखने की बनाई गई रणनीति

व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण बनाना भी रहा मुद्दा

काउंसिल ने उन उपायों पर भी चर्चा की जो घरेलू आर्थिक गतिविधि को मजबूत करने, निवेश को समर्थन देने, उत्पादकता बढ़ाने और व्यवसायों के लिए अधिक अनुकूल वातावरण बनाने में मदद कर सकते हैं। बैठक के दौरान अनुपालन संबंधी बोझ को कम करने, सेवा वितरण में सुधार करने और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए सुधारों सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

पीएम मोदी ने कहा दुनिया चुनौतियों के दौर से गुजर रही

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया टिप्पणियों के मद्देनजर ये चर्चाएं काफी महत्वपूर्ण हो जाती हैं, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। सूरत में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने मौजूदा दशक को आपदाओं का दशक बताया, उन्होंने कोविड-19 महामारी और सशस्त्र संघर्षों से लेकर ऊर्जा बाजारों और आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान तक के लगातार वैश्विक संकटों का जिक्र किया।

पीएम मोदी के आर्थिक सुधार देश की समृद्धि को लगातार दे रहे हैं बढ़ावा: शाह

वित्त वर्ष 2026 में देश द्वारा दर्ज की गई 7.7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए सुधार आर्थिक समृद्धि को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है।

अमित शाह

खबर संक्षेप

जावरा से चोरी हुआ मासूम शिवपुरी में मिला

शिवपुरी। हुसैन टेकरी से चोरी हुए 6 माह के मासूम अयान खान को शिवपुरी पुलिस ने महज कुछ घंटों के भीतर फिल्मी अंदाज में बरामद कर लिया। पुलिस ने पूरनखेड़ी टोल प्लाजा पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर इंदौर से दिल्ली जा रही कमला बस से बच्चे को सुरक्षित बरामद किया। इस मामले में एक महिला और एक पुरुष को हिरासत में लिया गया है।

बेटे के सामने पत्नी को मारने वाला खुद लटका

जबलपुर। यहां एक शख्स ने अपने 8 वर्षीय सौतेले बेटे के सामने पत्नी की हत्या कर दी। और शव को फंदे पर लटका दिया। मासूम करीब तीन दिन तक मां के शव के साथ घर में डरा-सहमा बैठा रहा। इसके बाद आरोपी पति ने घर से करीब 6 किलोमीटर दूर एक खाली क्वार्टर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान मयंक सिंह (40) और नेहा सिंह के रूप में हुई है। नेहा के पहले पति की मौत हो चुकी थी। मयंक से उसकी दूसरी शादी करीब दो साल पहले हुई थी।

मुंबई जा रही इंडिगो फ्लाइट से टकराया पक्षी

नई दिल्ली। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब उड़ान से पहले इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6283 से एक पक्षी टकरा गया। घटना शुक्रवार को हुई, जिसके बाद, पायलट ने एहतियाती जांच के लिए तुरंत विमान को वापस बे में बुला लिया। इंजीनियरों ने जांच की और विमान को उड़ान भरने के लिए मंजूरी दे दी। करीब एक घंटे से ज्यादा की देरी से उड़ी। के बाद फ्लाइट ने अपनी यात्रा फिर से शुरू की। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

यूएन में पाक ने उठाया कश्मीर का मुद्दा

भारत बोला- ये हमारा आंतरिक मामला, यहां 'झूठ' न फैलाएं

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा, यह सच्चाई नहीं बदलेगी

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। दरअसल, महासभा में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाकर भारत को घेरने की कोशिश की, लेकिन भारत ने तुरंत कड़ा जवाब देते हुए उसे फटकार लगा दी। भारत ने साफ कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता कोई राजनीतिक प्रचार का मंच नहीं है और इसका इस्तेमाल झूठे और पक्षपातपूर्ण दावे फैलाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने दो टूक कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इस सच्चाई को कोई नहीं बदल सकता।

बता दें, संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद की वार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। पाकिस्तान इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है और उसका कार्यकाल इसी साल खत्म होना है।

राजदूत पर्वतनेनी हरीश

भ्रामक सूचनाएं फैला रहा पाक

पी. हरीश ने पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है और इस पर किसी बाहरी टिप्पणी की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सुरक्षा परिषद में अपनी मौजूदगी का गलत इस्तेमाल कर रहा है। भारत ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान लगातार भ्रामक और गलत सूचनाएं फैलाने की कोशिश करता रहा है। हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद की सदस्यता बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और इसे झूठे प्रचार का मंच नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने साफ कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। पाकिस्तान लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है। इस बार भी उसने संयुक्त राष्ट्र में वही कोशिश दोहराई।

सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग दोहराई

भारत ने इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग भी दोहराई। भारत के मुताबिक, 1945 की भू-राजनीतिक स्थिति के आधार पर बनी व्यवस्था अब पुरानी हो चुकी है। भारत ने कहा कि सिर्फ अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार जरूरी है। भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग करता रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की बेटे को फटकार

संपत्ति से बेदखली का आदेश बरकरार, कहा- पिता की सेवा करो

कोर्ट ने कहा कैसे बेटे हो पिता से लड़ रहे हो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत एक पिता की संपत्ति से बेटे को बेदखल करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए बेटे को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, तुम किस तरह के बेटे हो जो अपने ही पिता से लड़ रहे हो? यह दुर्भाग्यपूर्ण है। जाओ और अपने पिता की देखभाल करो, उन्हें शांति से जीने दो। यह विवाद राजस्थान के बिलाड़ा स्थित एक आवासीय घर से जुड़ा है। पिता ने ट्रिब्यूनल में शिकायत की थी कि उनका बेटा उन्हें प्रताड़ित करता है, जिसके बाद फरवरी 2024 में ट्रिब्यूनल ने बेटे को घर खाली करने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने भी इस पर मुहर लगाई थी।

याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि यह दादी के समय की पैतृक संपत्ति है और इस पर बेटे का भी कानूनी अधिकार है। साथ ही दलील दी गई कि बेदखली से उसकी पत्नी और बच्चे बेघर हो जाएंगे। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इन तर्कों को पूरी तरह नकार दिया और हस्तक्षेप करने से साफ इनकार करते हुए याचिका को खारिज कर दिया।

राबड़ी देवी की तबीयत खराब, तेज प्रताप मिले

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की तबीयत खराब हो गई है। उनके बड़े बेटे एवं जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव शनिवार दोपहर को उनसे मिलने पहुंचे। तेज प्रताप ने कहा कि उनकी मां बीमार हैं, इसलिए मिलने आए। दूसरी ओर, लालू परिवार ने सुबह सरकार की ओर से मुहैया कराई गई सुरक्षा को वापस कर दिया।

दो हिस्सों में बंटी नई दिल्ली-कटड़ा ट्रेन धमाके के साथ टूटा स्लीपर का टॉयलेट

एजेंसी ▶▶ लुधियाना

यहां के रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा होने से हड़कंप मच गया।

नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा जा रही स्पेशल ट्रेन (04081) जैसे ही स्टेशन से रवाना होने लगी, अचानक 2 डिब्बों को आपस में जोड़ने वाली कपलिंग टूट गई। कपलिंग टूटने से जोरदार धमाका हुआ और स्लीपर कोच का टॉयलेट क्षतिग्रस्त हो गया। इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए यहां-वहां भागने लगे। हालांकि लोगों का कहना है कि धमाके की आवाज से डिब्बा टूटा है। और पुलिस अधिकारी अभी तक इस मामले में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। उनका कहना है कि जांच जारी रहने तक कुछ भी नहीं कहा जा सकता कि डिब्बा धमाके से टूटा है या फिर कंपलिंग टूटने से धमाके की आवाज आई है।

■ लुधियाना स्टेशन पर बड़ा हादसा

कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य मध्यप्रदेश
E-Mail - civil.ctd@mp.gov.in

क्रमांक/निर्माण/2026-27/10400 — **निविदा आमंत्रण सूचना** — भोपाल, दिनांक 02/06/2026

जनजातीय कार्य विभाग की ओर से ऑनलाइन निविदा प्रतिशत दर पर लोक निर्माण में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित लोक निर्माण विभाग (भवन) म.प्र. भोपाल द्वारा जारी दिनांक 01 जनवरी 2024 से प्रभावशील तथा रोड एवं ब्रिज निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग के प्रचलित एस. ओ. आर. 11 अप्रैल 2025 से प्रभावशील पर (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा निम्न विवरण अनुसार आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.	सिस्टम टेंडर नंबर	जिला	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित लागत (राशि लाख में)	अमानत राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में	निविदा/कार्य पूर्णता अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	2026_TAD_512477	छिंदवाड़ा	50 सीटर बालक छात्रावास दमुआ, वि.ख. जुन्नारदेव में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
2	2026_TAD_512480	छिंदवाड़ा	50 सीटर उत्कृष्ट कन्या छात्रावास जुन्नारदेव, वि.ख. जुन्नारदेव में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
3	2026_TAD_512486	छिंदवाड़ा	50 सीटर बालक छात्रावास छिंदी, वि.ख. तामिया में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
4	2026_TAD_512482	छिंदवाड़ा	50 सीटर बालक छात्रावास राखीकोल, वि.ख. जुन्नारदेव में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
5	2026_TAD_512483	छिंदवाड़ा	50 सीटर सीनियर बालक छात्रावास खमारपानी, वि.ख. बिछुआ में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
6	2026_TAD_512484	छिंदवाड़ा	50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास भण्डारकुंड, वि.ख. मोहखेड में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
7	2026_TAD_512488	छिंदवाड़ा	50 सीटर उत्कृष्ट कन्या छात्रावास हर्रई, वि.ख. हर्रई में भवन निर्माण कार्यमय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
8	2026_TAD_512489	छिंदवाड़ा	50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास परतापुर, वि. ख. हर्रई में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
9	2026_TAD_512490	छिंदवाड़ा	50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास चिलक, वि.ख. हर्रई में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
10	2026_TAD_512491	छिंदवाड़ा	50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास अतरिया, वि.ख. हर्रई में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
11	2026_TAD_512493	छिंदवाड़ा	50 सीटर महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास हर्रई, वि.ख. हर्रई में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन

(1) इच्छुक निविदाकार MP Tenders के पोर्टल पर विवरण देख सकते हैं। (2) NIT (निविदा आमंत्रण सूचना) में किसी प्रकार के परिवर्तन सूचना केवल www.mptenders.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। (3) निविदा प्रपत्र की उपलब्धता का विस्तृत विवरण : www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। (4) प्रस्ताव जमा करने की प्रक्रिया केवल उपरोक्त पोर्टल पर ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी। (5) संशोधन / परिशिष्ट / स्पष्टीकरण / शुद्धि पत्रक केवल www.mptenders.gov.in पर प्रकाशित किए जाएंगे। (6) आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग को बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

अधीक्षण यंत्री
जनजातीय कार्य भोपाल, म.प्र.

G-14003/26

जून में हिमाचल में बर्फबारी, झूम उठे पर्यटक

शिंकुला व रोहतांग दर्रे में गिरे बर्फ के फाहे

शिमला। जून महीने के चिलचिलाते तापमान के बीच मनाली के पर्यटन स्थलों में पहुंच रहे पर्यटकों का स्वागत बर्फ के फाहों से हो रहा है। दो दिन से मौसम सुहावना हो गया। रोहतांग सहित शिंकुला व बारालाचा में पर्यटकों ने बर्फ के फाहों में मस्ती कर अपने टूर को यादगार मनाया। सप्ताहांत के चलते शुक्रवार को साढ़े तीन हजार से अधिक पर्यटक वाहन मनाली पहुंचे है। छोटे और बड़े होटल पैक हो गए हैं। मनाली सहित लाहुल के समस्त पर्यटन स्थलों में रौनक दो गुना हो गई है। 10 से 15 फीट ऊंची बर्फ की दीवारें और फ्रेश स्नो देखने को मिला। जून महीने में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ के फाहे सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बने हुए है।

नई एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण, स्टेल्थ जेट भी नहीं बचेंगे

एजेंसी ▶▶ पेरिस

- फ्रांस ने राफेल लड़ाकू विमानों को दिलाई 'सुपर ताकत'
- दुश्मन के विमानों, हेलिकॉप्टरों, ड्रोन, मिसाइलों को निशाना बनाने की क्षमता

फ्रांस ने राफेल लड़ाकू विमान के लिए बनाई गई नई और आधुनिक एमआईसीए एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। खास बात यह है कि इस मिसाइल को पहली बार राफेल से बहुत तेज यानी सुपरसोनिक गति में दागा गया और यह स्टेल्थ फाइटर जेट्स को भी निशाना बना सकता है। मिसाइल बनाने वाली कंपनी एमबीडीए के मुताबिक, एमआईसीए एनजी को भविष्य के युद्धों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

जून 2025 में किया गया था पहला परीक्षण

कंपनी के मुताबिक, यह मिसाइल दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हेलिकॉप्टरों, ड्रोन, स्टेल्थ फाइटर जेट और तेज रफ्तार क्रूज मिसाइलों को भी निशाना बना सकती है। स्टेल्थ विमान वे होते हैं जिन्हें रडार पर पकड़ना काफी मुश्किल होता है। यह एमआईसीए एनजी का राफेल विमान से दूसरा परीक्षण था। पहला परीक्षण जून 2025 में किया गया था। इस बार इसे ऐसी स्थिति में परखा गया जब विमान ध्वनि की गति से भी ज्यादा तेज उड़ रहा था। इतनी तेज गति पर तापमान बहुत बढ़ जाता है, जिससे लक्ष्य को पहचानना मुश्किल हो जाता है।

सुकमा के कुम्माडोंग जंगल में नक्सलियों के डंप हथियार और विस्फोटक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सुकमा जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र स्थित कुम्माडोंग के जंगल से सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किया है। यह कार्रवाई आत्मसमर्पित नक्सलियों की सूचना पर की गई। धूर नक्सल प्रभावित जिले में शुमार रहे सुकमा के जंगलों से सुरक्षाबलों द्वारा पूर्व में नक्सल संगठन द्वारा डंप किए गए हथियार व विस्फोटकों की लगातार बरामदगी की जा रही है। आत्मसमर्पित नक्सलियों की सूचना पर लगातार सर्चिंग एवं एरिया डॉमिनेशन अभियान संचालित किए जा रहे हैं। सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे अभियान और आत्मसमर्पित नक्सलियों के सहयोग से न केवल क्षेत्र में शांति स्थापित हो रही है बल्कि पूर्व से नक्सलियों द्वारा जंगलों में छिपाकर रखे गए हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की जा रही है। जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र के कुम्माडोंग जंगल-पहाड़ी इलाके से नक्सलियों द्वारा पूर्व में डम्प कर छिपाकर रखे गए हथियार गोला-बारूद और अन्य

सामग्री बरामद की गई है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण के मुताबिक यह सफलता उन पूर्व नक्सलियों से मिली महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर मिली है जिन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा को अपनाया है। आत्मसमर्पण के बाद समाज और शासन के प्रति सकारात्मक भूमिका निभा रहे इन लोगों ने सुरक्षा बलों को जंगलों में छिपाकर रखे गए हथियारों की जानकारी दी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस बल ने विशेष सर्च अभियान चलाया और हथियार, कारतूस सहित कई नक्सली डंप बरामद किया गया। सर्चिंग अभियान के दौरान पूरे इलाके को सुरक्षित करते हुए नक्सलियों द्वारा डंप हथियारों की बरामदगी की गई।

डंप हथियारों में यह शामिल

सुरक्षाबलों द्वारा कुम्माडोंग जंगल से नक्सलियों द्वारा डंप किया गया सामान बरामद गिया गया। डंप हथियारों में इंसास रायफल के अलावा इंसास रायफल के 49 कारतूस, एसएलआर रायफल के 12 कारतूस, 303 रायफल के 27 कारतूस, 8 एमएम पिस्टल के 16 राउण्ड, मस्केट के 7 कारतूस, 12 बोर बदूंक के 7 कारतूस के अलावा कॉर्डेक्स वायर, इंसास मैग्जीन, वायरलेस सेल, पोच व स्टील डब्बा बरामद किया गया है। एसपी ने कहा कि जिला पुलिस सुकमा द्वारा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा।

एमपी से महाराष्ट्र ले जा रहा था 50 लाख की शराब, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मोहला

मोहला। शराब तस्करी के मामले में मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मध्यप्रदेश के मुलताई से महाराष्ट्र गढ़चिरौली सप्लाई करते मानपुर पुलिस ने 800 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब सहित ट्रक को जब्त किया है। मानपुर थाना प्रभारी कपिलदेव चंद्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कुल 75 लाख रुपए की संपत्ति अब तक जब्त किया है। इस मामले में सप्लायर और खेप गढ़चिरौली जिले में किसको पहुंचाया जा रहा था। जिसकी गहन जांच की जा रही है। थाना मानपुर पुलिस को मुखबीर से सटीक सूचना प्राप्त हुई कि जिला अंबिकापुर पासिंग की एक सफेद रंग की अशोक लीलैंड ट्रक में भारी मात्रा में अवैध शराब लोड कर अंबागढ़ चौकी-मोहला-मानपुर एवं औंधी मार्ग होते हुए महाराष्ट्र बॉर्डर पार कर शराब की खेप गढ़चिरौली जिले में पहुंचेगी। पुख्ता जानकारी के बाद आज सुबह से ही मानपुर एसडीएम कार्यालय के सामने थाना प्रभारी कपिलदेव चंद्रा ने पुलिस बल की चेक पॉइंट लगाया था। दोपहर 3.30 बजे के लगभग परिवहन करते अंग्रेजी शराब से लदी हुई ट्रक पुलिस के ट्रैप में फंस गया। ट्रक ड्राइवर को मानपुर पुलिस ने हिरासत में लिया है।

आधे घंटे में हो जाता बॉर्डर पार

आरोपी ट्रक ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि उक्त शराब मध्यप्रदेश के जिला बैतूल, तहसील मुलताई क्षेत्र से लोड की गई थी तथा नागपुर, देवरी, चिचोला, राजनांदगांव, अंबागढ़ चौकी, मोहला पार करते हुए साढे तीन सौ किलोमीटर का सफर तय कर लिया था। मानपुर एवं औंधी मार्ग से महाराष्ट्र गढ़चिरौली बॉर्डर तक पहुंचाई जानी थी, क्योंकि गढचिरौली जिले मे शराब प्रतिबंध है। अवैध शराब को जिला गढ़चिरौली बॉर्डर के सरहदी ग्रामों के आसपास अवैध शराब को खापाने की फिराक में थे। आरोपी ने यह भी बताया कि महाराष्ट्र में शैलेष नामक व्यक्ति के संपर्क में रहकर उक्त शराब को अनलोड किया जाना था।

75 लाख की संपत्ति जब्त _ मानपुर वाहन चेकिंग के दौरान वाहन क्रमांक सीजी-15-डीजेड-4515 की गहन जांच के दौरान पुलिस को देखकर वाहन चालक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस स्टाफ द्वारा तत्परता एवं सूझबूझ का परिचय देते घेराबंदी कर दौड़ाकर पकड़ लिया गया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम बलराम सिंह पिता दिमान सिंह डांगी निवासी नागपुर (महाराष्ट्र) बताया।

खंभे से टकराई बाइक, एक की मौके पर मौत, दूसरा गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

देवभोग क्षेत्र में शनिवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के बाइक पर चंचल मांझी (35 वर्ष), पिता गिरधर मांझी तथा नोहर पोर्टी (42 वर्ष), पिता मंगल सिंह पोर्टी सवार थे। दोनों किसी कार्य से जा रहे थे। इसी दौरान डोहेल के आगे उरमाल-रायपुर मार्ग पर लगे साइन बोर्ड के खंभे से उनकी बाइक अनियंत्रित होकर जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि चंचल मांझी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि नोहर पोर्टी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से 112 पुलिस पेट्रोलिंग गाड़ी

से दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवभोग पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने चंचल मांझी को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल नोहर पोर्टी का उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इस दुखद घटना से गिरसूल एवं आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है।

आंगनबाड़ी की छत में मृत मिला युवक

धमतरी। आंगनबाड़ी की छत में एक युवक दो दिनों से मृत हालत में पड़ा था। जानकारी होने पर अर्जुनी पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम शंकरदाह में शुक्रवार की रात्रि लोगों ने स्कूल के पास स्थित आंगनबाड़ी भवन की छत पर एक युवक को देखा। युवक की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना अर्जुनी पुलिस को दी गई। पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। युवक की पहचान सोनू यादव पिता परऊराम उम्र 24 वर्ष के रूप में की गई। युवक की मौत दो दिन पहले ही हो चुकी थी। उसके शव से दुर्गंध आ रहा था। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई कर शव को वरदान संस्था की एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेज दिया। आशंका जताई गई है कि शराब के नशे में आंगनबाड़ी की छत पर जाकर सो रहे युवक की गला सूखने से मौत हो गई है।

लोन की रिकवरी रकम का गबन, ब्रांच मैनेजर गिरफ्तार

महासमुंद। लोन की रिकवरी राशि के गबन के मामले में पिथौरा थाने में फायनेंस कंपनी के ब्रांच मैनेजर को गिरफ्तार किया गया है। पिथौरा पुलिस ने बताया कि पिथौरा स्थित फ्यूशन फायनेंस लिमिटेड के एरिया मैनेजर आशुतोष सिंह ने ब्रांच मैनेजर रोहित पटेल द्वारा 02 जून को रिकवरी रकम 4,09,500 रुपए को कैश बोल्ट में जमा न कर गबन कर लिए जाने को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रार्थी ने पुलिस को बताया कि लगातार तीन दिन तक जब ब्रांच मैनेजर रोहित पटेल के द्वारा रिकवरी की रकम जमा नहीं कराई गई, जब उससे पूछताछ की गई तब गलत जानकारी देते हुए बैंक में सर्वर नहीं होने के कारण कैश जमा नहीं होना कहा गया।

प्रधान आरक्षक ने किया सुसाइड पंखे पर लटककर दी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खैरागढ़

छुईखदान थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक शीतल यादव द्वारा घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की खबर से पुलिस महकमा स्तब्ध है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

जानकारी के अनुसार प्रधान आरक्षक शीतल यादव दाऊ चौरा स्थित अपने निवास में रहता था। शुक्रवार रात परिवार में पत्नी व बेटी खाना खाकर कमरे में सोने चले गए। जबकि शीतल यादव हॉल में ही सोया था। शनिवार सुबह चार बजे

के आसपास पत्नी की नींद खुली तो हॉल में उसने पति को गमछे के सहारे पंखे पर लटके देखा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का मामला सामने आया है। हालांकि उसने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसकी जांच की जा रही है।

पीएम रिपोर्ट बाद साफ होगी वजह

पुलिस परिजनों और करीबी लोगों से पूछताछ कर रही है। घटना से पुलिस विभाग में भी शोक का माहौल है। जांच के बाद ही आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस का कहना है कि शीतल यादव जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ जवान था। उसके आत्मघाती कदम को लेकर गंभीरता से हर एंगल पर जॉच होगी। उसके बाद ही घटना का वास्तविक कारण पता चल पाएगा।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट
ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc.	2 Years
Paramedical Course	**Duration**
Lab tech, OT tech, X-Ray tech,Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	**Duration**
D Pharmacy	2 Years
B Pharmacy	4 Years

Eligibility- B.Sc. Nursing-Biology (PBCE), P.B.B.Sc. Nursing-GNM Pass
M.Sc. Nursing-BSc.,P.B.B.Sc. Pass,
Paramedical Course - 12th pass (Bio)
Pharmarcy - 12th pass , Maths, Bio
HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS
क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 250 सीटो का मैडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु : 7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु 9201622400, 9201641200, 9201631200

आवश्यकता है- सरस्वती ज्ञानमंदिर उमा विद्यालय भिलाई 3 एवं ज्ञान पब्लिक स्कूल हथखोज माध्यम(हिंदी) प्राथ/पूर्व मा विभाग (अंग्रेजी) पूर्व विभाग हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की। **साक्षात्कार अंग्रेजी माध्यम 11/6/2026 हिंदी माध्यम 12/6/2026 समय सुबह 10 से 2:00 मो 9826621651, 9770140863.** (आरो न - 289)

आवश्यकता है- प्रूडेंट पब्लिक स्कूल (अंग्रेजी-माध्यम) इंद्रप्रस्थ RDA कॉलोनी, फेस-1, रायपुरा, रायपुर के प्री-प्रायमरी, प्रायमरी व मिडिल विभाग में शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। **संपर्क करे- 7745909680, 7354936509.** (RO-0119)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ बी.एस.सी जी. एन. एम. एवं PRO, वार्ड बॉय, वार्ड गर्ल एवं ओ.पी.डी स्टाफ की आवश्यकता है। **संपर्क करें श्री कृष्ण हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़ - 9691631006, 9617952445, 9926115911.**(RO-192)

प्रचार प्रतिनिधी

आवश्यकता है
अजय माला प्रकाशन में पुस्तक प्रचार हेतु प्रतिनिधि की आवश्यकता है।
योग्यता-12वीं तथा स्नातक अनुभवी को प्राथमिकता
स्वयं का स्मार्ट फोन एवं टु व्हीलर का होना आवश्यक है।
वेतन प्रतिमाह 12,000 रु.
प्रतिदिन रहना-खाना 300 रु.
तथा पेट्रोल अलग से दिया जायेगा
दिनाँक-08 एवं 09 जून, 2026
समय-11 से 6 बजे तक
सम्पर्क करें
रायपुर अजय प्रकाशन, सुर्या अपार्टमेन्ट के पीछे, पंजाब नेशनल बैंक के बाजू में, सिविल लाइन, रायपुर 9691358826, 7898551745
दुर्ग होटल पारख पैलेस, ग्रीन चौक, रेल्वे स्टेशन के पास, दुर्ग 7978852526, 9165915079
धमतरी होटल इम्पेरीयल, गुरुनानक कॉम्पलैक्स, सिहावा चौक, धमतरी 7694064078, 7804934421
बिलासपुर पंचशील लॉज, गाँधी चौक, बिलासपुर 7974590595, 9302606010
रायगढ़ होटल कनिष्क, गाँधी प्रतिमा रोड, आलोक सिटी मॉल के पास, स्टेशन रोड, रायगढ़ 9753673173, 7898204950
कुनकुरी कुंती लॉज, टपकरा रोड, खेल मैदान के पास, कुनकुरी 9644868192, 8602912503

सेल्स/कुक/मेड

आवश्यकता है- सेल्स एग्जीक्यूटिव- 02 (पुरुष /महिला) डायरेक्टर सहायक- 01 (पुरुष /महिला) सेल्स पर्सन- 02 (पुरुष /महिला) कुक /मेड- 01 (महिला) योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवार **संपर्क करें:- 9827900065 पता- नियर माखीजा IVF, तेलीबांधा, रायपुर।**(RO-033)

हाउसकीपिंग/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- हाउसकीपिंग- पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने के लिए), ड्राइवर- केवल रायपुर लोकल के लिए, ऑफिस बॉय- केवल रायपुर लोकल के लिए, हाउस सुपरवाइजर, **संपर्क करे- 6232022676.**(आरो-460)

आवश्यकता

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों , ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कार्य करने हेतू मेहनती युवक / युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी / फेशर आवेदन करें। -: योग्यता -10वीं / 12वीं/ स्नातक ,**संपर्क ::- हाटेल प्राईम टाईम सार्थक अपार्टमेंट के बाजू में, आमापारा, रोड, बालोद (छ०ग०) तारिख :- 10 जून 2026 बुधवार सुबह 10:00 से 03 बजे** (आरो न - 287)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- जनरल दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता हैं। वेतन 11,000 रूपये प्रतिमाह, अपने परिचय पत्र के साथ मिले- **श्री कृष्णा मार्केटिंग, पेटी लाईन, गोल बाजार, रायपुर, फोन: 7224926767.** (RO-083)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- बूढ़ापारा स्थित घर में काम करने एक स्त्री और एक पुरुष सहायक की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार - **संपर्क करें - मोबाइल नंबर 7000949168.**(RO-398)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- Hari group हेतु सिक्योरिटी गार्ड - 40, सुपरवाइजर - 05, फील्ड आफिसर (अनुभव 05 वर्ष) - 03, लेडीज गार्ड - 10, हाउसकीपीग बाई - 10, गनमेंन 05, वेतनमान - 13000 से 20000/- **स्थान - कृष्णा प्लाजा अश्वनी नगर सुन्दरनगर रायपुर मो. - 9171511755, 9039437556.** (RO-196)

आवश्यकता है- रायगढ़ एवं रायपुर की फैक्ट्रियों हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं फील्ड ऑफिसर की आवश्यकता है। वेतन : 15,000 - 18,000 प्रतिमाह।PF, ESIC रहने - खाने की व्यवस्था **उपलब्ध 9201958117, 8109080600.** (RO-855)

ड्रायवर

आवश्यकता है- शंकर नगर रायपुर में घरेलू कार ड्राईवर चाहिए। कार्य समय प्रातः 9 से रात्रि 8 बजे तक। सिर्फ दोपहर 3 से 5 के बीच ही **संपर्क करे 9584333999.**(RO-0118)

आवश्यकता है- शंकरनगर ऑफिस में - (1)कार चलाने हेतु अनुभवी , कुशल ड्राईवर (2)ऑफिस बॉय की आवश्यकता है जो ऑफिस की साफ-सफाई व अन्य कार्यों में सहायता करें। बायोडाटा सहित **संपर्क करें:- 9993011757 8878228031.** (RO-409)

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल **करें - 8929449955.** (RO-63586)

आवश्यकता है- दुर्ग, भिलाई, रायपुर के लिए स्कूल और स्टाफ बस के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है आधारकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस watsup करें **पता न्यू बस स्टैंड दुर्ग 9343322450, 7385600786, 9424125786.** (आरो नं.- 10484)

आवश्यकता है- स्कूल बस चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर (हैवी लाइसेंस) और लेडी कंडक्टर,सिक्योरिटी गार्ड की शीघ्र आवश्यकता है। **शिवोम् विद्यापीठ, सांकरा, रायपुर। कॉल- 9109126445.** (RO-527)

आवश्यकता है- कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करे, **लक्ष्मी सेल्स, न्यू टिंबर मार्केट पाटीदार भवन के पास, फाफाडीह रायपुर 9827161397.** (RO-0122)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फोर्ब्स (Aquaguard) : सर्विस टेक्नीशियन - 3, टेलीकॉलर - 3, फील्ड वर्कर - 3, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव - 6, दीपिका सर्विसेज - **कर्मचारी कॉलोनी, कुशालपुर मोबाइल: 9826652461.** (RO-857)

शॉप/फॉर्म हाउस

आवश्यकता है- गिफ्ट शॉप मे युवक/ युवतीओं की एवं फॉर्म हाउस मे कार्य हेतु पति- पत्नी की आवश्यकता है आवास बिजली पानी गैस सुविधा वेतन योग्यतानुसार, **संपर्क करें:- 9302708426, 7470602013.** (RO-034)

मशीन ऑपरेटर

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 9827163216 8462933820

अन्य

आवश्यकता है- जिलास्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी , हेतु आवेदन करे 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा (18 से 40) सैलरी- (28000/- से 35000/-) आवेदन हेतु - मार्कशीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो ,व्हाट्सएप / **कॉल करे - 7384880262.** (RO-077)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech, (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्क** Bharti Education Academy Sector - 6 Bhilai **9826196515, 9826896515** (आरो -4154)

Business व्यापार

व्यापार- व्यापार आमंत्रण अपनी पहचान और अतिरिक्त आय बनाएं समय आपका, प्रगति आपकी वेलनेस इंडस्ट्री में 18+ आयु के लिए सुनहरा अवसर। **संपर्क- 9981969990, 7974741158** (आरो नं.- 10484)

For Rent किराया

किराये पर उपलब्ध- बिलासपुर, व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट, किराये पर उपलब्ध। (पार्किंग सुविधा) **सम्पर्क करें- 9589740766, 9425530355.** (RO-40953)

वैवाहिकी वधु चाहिए

वधु चाहिए
अग्रवाल गोत्र- गोयल उम्र- 34, हाइट 5'-10" व्यवसायी युवक खंडवा (म.प्र.) निवासी वर के लिए ग्रेजुएट एवं गृहकार्य मे दक्ष वधु चाहिए। तलाकशुदा भी मान्य। सर्व वैश्य मान्य।
वधु पक्ष फोटो, बायोडाटा व्हाट्सएप करें-
सम्पर्क करें- 9131604310 9300328290
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें

Finance फायनेंस

फाइनेंस - विजया फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) **संपर्क:- 9981421206 , 9437550462**(RO-4345)

Appointment आवश्यकता

टीचर

आवश्यकता है- लेडी वाईस प्रिंसीपल, लेडी इंचार्ज, क्लर्क, कम्प्यूटर टीचर, स्पोर्ट्स टीचर एवं कॉमर्स ग्रुप, साइंस ग्रुप एवं मैथ्स, साइंस, एसएसटी पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं, ड्राईवर, आयाबाई, माली की आवश्यकता हैं। **साक्षात्कार 08.06.2026 प्रातः 9:30 बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानी टंकी के पास खमतराई, 9826198065, 0771-2252855.**(RO-084)

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मीबाई विद्यापीठ उमावि. तीन दर्शन मंदिर, केम्प-1 भिलाई को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाने वाले सभी विषय शिक्षकों की आवश्यकता है। विद्यालय में **संपर्क करें।** (आरो न -286)

आवश्यकता है- जागृति उ.मा. विद्यालय, भाठागांव, रायपुर PGT भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, गणित, संस्कृत, TGT विज्ञान के 1-1 पद, PRT के 4 पदों हेतु योग्य/ अनुभवी शिक्षक (B.Ed/ D.Ed अनिवार्य) चाहिए। बायोडाटा + प्रमाणपत्रों सहित 13-06-2026 तक विद्यालय में 08 बजे से 12बजे तक संपर्क करें। **साक्षात्कारः 14-06-2026, 9 बजे से। 7610505566.** (RO-0120)

आवश्यकता है- बी एन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल लक्ष्मीनगर सुपेला भिलाई, हायर सेकेंडरी और हाईस्कूल, अंग्रेजी माध्यम , विषय- गणित, भौतिकी, रसायन ,जीवविज्ञान एकाउंट, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, अनुभवी को प्राथमिकता **संपर्क 6265881237.**(आरो न -290)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- भिलाई (नेहरू नगर, गुरुद्वारे के पास) में 24 घंटे घर पर रहने वाली महिला घरेलू नौकरानी की आवश्यकता। वेतन 10,000-12,000 प्रतिमाह। आयु 30-60 वर्ष। एकल-सदस्यीय परिवार की महिला को प्राथमिकता। **संपर्कः 9826708233.** (आरो-SPD/0050)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

सेल्समैन/ड्रायवर

आवश्यकता है- सेल्समेन एवं सेल्स गर्ल एवं ड्राइवर एवं बाई की आवश्यकता है संपर्क **संजय फर्नीचर दक्षिण गंगोत्री सुपेला भिलाई एवं अरुण कुमार एंड सन उतई नियर महिमा हॉस्पिटल के सामने** (आरो न -285)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- मैसर्स शारदा प्रसाद साव अवंति बाई चौक कोहका भिलाई पेट्रोल पंप में डीजल पेट्रोल डालने हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। **संपर्क:- 76928-88808, 99261-23539.**(आरो न - 288)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

देश में बड़े हमले को अंजाम देने के पहले कर्नाटक के तुमकुरु से दो गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक पुलिस ने एक बड़े हमले की साजिश को नाकाम कर दिया है। कर्नाटक पुलिस ने पाकिस्तान में बैठे एक व्यक्ति के संपर्क में रहने और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ गतिविधियों की साजिश रचने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तुमकुरु के श्रीरामनगर निवासी 23 वर्षीय अल्ला बख्श और दावणगेरे के 23 वर्षीय राजमिस्त्री जमीर खान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 4 जून को मिली पुलिस को मिली सूचना के आधार पर क्याथसंद्रा थाने के पीएसआई प्रसन्ना कुमार ने कडेयापेटे स्थित एक मटन दुकान में काम करने वाले मौलाजन नामक व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

- भाजपा कार्यालय सहित कई जगह हमले की थी तैयारी
- आरोपी पाक में बैठे हैंडलर्स के इशारे के इंतजार में थे

देश में हमले की साजिश रच रहे थे संदिग्ध

जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन की पड़ताल में पता चला कि वह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए पाकिस्तान स्थित राना बाई नामक व्यक्ति के संपर्क में थे। तुमकुरु जिला पुलिस के बयान के मुताबिक जांच के दौरान दावणगेरे निवासी जमीर खान की भी आरोपियों से संपर्क में होने की बात सामने आई। पाक हैंडलरों की बातचीत में भारत में मुस्लिम युवाओं को संगठित कर शांति भंग करने और राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता एवं संप्रभुता के खिलाफ गतिविधियां संचालित करने की कथित साजिश के संकेत मिले।

भाजपा कार्यालय सहित कई टारगेट

प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि संदिग्ध पाकिस्तानी संचालक ने आरोपियों को बंगलूरू के मल्लेश्वरम स्थित भाजपा कार्यालय के पास हुए विस्फोट और कोयंबटूर विस्फोट मामले जैसी घटनाओं को अंजाम देने से जुड़े कथित काम भी सौंपे गए थे। इन दोनों को तुमकुरु से लोगों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे।

पिछले एक माह से नजर में थे आरोपी

पुलिस के मुताबिक खुफिया ब्यूरो (आईबी) पिछले करीब एक महीने से संदिग्धों पर नजर रखे हुए था। खुफिया सूचनाओं के सत्यापन के बाद स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय कर कार्रवाई की गई। पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां कथित नेटवर्क के दायरे और किसी भी संभावित उग्रवादी संबंध की जांच में जुटी हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे जांच जारी है।

जैकेट के शेष

अंतिम संस्कार से ....

परिजनों को सौंप दिया था। अब आक्रोशित परिजनों ने निजी अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में घोर लापरवाही और जांच के बिना ही जिंदा मरीज को मृत बताने का संगीन आरोप लगाया है।

24 घंटे बाद भी ....

अजय का कहना है कि मौत की घोषणा के 24 घंटे से ज्यादा बीत जाने के बाद भी जब शुक्रवार को अंतिम संस्कार की तैयारी हो रही थी और नाते-रिश्तेदार जुट चुके थे, तभी अचानक रामअवतार के हाथ-पांव हिलने लगे। परिजनों के मुताबिक, उस वक्त रामअवतार की सांसें चल रही थीं और उसने पानी भी पिया था। पीड़ित युवक ने हाथ हिलाया और बोलने का प्रयास भी किया।

तस्करों का फेवरेट ....

जितनी मात्रा में तस्करी होती है, उसमें से महज 18 से 22 प्रतिशत गांजा पकड़ा जाता है। ओडिशा का गांजा छत्तीसगढ़ के रास्ते देश के अलग-अलग 17 राज्यों तक पहुंच रहा है। गांजा तस्करी करने ओडिशा में किसी भी प्रकार से कोई सिंडिकेट काम नहीं करता। ओडिशा में गांजा तस्करी कराने में लिप्त दलाल देश के अलग-अलग राज्यों के तस्करों से संपर्क कर उन्हें अपने क्षेत्र में गांजा की पैदावार की जानकारी देकर सौदा करने बुलाते हैं। इसके बाद दलाल दूसरे राज्य से आए तस्कर से गांजे का सौदा कर कीमत तय करता है। इसमें दलाल द्वारा गांजा की पैकेट बनाने से लेकर गाड़ी में लोड करने तक की कीमत शामिल रहता है।

ज्यादा कमाई की लालच में तस्करी : गांजा तस्करी करना जितना रिस्क है, कमाई उससे कई गुना ज्यादा है। इसलिए स्थानीय के साथ दूसरे राज्य के तस्कर कमाई की लालच में रिस्क उठाकर गांजा तस्करी करते हैं। ओडिशा में एक किलो गांजा की कीमत तीन से पांच हजार रुपए किलो बिकता है। वहीं गांजा स्थानीय स्तर पर 50 हजार रुपए से एक लाख रुपए किलो पर बिकता है। स्थानीय तस्कर गांजा तस्कर अपने गुर्गों (कोचिया) की मदद से गांजा का 10 से 20 ग्राम का पैकेट बनाकर बेचते हैं। 10 ग्राम का पैकेट 50 से 100 रुपए पैकेट में बेचते हैं। 20 ग्राम का पैकेट 100 से 200 रुपए में बेचते हैं। वहीं पब, क्लब और कालेज के आसपास के इलाकों या पॉश कालोनियों में पुड़िया की कीमत 500 रुपए तक हो जाती है।

सख्ती का असर ....

बसों की जांच कर रही है। जांच के कारण ही रायपुर में लगातार गांजा तस्कर पकड़े जा रहे हैं। रायपुर में धमतरी, बस्तर के रास्ते तस्कर गांजा दुर्ग, राजनांगदगांव पहुंचा रहे हैं। इसी तरह से सारंगढ़-बिलाईगढ़ रूट से जो गांजा तस्करी हो रही है, वह बिलासपुर के साथ पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में पहुंच रहा है।

पब कल्चर में ...

तो कीमत कई गुना और बढ़ जाती है। मुंबई, दिल्ली, इंदौर जैसे महानगरों में दो से तीन ग्राम की पुड़िया बनाकर गांजा की कीमत प्रति पुड़िया 500 रुपए तक वसूलते हैं।

तस्करों के पसंदीदा रूट ....

का 'सिंघोड़ा बॉर्डर' और बसना का पूरा इलाका सीधे ओड़िशा के बरगढ़ और नुआपाड़ा से जुड़ा है। राज्य में गांजे की सबसे बड़ी और रिकॉर्डतोड़ जब्तियां इसी सिंघोड़ा नेशनल हाईवे पर नाकेबंदी के दौरान होती हैं।

गरियाबंद/धमतरी-नुआपाड़ा (देवभोग इलाका): गरियाबंद जिले का 'देवभोग इलाका' भौगोलिक रूप से ओड़िशा के नुआपाड़ा और नबरंगपुर की सीमाओं को आपस में जोड़ता है। इस रूट का उपयोग तस्कर तब करते हैं जब मुख्य राजमार्गों पर पुलिस की चेकिंग बहुत ज्यादा सख्त होती है। **कोण्डागांव - नबरंगपुर (बस्तर का सेफ पैसेज): ओड़िशा के नबरंगपुर से माल निकालकर कोण्डागांव के अंदरूनी रास्तों के जरिए रायपुर रेंज की सीमा में प्रवेश करने का यह एक समानांतर रूट है। बस्तर** - नबरंगपुर, कोरापुट (दरभा घाटी का जाल): बस्तर जिला सीधे ओड़िशा के कोरापुट बेल्ट में खुलता है। जगदलपुर और दरभा घाटी का दुर्गम रास्ता तस्करों को घने जंगलों के बीच से गांजा परिवहन करने की भौगोलिक सहूलियत देता है। **सुकमा** - कोरापुट, मलकानगिरी (सबसे संवेदनशील कॉरिडोर): यह पूरे बस्तर संभाग का सबसे खतरनाक और संवेदनशील रूट है। आंध्र प्रदेश और ओड़िशा का कुख्यात 'मलकानगिरी बॉर्डर' सीधे सुकमा और बस्तर के घने अंदरूनी रास्तों से जुड़ता है। लाल कॉरिडोर (नक्सल प्रभावित क्षेत्र) होने के कारण यहां सुरक्षा एजेंसियों की हर हलचल पर तस्करों के लोकल नेटवर्क की पैनी नजर रहती है।

बाइक चोरी के ....

चालक उत्तम ने दो युवकों को बाइक धक्का देकर ले जाते हुए देखा और इसकी सूचना सुरक्षाकर्मियों को दी। सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मियों ने दोनों युवकों का पीछा किया। इस दौरान कोसाबाड़ी चौक के पास पंप हाउस निवासी विशाल सागर नामक युवक को पकड़ लिया गया। आरोप है कि आरोपी को नजदीकी सिविल लाइन थाने ले जाने के बजाय सुरक्षाकर्मी उसे वापस मेडिकल कॉलेज परिसर ले आए। बताया जा रहा है कि अस्पताल परिसर में युवक को उसकी शर्ट से बिजली के खंभे से बांध दिया गया और उसकी जमकर पिटाई की गई। इस दौरान आरोपी लगातार माफी मांगता रहा, लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक खंभे से बंधा नजर आ रहा है। कंट्रोल रूम से सूचना मिलने के बाद पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और युवक को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई। अगले दिन बाइक मालिक राजेंद्र पटेल ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी विशाल सागर के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ के आयुष का 'इंडिया-ए' ...

रणजी ट्रॉफी में आयुष ने 7 मैचों की 13 पारियों में 57.30 की शानदार औसत से कुल 573 रन बनाए थे। इसमें 2 शतक और 2 अर्धशतक शामिल थे, जिसमें उनकी 182 रनों की बेजोड़ पारी ने सेलेक्टर्स का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसी दमदार प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन दलीप ट्रॉफी में हुआ था, जहां उन्होंने 2 मैचों की 3 पारियों में 102 रन बनाए। वहीं, वर्तमान में सीसीपीएल में खेलते हुए भी उन्होंने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से शानदार शतक जड़कर एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित की है। पिछले दो सालों के उनके इसी निरंतर प्रदर्शन ने उन्हें टीम इंडिया के दरवाजे तक पहुंचाया है।

श्रीलंका-ए के खिलाफ ऐसी होगी 'इंडिया-ए' टीम: चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर की अगुवाई वाली बीसीसीआई चयन समिति ने श्रीलंका-ए के खिलाफ जिस टीम का ऐलान किया है, उसकी कमान ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है। टीम के अन्य खिलाड़ियों में रुतुराज गायकवाड़, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन, आयुष पांडेय, एन. जगदीशन, अमन मोखाडे, शेख रशीद, सारांश जैन, हर्ष दुबे, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, गुरनूर ब्रार, आकिब नबी और जीशान अंसारी शामिल हैं।

7 साल की उम्र में शुरू किया था क्रिकेट का सफर : आयुष ने मात्र 7 वर्ष की उम्र में रायपुर की सबसे पुरानी क्रिकेट अकादमी से अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत की थी। अंडर-14 से लेकर रणजी ट्रॉफी तक का सफर उन्होंने इसी अकादमी के प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में पूरा किया है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में समय-समय पर मिले विशेष प्रशिक्षण ने उनके खेल को एक नया आयाम दिया। अपनी इस शानदार उपलब्धि पर आयुष पांडेय ने कहा कि विभिन्न घरेलू टूर्नामेंटों में मिले अनुभव और बड़े मुकाबलों में खेलने से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उन्होंने पूरी उम्मीद जताई है कि इंडिया-ए के लिए भी वे अपनी इसी लय को बरकरार रखेंगे और टीम की जीत में अपना अहम योगदान देंगे।

खाद-बीज की कोई कमी न हो, छोटे...

चली इस मैराथन समीक्षा बैठक में रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद और बलौदाबाजार जिलों के कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने गरियाबंद जिले के सुपेबेड़ा क्षेत्र में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए तेल नदी पर एनीकट निर्माण हेतु 7 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पेयजल जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आम नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए तथा प्रशासन के प्रति जनता की शिकायतों को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में तेजी लाने, टीबी मुक्त पंचायतों के निर्माण, आयुष्मान कार्डों का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने, जल जीवन मिशन के कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार केवल शिकायतों के निराकरण का अभियान नहीं बल्कि शासन की योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने और जनता से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने का माध्यम है। इसी उद्देश्य से वे स्वयं विभिन्न जिलों का दौरा कर योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था, सड़क सुरक्षा और देश में लागू नए तीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए तथा सड़क सुरक्षा नियमों के पालन और नशा मुक्ति अभियान को भी प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल, रायपुर संभागायुक्त श्याम धावड़े, आईजी अमरेश मिश्रा सहित संबंधित जिलों के जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम आवास समेत कई योजनाओं की समीक्षा : समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान भारत योजना, जल जीवन मिशन, बिहान, तेंदूपत्ता संग्रहण, महतारी वंदन योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा धान उपार्जन एवं उठाव की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पात्र नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

प्रेमिका की हत्या का आरोपी मुठभेड़ में घायल

सीतापुर/लखनऊ। प्रेमिका की हत्या का आरोपी पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान एक कथित मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय युवती की उसके प्रेमी द्वारा गर्भवती होने के बाद कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी और युवती का कंकाल लखनऊ के बाहरी इलाके में एक वन क्षेत्र में मिला था। पुलिस के अनुसार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था और बाद में पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान वह एक कथित मुठभेड़ में वह घायल हो गया। पुलिस के अनुसार युवती सीतापुर जिले की रहने वाली थी और वह 25 मई को कॉलेज जाने के लिए अपने घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। पुलिस के अनुसार बाद में संदना पुलिस थाने में अपहरण का एक मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और सीतापुर जिले के निवासी विशाल पाल से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार जांचकर्ताओं के अनुसार, विशाल और युवती के बीच संबंध था और युवती गर्भवती हो गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर शादी और गर्भावस्था से संबंधित विवाद के बाद उसकी हत्या कर दी।

पेज एक के शेष

जर्जर भवन और टूटे फर्नीचरों ...

स्कूलों को चिन्हित किया जाता है। जिसकी मरम्मत के लिए उच्च स्तर पर पत्राचार भी होता है। लेकिन शाला भवन की स्थिति को सुधारने के लिए सारे प्रयास सिर्फ कागजों तक ही सिमित दिखाई देते हैं और जमीनी स्तर पर इसकी हकीकत काफी दूर नजर आती है। जिसके चलते बच्चे इन्हीं जर्जर भवन और टूटे फर्नीचर में बैठकर पढ़ने मजबूर हो रहे हैं।

दो वर्षों से नहीं हुआ मरम्मत : जिले में बीते दो-तीन वर्षों से शिक्षा विभाग के माध्यम से जर्जर स्कूल भवनों को चिन्हित तो किया गया है, लेकिन इसकी मरम्मत नहीं हो पा रही है। जिले में 531 भवन मरम्मत योग्य हैं जहां कक्षाएं भी संचालित होती है। संबंधित विभाग की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मरम्मत योग्य भवन होने के बाद भी नौनिहालों को जर्जर भवनों में पढ़ाया जा रहा है।

कार्य की गति धीमी : सत्र 2025-26 में शासन द्वारा भवन की आवश्यकता अनुसार 12 शासकीय शालाओं में नवीन भवन निर्माण कार्य हेतु 2 करोड़ 49 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। वहीं अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु कुल 122 शालाओं के लिए लगभग 23 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है। लेकिन सभी पर कार्य की गति काफी धीमी बनी हुई है।

मीटर से ही तैयार हुआ ...

इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को बिजली नियामक आयोग से मंजूरी लेनी पड़ेगी। ऑनलाइन रीडिंग सिस्टम से पॉवर कंपनी को माह करीब छह करोड़ की बचत होगी। वहीं दूसरी ओर करीब 5000 रीडर बेरोजगार हो जाएंगे। केंद्र सरकार की योजना के तहत छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर लगाने का काम चल रहा है। प्रदेश के 65 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं में से करीब 35 लाख के मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगा दिए गए हैं। बचे मीटरों को भी बदलने का काम चल रहा है, लेकिन अब किसी भी उपभोक्ता को स्मार्ट मीटर लगाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। पहले सभी उपभोक्ताओं के मीटरों को बदलने के बाद कनेक्शनों को प्रीपैड करने की योजना थी। लेकिन अब यह योजना खटाई में पड़ गई है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने खुद ही इसको रद्द कर दिया है। उत्तर प्रदेश में प्रीपैड मीटरों को लेकर विवाद के बाद यह बात सामने आई कि एक्ट में प्रीपैड का प्रावधान ही नहीं है। ऐसे में ऊर्जा मंत्रालय को अपना पुराना आदेश बदलना पड़ा है।

मीटर से सीधे कंट्रोल रूम में रीडिंग : अब गुढियारी के कंट्रोल रूम से सीधे उपभोक्ताओं की माह के अंतिम दिन की रीडिंग देखकर बिल आएगा। ऐसा ही जून के बिल में किया गया है। ऐसा होने से 30 दिनों के स्थान पर ज्यादा दिनों में रीडिंग होने की शिकायत भी नहीं रहेगी। इसका बड़ा फायदा पॉवर कंपनी को यह होगा कि उसके हर माह करीब छह करोड़ बचेंगे। इस समय प्रदेश में 65 लाख से ज्यादा उपभोक्ता हैं। इनकी रीडिंग करने के लिए रीडरों को शहरों से ग्रामीण क्षेत्र में 8 से 12 रुपए प्रति कनेक्शन के हिसाब से पैसे दिए जाते हैं। ऐसे में हर माह करीब छह करोड़ खर्च होते हैं।

पांच हजार रीडर होंगे बेरोजगार : रीडिंग ऑनलाइन होने का सबसे बड़ा नुकसान यह होगा कि प्रदेश के पांच हजार से ज्यादा रीडर बेरोजगार हो जाएंगे। रीडर अभी से ऑनलाइन रीडिंग का विरोध कर रहे हैं। रीडरों का कहना है कि अगर रीडिंग ऑनलाइन की जाती है तो उनको कंपनी में और कोई काम दिया जाए।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित-संभाग नारायणपुर

क्र./45-54/सामा./प्रकाशन/2026/492 नारायणपुर, दिनांक 05/06/2026

// आवश्यक सूचना //

सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि (संचा. / संधा.) संभाग नारायणपुर अंतर्गत नारायणपुर उपसंभाग में विद्यमान 33/11 के.व्ही. लाईनों एवं उपकेन्द्रों का मानसून पूर्व रख-रखाव एवं मरम्मत कार्य निम्नानुसार तिथियों में किया जाना है। अतः उक्त तिथियों में संबंधित क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति प्रातः 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक बंद रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है ।

क्र.	दिनांक	दिन	फिडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	2	3	4	5
1	07.06.2026	रविवार	11 के.व्ही. कलेक्ट्रेड फीडर	नयापारा, दीनदयाल, माहका, जिला अस्पताल, कलेक्ट्रेड रोड़, रामकृष्ण आश्रम आदि समस्त क्षेत्र
2	08.06.2026	सोमवार	33 के.व्ही. नारायणपुर फीडर	निरंक
3	09.06.2026	मंगलवार	11 के.व्ही. बाजारपारा फीडर	बखरूपारा, जगदीश मंदिर, बुधवारी बाजार, देवांगन पारा, कुम्हारपारा, मुरियापारा, साकड़ीबेड़ा, डुमरतराई, चिहरीपारा, खड़ीबहार, कुम्हली आदि समस्त क्षेत्र
4	10.06.2026	बुधवार	11 के.व्ही. एजूकेशन हब फीडर	एजूकेशन हब, बखरूपारा, गरांजी, जेलबाड़ी, दुगाबेंगाल, गढ़बेंगाल आदि समस्त क्षेत्र
5	11.06.2026	गुरूवार	11 के.व्ही. शांतिनगर फीडर	शांतिनगर, गुडरीपारा, सुलेंगा सिगोड़ीतराई आदि समस्त क्षेत्र
6	13.06.2026	शनिवार	11 के.व्ही. जयस्तम्भ फीडर	तहसीलपारा, डी.एन.के. कॉलोनी, मैन रोड़, बंग्लापारा, पाठक चौक सोनपुर रोड़ आदि समस्त क्षेत्र

टीप- असुविधा के लिए खेद है।

।। स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचाएं ।।

(श्री के.एल. उइके)
कार्यपालन यंत्री (संचा./संधा.) संभाग
छ.ग.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि. नारायणपुर

// आम सूचना //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार संजय आ. मनहरण तिवारी एवं कृष्णकुमार आ. स्व. गौरीशंकर गुप्ता निवासी-कवर्धा तह. कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.) ने रूखसाना खान शेख अमीन अहमद फरजाना शेख आसिफ सल्माना परवीन मल्का बेगम शेख सोएफ रजा एव शबाना परवीन आ. शेख असगर निवासी-कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.) उनकी ग्राम- कवर्धा स्थित भूमि जिसका खसरा न. 371/1 रकबा 0.681 हे. में से 0.158 हे. भूमि का पक्का सौदा मेरे पक्षकार से करके दिनांक 15/06/2026 को रजिस्ट्री करने का पक्का इकरार कर लिया है तथा उपरोक्त इकरारनामा को उभय पक्षकारो ने गवाहो के समक्ष एवं नोटरी के समक्ष विक्रय अनुबंध विक्रय अनुबंध निष्पादित कर लिया है।

अतः जिस किसी व्यक्ति संस्था बैंक या निकाय या किसी पारिवारिक सदस्य को उक्त संव्यवहार या उक्त विक्रय भूमि के स्वत्व आधिपत्य अन्तरण के संबंध में कोई आपत्ति या दावा हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर मेरे कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर सुसंगत दस्तावेजों सहित लिखित में प्रस्तुत करें समयावधि उपरांत उक्त संपत्ति का पंजीयन मेरे पक्षकार द्वारा करवा लिया जावेगा। तदोपरान्त की गई कोई भी आपत्ति या दावा अवैध एवं शून्य माना जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा। सो सूचना जाने।

स्थान - कवर्धा (छ.ग.)
दिनांक 06/06/2026

भवदीय
सुधीर पाण्डेय (अधिवक्ता)
निवासी- काली मंदिर के पास बिलासपुर रोड कवर्धा, तह. कवर्धा, जिला कबीरधाम छ.ग.
मो.न. 9685203020, 9425572436

न्यायालय - अपर मो. दु. दावा अधि. सारंगढ़ के द्वितीय अतिरिक्त दावा अधि. सारंगढ़, जिला-सारंगढ़ बिलाईगढ़ (छ.ग.)
पीठासीन अधिकारी (अमित राठौर)
// ईश्तहार //
मोटर दुर्घटना अधि. 27/2025
पेशी तारीख-16/06/2026
प्रोसेस क्रमांक-286/2026

मोहन लाल चन्द्रा वगैरह विरुद्ध चन्द्रकुमार चन्द्रा वगैरह
प्रति, शाखा प्रबंधक, युनिवर्सल सैम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, शाखा कार्यालय-प्रथम तल फ्लोर बी-7 श्रीराम नगर, टी.वी. टॉवर रोड रायपुर छ.ग. वाहन मो.सा. क्रमांक CG06 HD 3674 का बीमाकर्ता
विषय:- मोटर दुर्घटना अधि. 27/2025 मोहन लाल चन्द्रा वगैरह विरुद्ध चन्द्रकुमार चन्द्रा वगैरह में उत्तरवादी की उपस्थिति हेतु नोटिस

यह कि, वादीगण/आवेदकगण मोहन लाल चन्द्रा वगैरह ने अनावेदकगण चन्द्रकुमार चन्द्रा वगैरह के विरुद्ध मोटरयान दुर्घटना क्षतिपूर्ति हेतु दावा पेश किया है। उत्तरवादी शाखा प्रबंधक, युनिवर्सल सैम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, शाखा कार्यालय-प्रथम तल फ्लोर बी-7 श्रीराम नगर, टी.वी. टॉवर रोड रायपुर छ.ग. वाहन मो.सा. क्रमांक CG06 HD 3674 का बीमाकर्ता (जिसका इससे संबंध हो या जानकारी हो जो अपना पक्ष रखना चाहते हो) को इस न्यायालय में पेशी तारीख 16/06/2026 को दिन में 11.00 बजे दावा का उत्तर देने के उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा हाजिर हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। उत्तरवादी को यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजों जो आपके कब्जे या शक्ति में हो पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा का दावा या प्रतिवाद आधारित है।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात (हाजिर) नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।
टीप:- यदि उक्त तिथि पर अवकाश घोषित हो जायेगा तो प्रकरण की सुनवाई ठीक पश्चात आगामी कार्य दिवस पर की जावेगी।

इस न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर द्वारा आज दिनांक 28.04.2026 को किया गया ।

(अमित राठौर)
अपर मो. दु. दावा अधि. सारंगढ़ के द्वितीय अतिरिक्त दावा अधि. सारंगढ़
जिला-सारंगढ़ बिलाईगढ़ (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत फरसगांव, जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)

Email- nager.p.pharasgaon@gmail.com

—:: ई—प्रोक्योरमेंट द्वितीयनिविदा आमंत्रण सूचना ::—

क्रमांक/380/न.प./ लो.नि.वि./2026 फरसगांव, दिनांकः 05.06.2026

Main Portal : (http://eproc.cgstate.gov.in)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/एनजीओ/अन्य संस्थाओं से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई हैः—

क्र.	ई-टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
1	192707	REVAMPING OF MATERIAL RECOVERY FACILITY (MRF) INCLUDING INSTALLATION.	23.95	22-06-2026

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वे के मेन पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। अन्य विवरण एवं विस्तृत जानकारी निविदा वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत फरसगांव
जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद, भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

Telephone: 07726-221068,
Email Address: cmobhatapara@rediffmail

क्र./186/लो.नि.वि./न.पा.प./2026-27 भाटापारा, दिनांकः 05.06.2026

।। मैन्यूल निविदा सूचना ।।

नगर पालिका परिषद भाटापारा क्षेत्रांतर्गत परिषद निधि मद से निम्नलिखित कार्यों हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली से लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र-अ में निविदा दर 03 लिफाफा पद्धति में स्पॉट/पंजीकृत डाक के माध्यम से तृतीय निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसमें पहला लिफाफा में समस्त दस्तावेज, एफडीआर एवं डी.डी, द्वितीय लिफाफा में निविदा फार्म दर सहित भरकर तृतीय लिफाफा में डालकर पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना है, जो कि निम्नानुसार हैः-

(निविदा प्रारंभ तिथि 05.06.2026 एवं प्राप्त होने की अंतिम तिथि 29.06.2026 समय सायः 03:00 बजे एवं खोले जाने की तिथि 29.06.2026 समय 04:00 बजे)

क्र.	कार्य का नाम	लागत (लाख रू. में)	एस.ओ. आर.
1	नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डों में आर.सी.सी. नाली, रंगमंच, बाउंड्रीवाल, बी.टी. रोड, चबूतरा, शौचालय निर्माण एवं मरम्मत कार्य	114.30	PWD B/R 2026

टीप : विस्तृत निविदा, नियम एवं शर्तें कार्यालयीन समयावधि में कार्यालय से एवं विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से प्राप्त की जा सकती हैं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद भाटापारा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

उन्नयन कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

ई-निविदा संख्याः 104 - एस एन टी - परियोजना - निविदा - 2026, दिनांकः 29.05.2026

कार्य का नामः बिलासपुर मंडल में दूरसंचार नेटवर्क की निरंतर बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु रेलनेट सर्वर का उन्नयन।

निविदा मूल्यः ₹ 5,13,25,431.98 (₹ पाँच करोड़ तेरह लाख पच्चीस हजार चार सौ इकतीस तथा अट्ठानवे पैसे मात्र)। बिड सिक्युरिटी (अमानत राशि): ₹ 10,26,500.00 (₹ दस लाख छब्बीस हजार पाँच सौ मात्र)

निविदा बंद होने की तिथिः 22.06.2026 को 16.30 बजे तक।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है, उसमें देख सकते हैं।

उप मुख्य सिगनल एवं दूर. इंजी (परि.)/
सीपीआर/10/164 रायगढ़@बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पंचायत मारो, जिला – बेमेतरा (छ.ग.)

क्रमांक / 232 / लो.नि.वि. / न.पं. / 2026-27 मारो, दिनांकः 05/06/2026

-:: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना ::-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ई-टेण्डर निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	रिमार्क
1	191836	Design, Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System in NAGAR PANCHAYAT, MARO under SBM 2.0.	231.71	प्रथम निविदा

उपरोक्तानुसार ऑनलाईन द्वारा प्रथम निविदा (191836) दिनांक 29/05/2026 समय 17:00 बजे से आमंत्रित की जाती है। निविदा के संबंध में विस्तृत विवरण ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in व विभागीय वेबसाईट uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा आमंत्रण से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जायेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका
अधिकारी नगर पंचायत मारो

कार्यालय नगर पंचायत सहसपुर लोहारा, जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

Email ID : cmoslohara@rediffmail.com

क्रमांक / 944 / लो.नि.वि./ न.पं./2026-27 सहसपुर लोहारा, दि. 05/06/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना (1st Call)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	192687	BHARAT MATA STATUE	15.73	30.06.2026
2	192686	DIN DAYAL UPADHAY CHOWK AT WARD NO. 13	15.02	30.06.2026
3	192685	CONSTRUCTION OF PATHWAY FROM KASTURBA AVASI VIDHYALAY TO SANSKRUTIK BHAWAN AT WARD NO. 01	10.00	30.06.2026
4	192684	CONSTRUCTION OF SMALL GARDEN NEAR OLD POND AT WARD NO.08	10.00	30.06.2026
5	192625	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of SAHASPUR LOHARA, Chhattisgarh	29.79	30.06.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा सामान्य शर्तों, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञाप्न, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in/ एवं कार्यालयीन समय में कार्यालय पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत, सहसपुर लोहारा

शब्द पहेली - 6249

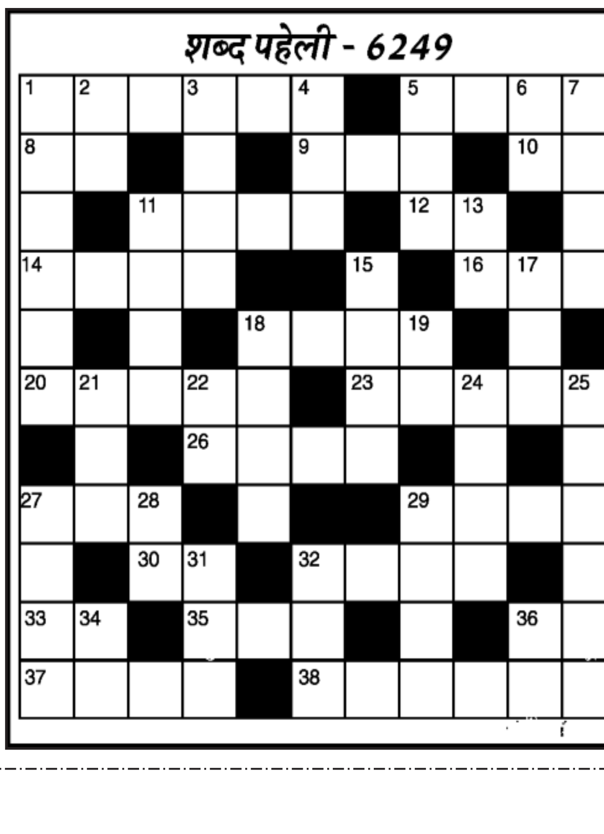

बाएं से दाए
1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिति-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6248 का हल

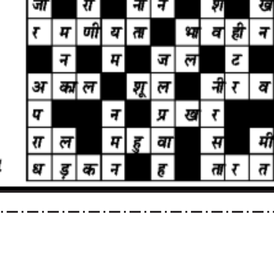

सूडोकु नवताल - 6259

★★★★☆ कठिन

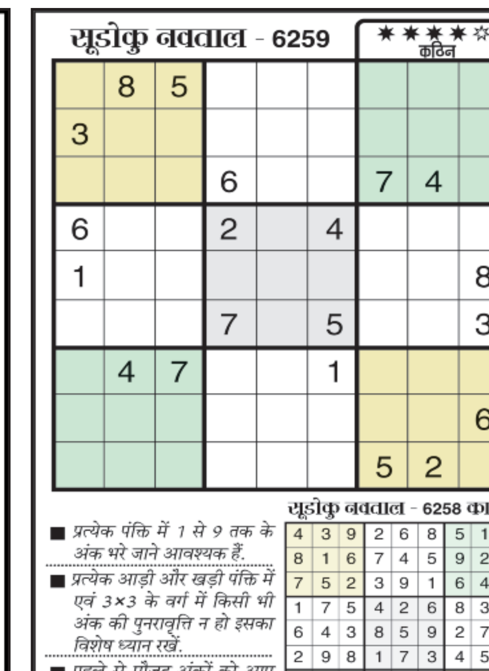

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल - 6258 का हल

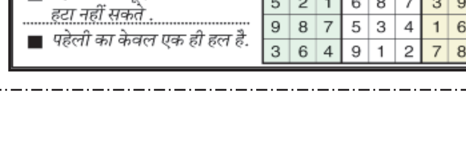

पे-रोल लिंक्ड एसआईपी

वेतन से सीधे निवेश करने का नया रास्ता

कर्मचारियों के लिए धन सृजन का सबसे आसान फॉर्मूला

सेबी का प्रस्ताव बचत व निवेश की आदत को मजबूत करेगा

जोखिमभरी ट्रेडिंग से दूर होकर दीर्घकालिक संपत्ति बना सकेंगे

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश लगातार लोकप्रिय हो रहा है और करोड़ों लोग सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अब भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेश को और सरल तथा अनुशासित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा है। इसके तहत वेतनभोगी कर्मचारियों की सैलरी से सीधे म्यूचुअल फंड में निवेश की व्यवस्था की जा सकती है। इस व्यवस्था को पे-रोल-लिंक्ड एसआईपी कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों में नियमित निवेश की आदत विकसित करना, उन्हें जोखिमपूर्ण फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग से दूर रखना और शेयर बाजार में स्थिर घरेलू पूंजी का प्रवाह बढ़ाना है। यदि यह योजना लागू होती है तो कर्मचारियों को हर महीने अलग से निवेश करने की चिंता नहीं रहेगी, बल्कि वेतन मिलने के साथ ही तय राशि स्वतः म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाएगी। विशेषज्ञ इसे भारत में निवेश संस्कृति को नई दिशा देने वाला कदम मान रहे हैं। सेबी के परामर्श पत्र के अनुसार सूचीबद्ध कंपनियां और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से पंजीकृत नियोक्ता अपने कर्मचारियों की सैलरी से एक निश्चित राशि काटकर सीधे म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश कर सकेंगे। कर्मचारी स्वयं यह तय करेंगे कि उन्हें किस फंड में और कितनी राशि निवेश करनी है। यह प्रक्रिया उसी प्रकार होगी जैसे कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) या कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) के लिए वेतन से राशि काटी जाती है। अंतर केवल इतना होगा कि यह राशि कर्मचारी के चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश होगी और उसकी यूनिट्स कर्मचारी के डीमैट खाते में जमा हो जाएंगी।

सफलता अगले स्तर पर ले जाने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह निवेश को नियमित और स्वचालित बनाती है। निवेशक को हर महीने अलग से निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि देश में SIP के माध्यम से हर महीने हजारों करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। पेरोल-लिंक्ड एसआईपी इस अवधारणा को और आगे बढ़ाता है। इसमें कर्मचारी को निवेश शुरू करने या हर महीने भुगतान की चिंता नहीं करनी होगी। वेतन जारी होते ही निर्धारित राशि निवेश हो जाएगी। इससे निवेश की निरंतरता बनी रहेगी और धन सृजन की प्रक्रिया स्वतः चलती रहेगी।

पहले बचत, फिर खर्च की आदत

अधिकांश लोग वेतन मिलने के बाद पहले खर्च करते हैं और बाद में बची राशि निवेश करने की सोचते हैं। कई बार महीने के अंत तक निवेश के लिए पैसा ही नहीं बचता। पेरोल एसआईपी इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। निवेश की राशि पहले ही कट जाएगी, जिससे बचत और निवेश को प्राथमिकता मिलेगी।

निवेश में अनुशासन

निवेश का सबसे कठिन हिस्सा नियमितता बनाए रखना होता है। नौकरी, घरेलू खर्च और अन्य जिम्मेदारियों के कारण लोग एसआईपी बंद कर देते हैं या किस्तें छोड़ देते हैं। पेरोल आधारित व्यवस्था निवेश को स्वचालित बनाकर इस समस्या को काफी हद तक समाप्त कर सकती है।

लंबी अवधि में बड़ा फंड

नियमित निवेश और चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ मिलकर समय के साथ बड़ी संपत्ति तैयार कर सकते हैं। यदि कोई कर्मचारी लंबे समय तक हर महीने छोटी राशि भी निवेश करता है तो वह भविष्य में बड़ा कोष तैयार कर सकता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ लंबे समय तक SIP जारी रखने पर जोर देते हैं।

एफएंडओ ट्रेडिंग में नुकसान

हाल के वर्षों में फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग में खुदरा निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश निवेशकों को इसमें नुकसान उठाना पड़ रहा है। सेबी के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में लगभग 91 प्रतिशत व्यक्तिगत डेरिवेटिव ट्रेडर्स को नुकसान हुआ और कुल नुकसान एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

घरेलू पूंजी को मजबूत करना

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों के कारण विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव आता रहता है। इसके विपरीत घरेलू संस्थागत निवेशक और SIP निवेश लगातार बाजार को सहारा देते हैं। पेरोल-लिंक्ड SIP के माध्यम से घरेलू निवेश का आधार और मजबूत हो सकता है।

व्यवहारिक मनोविज्ञान का उपयोग

इस प्रस्ताव की खास बात यह है कि यह लोगों की वित्तीय आदतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पहला, पैसा निवेश होने के बाद ही कर्मचारी के हाथ में पहुंचेगा, इसलिए उसे खर्च करने या जोखिमपूर्ण ट्रेडिंग में लगाने की संभावना कम होगी। दूसरा, अधिकांश लोग किसी डिफॉल्ट व्यवस्था को बदलना पसंद नहीं करते। यदि डिफॉल्ट विकल्प निवेश है तो लोग नियमित निवेश जारी रखेंगे। तीसरा, हर महीने बढ़ती निवेश राशि कर्मचारियों को अपने वित्तीय लक्ष्यों के प्रति अधिक जागरूक बनाएगी और उनमें निवेशक की सोच विकसित होगी।

योजना की सफलता के लिए क्या जरूरी है

विशेषज्ञों का मानना है कि म्यूचुअल फंड से निकासी की प्रक्रिया को और तेज बनाना होगा। वर्तमान में इक्विटी म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने पर आमतौर पर एक से दो दिन का समय लगता है। जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट तोड़ने पर राशि अपेक्षाकृत जल्दी मिल जाती है। यदि निवेशकों को जरूरत पड़ने पर जल्द पैसा उपलब्ध हो जाए तो उनका भरोसा बढ़ेगा और वे अधिक उत्साह से इस योजना में भाग लेंगे। डिजिटल भुगतान और यूपीआई के दौर में निवेशकों की अपेक्षा भी तेज और सुविधाजनक सेवाओं की है।

पैसों को लेकर अपनाएं सही आदतें, भविष्य होगा सुरक्षित

सुझाव

बिजनेस डेस्क

20 साल की उम्र जिंदगी का वह पड़ाव है, जब पहली नौकरी, अपनी कमाई और आर्थिक स्वतंत्रता का एहसास एक साथ मिलता है। यही वह समय भी होता है जब वित्तीय आदतों की नींव पड़ती है। यदि इस दौर में पैसों को लेकर सही फैसले लिए जाएं तो भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित और मजबूत बन सकता है। वहीं कुछ सामान्य गलतियां लंबे समय में आर्थिक लक्ष्यों को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि कम उम्र से ही बचत, निवेश और खर्च के बीच संतुलन बनाना सीखा जाए। कमाई शुरू होने के बाद अक्सर युवा अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने में जुट जाते हैं। महंगे रेस्टोरेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, छुट्टियां और नए गैजेट्स पर खर्च बढ़ जाता है। जीवन का आनंद लेना गलत नहीं है, लेकिन यदि आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश नहीं बढ़ते तो भविष्य में आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर वेतन वृद्धि का एक हिस्सा सीधे बचत या निवेश में लगाया जाए। इससे धीरे-धीरे मजबूत वित्तीय आधार तैयार होता है और बड़े लक्ष्यों को हासिल करना आसान हो जाता है।

इमरजेंसी फंड देता है आर्थिक सुरक्षा

जीवन में कब कोई अप्रत्याशित स्थिति आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, अचानक स्वास्थ्य संबंधी खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में आर्थिक संकट पैदा हो सकता है। ऐसे समय में आपातकालीन फंड बड़ी राहत देता है। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर राशि अलग रखने की सलाह देते हैं। यह फंड मुश्किल समय में कर्ज लेने की जरूरत को कम कर सकता है।

जल्दी निवेश से बड़ा फायदा

निवेश की दुनिया में समय सबसे बड़ा साथी माना जाता है। कई युवा यह सोचकर निवेश टालते रहते हैं कि अभी उम्र कम है और बाद में शुरुआत कर लेंगे। लेकिन जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, उतना अधिक फायदा चक्रवृद्धि यानी कंपाउंडिंग का मिलता है। छोटी-छोटी रकम का नियमित निवेश भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकता है। इसलिए पहली नौकरी के साथ ही निवेश की आदत विकसित करना भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

क्रेडिट कार्ड का प्रयोग समझदारी से करें

क्रेडिट कार्ड सुविधा जरूर देता है, लेकिन इसे अतिरिक्त आय समझना बड़ी गलती हो सकती है। कई युवा जरूरत से ज्यादा खर्च कर लेते हैं और बाद में भुगतान करने में परेशानी का सामना करते हैं। समय पर भुगतान न होने पर भारी ब्याज देना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करना चाहिए, जितना आसानी से चुकाया जा सके। जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने पर यह अच्छा वित्तीय साधन साबित हो सकता है।

निवेश के उद्देश्य अलग-अलग हैं

कम उम्र में कई लोग ऐसे उत्पाद चुन लेते हैं जो बीमा और निवेश दोनों का दावा करते हैं। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि बीमा का उद्देश्य सुरक्षा देना है, जबकि निवेश का उद्देश्य संपत्ति बनाना होता है। इसलिए पर्याप्त बीमा सुरक्षा के लिए अलग योजना और निवेश के लिए अलग विकल्प चुनना अधिक बेहतर माना जाता है। इससे दोनों लक्ष्यों को प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सकता है।

वित्तीय लक्ष्य तय करना भी है जरूरी

सिर्फ कमाना और निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है। यह भी जरूरी है कि निवेश का उद्देश्य स्पष्ट हो। घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, व्यवसाय शुरू करना या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग योजना बनानी चाहिए। स्पष्ट लक्ष्य होने से सही निवेश विकल्प चुनने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में मदद मिलती है। लक्ष्य आधारित निवेश लंबे समय में बेहतर परिणाम दे सकता है।

सही आदतें बनाती हैं मजबूत भविष्य

20 की उम्र में अपनाई गई अच्छी वित्तीय आदतें भविष्य की आर्थिक सफलता का आधार बनती हैं। नियमित बचत, समय पर निवेश, नियंत्रित खर्च, पर्याप्त बीमा और आपातकालीन फंड जैसी आदतें आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करती हैं। युवावस्था में लिया गया हर समझदारी भरा वित्तीय फैसला आने वाले वर्षों में आर्थिक स्वतंत्रता और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। इसलिए आज बनाई गई अच्छी आदतें ही कल के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव बनती हैं।

अब बिना सैलरी वाले भी ले सकते हैं किराए पर टैक्स छूट

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने का मौसम शुरू हो चुका है और अधिकांश लोग टैक्स बचाने के विकल्प तलाश रहे हैं। आम धारणा यह है कि मकान किराए पर टैक्स छूट यानी हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) का लाभ केवल नौकरीपेशा लोगों को मिलता है, क्योंकि यह उनके वेतन पैकेज का हिस्सा होता है, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। यदि आप नौकरीपेशा नहीं हैं, फ्रीलांसर हैं, स्वरोजगार करते हैं, व्यवसायी हैं या आपकी कंपनी आपको एचआरए उपलब्ध नहीं कराती, तब भी आप घर के किराए पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। आयकर अधिनियम की धारा 80जीजी तथा नए आयकर कानून 2025 की धारा 134 के तहत ऐसे करदाताओं को किराए पर टैक्स राहत प्रदान की जाती है। हालांकि इसका लाभ लेने के लिए कुछ निर्धारित शर्तों का पालन करना आवश्यक है। साथ ही यह छूट केवल पुरानी कर व्यवस्था चुनने वाले करदाताओं को ही उपलब्ध होती है।

क्या है सेक्शन 80जीजी : सेक्शन 80जीजी उन लोगों के लिए बनाया गया है जिन्हें किसी भी रूप में एचआरए नहीं मिलता, लेकिन वे किराए के मकान में रहते हैं और नियमित रूप से किराया अदा करते हैं। यह प्रावधान विशेष रूप से फ्रीलांसर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, छोटे व्यापारी, सलाहकार और अन्य स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। हालांकि इस छूट का लाभ लेने के लिए कुछ महत्वपूर्ण शर्तें पूरी करनी होती हैं।

बिजनेस साइट

बैक टू स्कूल सीजन में सुमीत बाजार का खास कॉम्बो ऑफर

रायपुर। नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों के बीच सुमीत बाजार ने ग्राहकों के लिए आकर्षक 'बैक टू स्कूल कॉम्बो ऑफर' लॉन्च किया है। इसके तहत विद्यार्थियों की जरूरतों से जुड़े विभिन्न स्टेशनरी प्रोडक्ट्स रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे अभिभावकों को स्कूल सामग्री की खरीदारी में राहत मिलने की उम्मीद है। ऑफर के तहत प्री-प्राइमरी, प्राइमरी, सेकंडरी तथा हाई-स्कूल/कॉलेज छात्रों के लिए विशेष कॉम्बो पैकेज तैयार किए गए हैं। इनमें स्कूल बैग, लंच बॉक्स, वॉटर बॉटल, पेंसिल बॉक्स और ज्योमेट्री बॉक्स जैसे आवश्यक उत्पाद शामिल हैं। सुमीत बाजार प्रबंधन ने बताया कि यह ऑफर सीमित अवधि के लिए उपलब्ध रहेगा और इसका उद्देश्य नए सत्र से पहले अभिभावकों को किफायती खरीदारी का अवसर प्रदान करना है। गौरतलब है कि सुमीत बाजार रेडीमेड गारमेंट्स, साड़ियों, सलवार-सूट, होम फर्निशिंग तथा घरेलू उपयोग की वस्तुओं के व्यापक संग्रह के लिए जाना जाता है। कंपनी के विभिन्न शहरों में संचालित स्टोर ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के साथ किफायती खरीदारी का अनुभव उपलब्ध कराने पर केंद्रित हैं।

- स्कूल बैग, लंच बॉक्स, वॉटर बॉटल समेत जरूरी स्टेशनरी उत्पादों पर विशेष कॉम्बो पैकेज

पतंजलि और इंडोनेशिया के हिंदू विश्वविद्यालय के बीच एमओयू

हरिद्वार। सनातन संस्कृति, योग और शिक्षा के वैश्विक विस्तार की दिशा में पतंजलि योगपीठ और इंडोनेशिया के एकमात्र हिंदू विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी हिंदू नेगरी के बीच ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में हुए इस समझौते का उद्देश्य शिक्षा, योग, अनुसंधान और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। समझौते के तहत दोनों संस्थानों के छात्रों के लिए संयुक्त शैक्षणिक सत्र, शोध कार्यक्रम तथा योग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने पतंजलि प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए सहयोग को नई दिशा देने की प्रतिबद्धता जताई।

जानकारी

बिजनेस डेस्क

पीपीएफ में निवेश का सही समय भी बढ़ा सकता है आपका रिटर्न

छोटी-सी सावधानी बरतने से ही मिल जाएगा बड़ा फायदा

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) देश की सबसे भरोसेमंद और लोकप्रिय बचत योजनाओं में से एक है। सरकारी गारंटी, टैक्स छूट और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न के कारण यह निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। अधिकांश लोग इसे केवल टैक्स बचाने का साधन मानते हैं, लेकिन सही रणनीति अपनाकर इससे बेहतर रिटर्न भी हासिल किया जा सकता है। खास बात यह है कि पीपीएफ में केवल निवेश की राशि ही नहीं, बल्कि निवेश की तारीख भी आपके रिटर्न को प्रभावित करती है। यदि निवेशक हर महीने सही समय पर पैसा जमा करें तो उन्हें अतिरिक्त ब्याज का लाभ मिल सकता है, जो लंबे समय में बड़ी रकम में बदल सकता है।

हर महीने 5 तारीख क्यों मानी जाती है महत्वपूर्ण

पीपीएफ खाते में ब्याज की गणना एक खास नियम के तहत की जाती है। प्रत्येक महीने की 5 तारीख और महीने के अंतिम दिन के बीच खाते में मौजूद न्यूनतम बैलेंस पर ब्याज तय किया जाता है। इसका मतलब है कि यदि कोई निवेशक किसी महीने की 5 तारीख या उससे पहले पैसा जमा करता है, तो उस रकम पर उसी महीने से ब्याज मिलना शुरू हो जाता है। इसके विपरीत यदि पैसा 5 तारीख के बाद जमा किया जाता है, तो उस पर ब्याज अगले महीने से लागू होता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15 वर्षों जैसी लंबी अवधि में यही अतिरिक्त ब्याज निवेशक की कुल संपत्ति को काफी बढ़ा सकता है।

नियमित निवेश के साथ बढ़ता है कंपाउंडिंग का फायदा

पीपीएफ की सबसे बड़ी ताकत कंपाउंडिंग यानी चक्रवृद्धि ब्याज है। निवेश पर मिलने वाला ब्याज भी आगे चलकर ब्याज कमाने लगता है। यही कारण है कि लंबे समय तक नियमित निवेश करने वाले निवेशकों को बड़ा लाभ मिलता है। यदि निवेशक हर महीने की 5 तारीख से पहले निर्धारित राशि जमा करते हैं तो उनके खाते में अधिक समय तक ब्याज जुड़ता रहता है। इससे मैच्योरिटी के समय मिलने वाली राशि में सकारात्मक अंतर देखने को मिलता है।

अप्रैल में निवेश करने वालों को अतिरिक्त लाभ

पीपीएफ में एक वित्त वर्ष के दौरान अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक निवेश किया जा सकता है। जिन निवेशकों के पास पर्याप्त धन उपलब्ध है, वे वित्त वर्ष की शुरुआत यानी अप्रैल में ही पूरी राशि जमा कर सकते हैं। ऐसा करने पर पूरी रकम पूरे वर्ष के लिए ब्याज अर्जित करती है, जिससे कुल रिटर्न बढ़ जाता है। हालांकि अधिकांश वेतनभोगी निवेशकों के लिए एकमुश्त निवेश करना संभव नहीं होता। ऐसे में मासिक निवेश एक बेहतर विकल्प माना जाता है।

निवेशक अक्सर कर बैठते हैं ये सामान्य गलतियां

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार कई निवेशक कुछ छोटी-छोटी गलतियों के कारण पीपीएफ का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। सबसे आम गलती 5 तारीख के बाद पैसा जमा करना है। इससे उस महीने का ब्याज नहीं मिल पाता और लंबे समय में रिटर्न प्रभावित होता है। इसके अलावा कुछ निवेशक सालाना न्यूनतम निवेश की शर्त भूल जाते हैं। पीपीएफ खाते को सक्रिय बनाए रखने के लिए हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये जमा करना जरूरी होता है। वहीं कई लोगों को यह भ्रम रहता है कि पीपीएफ की ब्याज दर 15 वर्षों तक एक जैसी बनी रहती है, जबकि ऐसा नहीं है।

ब्याज दरों में समय-समय पर हो सकता है बदलाव

वर्तमान में पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिल रहा है। हालांकि यह दर स्थायी नहीं होती। केंद्र सरकार हर तिमाही इसकी समीक्षा करती है और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार इसमें बदलाव कर सकती है। इसलिए निवेशकों को यह समझना चाहिए कि भविष्य में मिलने वाला वास्तविक रिटर्न ब्याज दरों में होने वाले संभावित बदलावों पर भी निर्भर करेगा। फिर भी सरकारी सुरक्षा और टैक्स लाभ के कारण पीपीएफ को कम जोखिम वाला निवेश विकल्प माना जाता है।

15 वर्षों में कितना फंड बनेगा

यदि कोई निवेशक 15 वर्षों तक हर महीने 5,000 रुपये का निवेश करता है, तो मौजूदा ब्याज दरों के आधार पर मैच्योरिटी पर उसके पास लगभग 15 से 16 लाख रुपये का टैक्स फ्री फंड तैयार हो सकता है। वहीं यदि मासिक निवेश 10,000 रुपये हो, तो यह राशि 30 लाख रुपये से अधिक तक पहुंच सकती है। जो निवेशक हर वर्ष अधिकतम 1.5 लाख रुपये की सीमा तक निवेश करते हैं, उनके लिए 15 वर्षों में 40 लाख रुपये से अधिक का कोष तैयार होने की संभावना रहती है। हालांकि वास्तविक राशि उस दौरान लागू ब्याज दरों पर निर्भर करेगी।

जारी रख सकते हैं निवेश

पीपीएफ की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि 15 वर्षों की मूल अवधि पूरी होने के बाद भी खाता बंद करना अनिवार्य नहीं है। निवेशक इसे पांच-पांच वर्षों के ब्लॉक में आगे बढ़ा सकते हैं। वे चाहें तो नए निवेश के साथ खाते को जारी रख सकते हैं या बिना अतिरिक्त निवेश के भी जमा राशि पर ब्याज प्राप्त करते रह सकते हैं। इससे कंपाउंडिंग का लाभ और अधिक समय तक मिलता रहता है तथा रिटायरमेंट जैसी दीर्घकालिक जरूरतों के लिए बड़ा कोष तैयार किया जा सकता है।

सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प

म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और कई अन्य निवेश विकल्प उपलब्ध हैं। इनमें अधिक रिटर्न की संभावना होती है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है। इसके विपरीत पीपीएफ बाजार की अस्थिरता से प्रभावित नहीं होता और सरकारी गारंटी के साथ सुरक्षित निवेश का अवसर प्रदान करता है। साथ ही इसमें निवेश की गई राशि, अर्जित ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली रकम तीनों टैक्स फ्री होती हैं।

गलत एसेट एलोकेशन और जल्दबाजी से बिगड़ती है निवेश की रणनीति

एसआईपी में पैसा लगाने के बाद भी क्यों नहीं बन पाती दौलत?

अक्सर ये गलतियां कर बैठते हैं निवेशक

बिजनेस डेस्क

देश में म्यूचुअल फंड और एसआईपी निवेश तेजी से बढ़ रहा है। हर महीने लाखों लोग भविष्य की आर्थिक सुरक्षा और बड़ा फंड बनाने के उद्देश्य से एसआईपी शुरू कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2026 में एसआईपी के जरिए निवेश 32 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में काफी ज्यादा है। इसके बावजूद कई निवेशक लंबे समय तक निवेश करने के बाद भी उम्मीद के मुताबिक संपत्ति नहीं बना पाते। इसकी सबसे बड़ी वजह गलत एसेट एलोकेशन यानी निवेश का सही बंटवारा न होना है। अधिकतर लोग "सबसे अच्छा फंड" चुनने में समय लगाते हैं, लेकिन यह तय नहीं करते कि पैसा इक्विटी, डेट, गोल्ड या लिक्विड फंड में कितना बांटना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल अच्छा फंड चुनना काफी नहीं होता, बल्कि सही एसेट एलोकेशन ही लंबे समय में संपत्ति बनाने की असली कुंजी है।

क्या होता है एसेट एलोकेशन?

एसेट एलोकेशन का मतलब है अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लास में बांटना। इसमें इक्विटी म्यूचुअल फंड, डेट फंड, गोल्ड, लिक्विड फंड और इंटरनेशनल निवेश शामिल हो सकते हैं।

गलती नंबर 1 : जोखिम उठाने की क्षमता और इच्छा में भ्रम

कई निवेशक सोचते हैं कि वे ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं, इसलिए पूरा पैसा इक्विटी में लगा देते हैं। लेकिन बाजार गिरते ही घबरा कर निवेश निकाल लेते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक जोखिम उठाने की इच्छा और वास्तविक वित्तीय क्षमता अलग-अलग चीजें हैं। यदि किसी व्यक्ति पर होम लोन, परिवार की जिम्मेदारी या नौकरी की अनिश्चितता है तो उसके लिए 100 प्रतिशत इक्विटी निवेश सही नहीं माना जाता। बाजार में बड़ी गिरावट आने पर ऐसे निवेशक अक्सर नुकसान में पैसा निकाल लेते हैं।

गलती नंबर 2 : डेट फंड को पूरी तरह नजरअंदाज करना

आजकल अधिकतर निवेशक केवल इक्विटी एसआईपी पर फोकस कर रहे हैं। डेट फंड को कई लोग बेकार समझते हैं। जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि डेट निवेश पोर्टफोलियो का "शॉक एब्जॉर्बर" होता है। जब बाजार गिरता है तो डेट फंड पोर्टफोलियो को स्थिर रखने में मदद करते हैं। साथ ही निवेशकों को कम कीमत पर इक्विटी खरीदने का मौका भी मिलता है। यदि पूरा पैसा इक्विटी में हो तो बाजार गिरावट के समय नुकसान ज्यादा दिखाई देता है और निवेशक घबरा सकते हैं।

गलती नंबर 3 : हालिया टॉप परफॉर्मर फंड के पीछे भागना

कई निवेशक हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड में पैसा डालने लगते हैं। इससे उनका मूल एसेट एलोकेशन बिगड़ जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक ने शुरुआत में 70:30 का इक्विटी-डेट अनुपात तय किया था, लेकिन बाद में केवल तेजी वाले इक्विटी फंड में निवेश करता रहा, तो धीरे-धीरे उसका पोर्टफोलियो 90:10 बन सकता है। यह असंतुलन भविष्य में बड़ा जोखिम पैदा कर सकता है।

गलती नंबर 4 : जरूरत से ज्यादा फंड खरीद लेना

कुछ लोग मानते हैं कि ज्यादा फंड लेने से जोखिम कम हो जाएगा। इसी सोच में वे 10-12 इक्विटी फंड खरीद लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कई फंड्स में एक जैसे शेयर होते हैं। यानी निवेशक अलग-अलग फंड लेकर भी वही कंपनियां खरीद रहे होते हैं। इससे पोर्टफोलियो जटिल हो जाता है और ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। असली विविधता अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश से आती है, न कि बहुत सारे फंड रखने से।

गलती नंबर 5 : लिक्विडिटी को नजरअंदाज करना

अधिकतर निवेशक अपना पूरा पैसा लंबी अवधि के निवेश में लगा देते हैं। लेकिन आपात स्थिति में तुरंत नकदी की जरूरत पड़ सकती है। यदि मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटने या किसी पारिवारिक जरूरत के समय पैसा उपलब्ध न हो, तो निवेशक मजबूरी में बाजार गिरावट के दौरान इक्विटी बेच देते हैं। इससे बड़ा नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पोर्टफोलियो का कुछ हिस्सा हमेशा लिक्विड फंड या इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए।

गलती नंबर 6 : समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा न करना

कई लोग एक बार एसआईपी शुरू करने के बाद वर्षों तक पोर्टफोलियो की समीक्षा नहीं करते। जबकि उम्र और जिम्मेदारियों के साथ निवेश रणनीति भी बदलनी चाहिए। शादी, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट जैसे बड़े जीवन बदलावों के अनुसार एसेट एलोकेशन बदलना जरूरी होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक साल में कम से कम एक बार पोर्टफोलियो की समीक्षा और रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

सही एसेट एलोकेशन जरूरी

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय में निवेश का परिणाम केवल अच्छे फंड चुनने पर निर्भर नहीं करता। असली फर्क सही एसेट एलोकेशन बनाता है। एक संतुलित पोर्टफोलियो बाजार की गिरावट में भी स्थिर रहता है और निवेशक को घबराने से बचाता है। वहीं गलत एसेट एलोकेशन वाला पोर्टफोलियो तेजी के समय अच्छा दिख सकता है, लेकिन गिरावट में भारी नुकसान दे सकता है।

अनुशासन और संतुलन ही सफलता का मंत्र

एसआईपी के जरिए संपत्ति बनाने के लिए केवल नियमित निवेश काफी नहीं है। निवेशकों को अपने लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के अनुसार सही एसेट एलोकेशन बनाना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि सफल निवेशक वही होते हैं जो बाजार की चमक-दमक से प्रभावित हुए बिना अनुशासन बनाए रखते हैं।

फीफा वर्ल्ड कप : जर्मनी को झटका लेनार्ट कार्ल वर्ल्ड कप से हुए बाहर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले जर्मनी को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा अटैकिंग मिडफील्डर लेनार्ट कार्ल चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। कोच जूलियन नैगल्समैन ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कार्ल को जांघ में यह चोट अमेरिका में ट्रेनिंग के दौरान लगी। 18 साल के इस खिलाड़ी को शिकागो में एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान बाईं जांघ की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। इसके बाद उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। कार्ल की जगह जर्मनी की वर्ल्ड कप टीम में असन ओएड्राओगो लेंगे।

कोच ने कहा कि उन्हें कार्ल के लिए बहुत दुख है। उन्होंने बताया कि कार्ल ने अपने सकारात्मक स्वभाव, रचनात्मक खेल, तेज गति और मजबूत व्यक्तित्व के दम पर टीम में अपनी खास जगह बना ली थी। कार्ल का टीम से बाहर

होना जर्मनी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था।

वॉर्म-अप मुकाबलों में खेल सकते हैं मेसी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना की टीम को वर्ल्ड कप से पहले बड़ी राहत मिल सकती है। टीम के कप्तान लियोनेल मेसी तेजी से चोट से उबर रहे हैं और संभावना है कि वे अमेरिका में होने वाले दो वार्म-अप मुकाबलों में से किसी एक में मैदान पर उतर सकते हैं। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने बताया कि मेसी की बाईं हैमस्ट्रिंग में हुआ दर्द अब काफी बेहतर हो रहा है। उन्होंने कहा कि मेसी धीरे-धीरे टीम के साथ ट्रेनिंग में लौट रहे हैं। स्कालोनी के अनुसार, मेसी को होंडुरास के खिलाफ शनिवार को होने वाले मैच या फिर मंगलवार को आइसलैंड के खिलाफ मैच में कुछ मिनट खेलने का मौका मिल सकता है।

कोच ने बताया, मेसी तेजी से रिकवर हो रहे हैं। उन्होंने टीम के साथ ट्रेनिंग सेशन के दौरान हिस्सा लिया, जो एक अच्छा संकेत है। वह फ्रेंडली मुकाबलों में खेल सकते हैं, लेकिन हम यह तय करेंगे कि वह किस मैच में उतरेंगे। 38 साल के मेसी को 24 मई को अपने क्लब इंटर

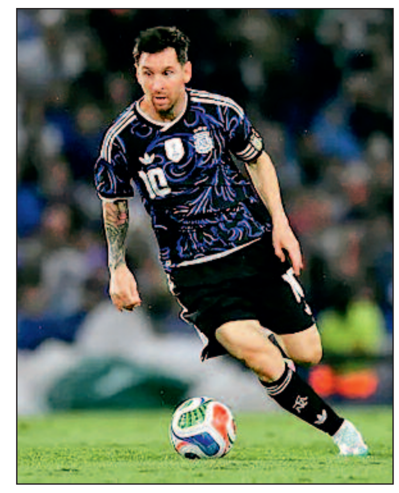

मियामी सीएफ के लिए खेलते समय चोट लगी थी। इसके बाद से उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। हालांकि, इस सीजन में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है, जहां उन्होंने 14 मुकाबलों में 12 गोल और 8 असिस्ट किए।

कनाडा ने आयरलैंड से खेला ड्रॉ

एजेंसी ▶▶| मांट्रियल

कनाडा के फुटबॉल विश्व कप से पहले आखिरी तैयारी मैच में चिएडोजी ओग्बेने के गोल की बदौलत आयरलैंड ने मुकाबले को 1-1 से ड्रॉ कराया। कनाडा को 24वें मिनट में आयरलैंड के डिफेंडर जेक ओब्रायन के आत्मघाती गोल से बढ़त मिली। स्टीफन यूस्टाकियो की कॉर्नर किक के समय ओब्रायन नेट के सामने खड़े थे। दूसरे हाफ में आयरलैंड को पेनल्टी मिली जब काइल लारिन ने आयरलैंड के जेमी मैकग्रा के खिलाफ लापरवाही से टैकल किया।

कनाडा के गोलकीपर मैक्सिम क्रेपो ने ट्रॉय पैरोट के प्रयास को रोक दिया लेकिन ओग्बेने ने रिबाउंड पर गोल करके 60वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। इस साल के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे आयरलैंड की टीम 85वें मिनट में गोल करने में करीब पहुंची लेकिन क्रेपो ने मेसन मेलिया के प्रयास को नाकाम कर दिया।

खबर संक्षेप

कोर्स रिकॉर्ड के साथ अहलावत ने बनाई बढ़त

लुसर्न। भारत के वीर अहलावत ने दूसरे दौर में 10 अंडर 61 के कोर्स रिकॉर्ड के साथ होटल प्लानर टूर के स्विस चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त बना ली। आमंत्रण पर यहां खेलने पर 30 वर्षीय अहलावत और मैथ्यू साउथगेट (64) कुल 12 अंडर के स्कोर से संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। इन दोनों ने जॉर्ज ब्लूर (66) और मथीयू डिगोटिगनिस लेफोन (63) पर एक शॉट की बढ़त बनाई हुई है। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे दो अन्य भारतीय अर्जुन प्रसाद (70-72) और सप्तक तलवार (74-70) कट हासिल करने में नाकाम रहे।

ईरानी फुटबॉल टीम को मिला अमेरिका का वीजा

वाशिंगटन। ईरान की विश्व कप फुटबॉल टीम के सदस्यों को अमेरिका का वीजा मिल गया है। इससे वे इस महीने लॉस एंजिलिस के पास होने वाले अपने शुरुआती दो मैच से पूर्व मैक्सिको के तिजुआना में बने अपने ट्रेनिंग बेस से अमेरिका आ सकेंगे। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ईरान की टीम के सभी खिलाड़ियों के वीजा मंजूर हो गए हैं और उन्हें वीजा मिलने की प्रक्रिया चल रही है। अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों, कोच, ट्रेनर और कुछ सहयोगी स्टाफ के लिए वीजा जारी कर दिए गए हैं। तिजुआना के लिए रवाना होने से पहले टीम तुर्की के अंताल्या में ट्रेनिंग शिविर में विश्व कप की तैयारी कर रही थी। टीम ने बताया कि उसे अंकारा में मैक्सिको के दूतावास से पहले ही वीजा मिल चुका है। तुर्की में अमेरिकी राजदूत टॉम बैराक ने ईरानी टीम को वीजा की प्रक्रिया शुरू करने के लिए अंकारा में अमेरिकी दूतावास की तारीफ की।

तीरंदाज प्रथमेश ने स्वीकार किया 2 साल का बैन

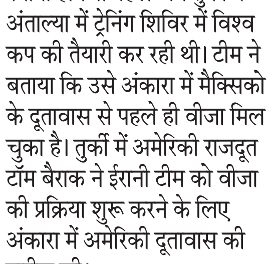

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने कहा कि एशियाई खेलों में कंपाउंड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले तीरंदाज प्रथमेश जावकर ने दो साल का प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है, जो पिछले साल तीन बार अपने स्थान की जानकारी नहीं देने के कारण लगाया गया। प्रथमेश 2022 एशियाड में कंपाउंड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली उस तिकड़ी का हिस्सा थे, जिसमें ओजस प्रवीण देवतले और अभिषेक वर्मा भी शामिल थे। उन्होंने 12 महीने के अंदर तीन बार अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने की गलती की थी। उन्हें सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए 12 सदस्यीय भारतीय तीरंदाजी टीम में शामिल नहीं किया गया था।

वैभव ने तेंदुलकर का वर्षों पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

आयरलैंड इंग्लैंड एशियन गेम्स के लिए टीम का ऐलान

बदलाव की नई बयार, श्रेयस टी20 कप्तान, टीम में सूर्यवंशी की एंट्री

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय टी20 क्रिकेट में शनिवार को बदलाव की नई बयार देखने को मिली जब श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह राष्ट्रीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया तो वहीं युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया।

महज 15 वर्ष और 71 दिन की उम्र में वैभव सूर्यवंशी राष्ट्रीय टीम में जगह पाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का वर्षों पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को कराची में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। उस समय उनकी उम्र 16 वर्ष और 205 दिन थी।

टीम इंडिया खेलेंगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला

भारतीय टीम 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। इसके बाद टीम 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 श्रृंखला में हिस्सा लेगी। अय्यर की राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी 3 दिसंबर 2023 के बाद पहली बार हुई है। उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच उसी दिन बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

श्रेयस को टी20 में कप्तानी का अनुभव

अगरकर ने कहा, ' श्रेयस टी20 विश्व कप की टीम में जगह बनाने के काफी करीब भी थे। लेकिन सूर्यकुमार की मौजूदगी में उनके लिए जगह नहीं बन पाई। मेरे अनुसार वह अब एक बेहद मजबूत दावेदार हैं, जिनके पास टी20 प्रारुप में कप्तानी का पर्याप्त अनुभव है। यह हालांकि निश्चित रूप से एक अलग तरह की चुनौती होगी।' इंडियन प्रीमियर लीग में उनकी शानदार कप्तानी और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

आईपीएल में किया शानदार प्रदर्शन

सूर्यवंशी का चयन लगभग तय माना जा रहा था। इस युवा बल्लेबाज ने 2026 आईपीएल सत्र में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक जड़े तथा 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। अगरकर ने बिहार के इस युवा खिलाड़ी की मैच का रुख बदलने की क्षमता की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमने देखा है कि वह क्या कर सकता है। आईपीएल के प्लेऑफ में भी हमने देखा कि उसने लगभग अकेले दम पर राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ में पहुंचाया।'

आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और वैभव सूर्यवंशी।

एशियाई खेलों के लिए

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वैभव सूर्यवंशी।

श्रीलंका दौरे के टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान एवं विकेटकीपर), साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, सारांश जैन, गुरनूर बरार, आकिब नबी, यश ठाकुर, एन. जगदीशन, अमन मोकाडे, शेख राशिद और जीशान अंसारी।

फ्रेंच ओपन

क्ले कोर्ट पर मीरा का जलवा 19 की उम्र में पहला ग्रैंड स्लैम

1992 के बाद सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन बनी आंद्रीवा

एजेंसी ▶▶| पेरिस

रूस की टेनिस सनसनी मीरा आंद्रीवा ने फ्रेंच ओपन महिला एकल के फाइनल में पोलैंड की माया च्वालिंस्का को 6-3, 6-2 से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया।

आंद्रीवा ने विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी के खिलाफ केवल 19 वर्ष की आयु में करियर का पहला ग्रैंड स्लैम जीतकर टेनिस जगत में नया अध्याय जोड़ दिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि वह 1992 के बाद सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन बनी हैं। यह रिकॉर्ड मोनिका सेलेस के नाम है, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु में फ्रेंच ओपन खिताब जीता था।

मैच के अंतिम क्षण में जब विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज आंद्रीवा ने बैकहैंड क्रॉस-कोर्ट विनर लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किया तो वह भावुक होकर क्ले कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं और जीत का जश्न मनाया।

च्वालिंस्का इतिहास रचने से चूकी

दूसरी ओर क्वालीफायर से फाइनल तक का सफर तय करने वाली च्वालिंस्का इतिहास रचने से चूक गईं। वह रोलां गैरो में खिताब जीतने वाली पहली क्वालीफायर खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं। आंद्रीवा को टेनिस जगत ने पहली बार 2023 मैड्रिड ओपन में पहचान मिली थी, जब 15 वर्ष की उम्र में उन्होंने डब्ल्यूटीए 1000 स्तर पर मुख्य ड्रॉ मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ियों में जगह बनाई और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं। यूक्रेन युद्ध के चलते रूस के खिलाड़ियों पर लगे प्रतिबंधों के कारण आंद्रीवा को तटस्थ खिलाड़ी के रूप में खेलना पड़ा और उन्हें अपने देश का झंडा उपयोग करने की अनुमति नहीं मिली।

भारत-अफगानिस्तान टेस्ट

पहले दिन केएल राहुल और गिल ने जड़ा शतक

एजेंसी ▶▶| न्यू चंडीगढ़

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी इकलौते टेस्ट में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम इंडिया ने पहले दिन की समाप्ति तक 3 विकेट खोकर 368 रन बना लिए हैं।

पहले दिन 85 ओवरों का ही खेल हो सका। मुल्लांपुर में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को 12वें ओवर की अंतिम गेंद पर यशस्वी जायसवाल के रूप के रूप में 41 के स्कोर पर पहला झटका लगा। जायसवाल 32 गेंदों में 5 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद साईं सुदर्शन ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 139 रन जोड़कर भारतीय टीम को 180 के स्कोर तक पहुंचाया। सुदर्शन ने 104 गेंदों में 13 चौकों के साथ 81 रन टीम के खाते में जोड़े। वहीं केएल राहुल ने अपने 12वें टेस्ट शतक के दौरान 165 गेंद में 11 चौकों की मदद से 100 रन बनाए।

गिल और पंत के बीच 121 रन की साझेदारी

यहां से कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी के लिए उतरे, जिन्होंने केएल राहुल के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 रन जुटाकर स्कोर 247 रन तक पहुंचा दिया था। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए और दिन की समाप्ति से पहले अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। पहला दिन खत्म होने तक गिल और पंत के बीच चौथे विकेट के लिए 148 गेंदों में 121 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। गिल 143 गेंदों में 1 छक्के और 11 चौकों के साथ 103 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि पंत ने 70 गेंदों में 3 छक्कों और 2 चौकों के साथ 50 रन जुटा लिए हैं।

विश्व मुक्केबाजी कप : भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे मीनाक्षी और दीपक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज मीनाक्षी और अनुभवी दीपक चीन के गुइयांग में 15 से 21 जून तक होने वाले विश्व मुक्केबाजी कप 2026 (चरण दो) में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगे।

यह भारत की दूसरे दर्जे की टीम है, जिसमें वे मुक्केबाज शामिल हैं, जो राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के ट्रायल में उप विजेता रहे थे। भारत पिछले विश्व कप चक्र में शानदार प्रदर्शन के बाद इस टूर्नामेंट में उतर रहा है। उस दौरान टीम ने

अलग-अलग चरण में लगातार कई पदक जीते और फाइनल में भी अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे वैश्विक स्तर पर उसके बढ़ते रुतबे का पता चलता है।

महिला अंडर-18 एशिया कप : भारत ने जीता कांस्य पदक, कोरिया को हराया

एजेंसी ▶▶| काकामिगाहारा

भारतीय महिला हॉकी टीम ने कोरिया के खिलाफ तीसरे स्थान के मैच में 3-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अंडर-18 एशिया कप में कांस्य पदक जीता।

भारत की ओर से संदीप कुमारी , कप्तान स्वीटी कुजूर और नौशीन नाज ने गोल दागे और टीम को पोडियम पर जगह दिलाई। सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ शूटआउट में मिली करीबी हार के बाद भारतीय टीम ने कोरिया के खिलाफ

शानदार शुरुआत की और शुरुआती दो मिनट में ही बढ़त बना ली। संदीप कुमारी ने बेहतरीन संयम दिखाया और दूसरे ही मिनट में शानदार फिनिश के साथ भारत को बढ़त दिला दी।

भारतीय प्लेयर ने बनाए सर्कल के अंदर मूव

भारत ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और सर्कल के अंदर कुछ अच्छे मूव बनाए। टीम को इस इनाम 16वें मिनट में मिला जब स्वीटी कुजूर ने मैदानी गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। भारतीय टीम मध्यांतर तक 2-0 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत ने एक और गोल दागा जब 33वें मिनट में टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर नौशीन ने मैदानी गोल दागकर प्रतियोगिता में अपने कुल गोल की संख्या 12 तक पहुंचाई।

सात बार के चैंपियन कार्लसन को दो बार हराया

यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत : प्रज्ञानानंदा

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

ओस्लो। भारत के स्टार आर प्रज्ञानानंदा ने नार्वे शतरंज में जीत को अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि महान खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन सहित दुनिया के कुछ सबसे मजबूत खिलाड़ियों को हराने से यह खिताब और भी यादगार बन गया है। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का स्तर बहुत ऊंचा था और औसत रेटिंग भी अब तक के सबसे ऊंचे स्तरों में से एक थी, जिससे उनकी जीत का महत्व और बढ़ गया।

प्रज्ञानानंदा 2013 में शुरू हुए नार्वे शतरंज टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। उन्होंने दुनिया के नंबर एक और सात बार के चैंपियन कार्लसन को दो बार हराकर शानदार प्रदर्शन किया। प्रज्ञानानंदा ने कड़े मुकाबले में

खिताब जीता क्योंकि ओपन वर्ग के सभी छह खिलाड़ियों की रेटिंग 2700 से ऊपर थी और कार्लसन 2840 रेटिंग के साथ शीर्ष खिलाड़ी थे, जिससे इस खिताब की अहमियत और बढ़ गई।

कीमर को हराने के बाद प्रज्ञानानंदा के 18 अंक

विन्सेंट कीमर के खिलाफ आखिरी दौर में जीत के बाद प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। औसत रेटिंग के मामले में भी यह अधिक मजबूत है। मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि विज्क आन जी (टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट) में कुछ खिलाड़ी 2600 रेटिंग वाले होते हैं लेकिन यहां सिर्फ शीर्ष खिलाड़ी हैं।' कीमर को हराने के बाद प्रज्ञानानंदा के 18 अंक हो गए और उन्होंने अमेरिका के वेस्ली सो और फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा को पछाड़कर खिताब जीता।

इसे जीतना अधिक खास

प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'इसे जीतना अधिक खास है और इसमें यह बात भी जुड़ जाती है कि मैग्नस वहां थे। साथ ही लगातार चार बाजी जीतना भी।' उनकी पिछली सबसे बड़ी जीत नीदरलैंड के विज्क आन जी में 2025 टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में आई थी। भले ही प्रज्ञानानंदा का पूरा ध्यान कीमर के खिलाफ मुकाबले पर था लेकिन कभी-कभी उनका ध्यान दूसरे बोर्ड की ओर भी चला जाता होगा, जहाँ सो का मुकाबला अलीरेजा से हो रहा था। अगर सो क्लासिकल बाजी जीत जाते तो प्रज्ञानानंदा खिताब से चूक जाते। उस मुकाबले का ड्रॉ नतीजा निर्णायक साबित हुआ और मैच टाईब्रेक में चला गया जहां सो ने जीत दर्ज की लेकिन उन्हें तीन की जगह सिर्फ डेढ़ अंक मिले।

ये है दुनिया का सबसे खतरनाक झूला, शरीर से अलग कर देती है रूह!

लंदन। आपने मेलों और एडवेंचर पार्क में कई खतरनाक झूले देखे होंगे, लेकिन ब्रिटेन के ब्लैकपूल प्लेजर बीच रिजॉर्ट में हाल ही में खुला नया झूला एविकतास सभी को पीछे छोड़ गया है। इसे दुनिया का सबसे खतरनाक झूला बताया जा रहा है। 138 फीट (करीब 42 मीटर) ऊंचे इस जायरो स्विंग राइड पर चढ़ने के बाद एक लड़की ने अपना अनुभव शेयर किया तो पूरा सोशल मीडिया हैरान रह गया। लड़की ने बताया, 'झूला शुरू होते ही ऐसा लगा जैसे मेरा शरीर और रूह अलग हो गए हों।' तेज गति में झूला उलटे-सीधे घूमता है, हवा में लटकता है और फिर तेजी से नीचे की तरफ झपटता है। पूरे समय पैर हवा में लटकते रहते हैं और नीचे कुछ भी नहीं दिखता।

ब्लैकपूल प्लेजर बीच का इतिहास

ब्लैकपूल ब्रिटेन का प्रसिद्ध सीसाइड रिजॉर्ट है। यहां का प्लेजर बीच दुनिया के सबसे पुराने और पॉपुलर थीम पार्कों में से एक है। एविकतास इस रिजॉर्ट का नया आकर्षण है जो पर्यटकों को और ज्यादा खींच रहा है। राइड पर चढ़ने से पहले पूरी सेफ्टी चेकिंग होती है। मजबूत हार्नेस, सीट बेल्ट और ट्रेंड स्टाफ मौजूद रहता है। फिर भी इतनी ऊंचाई और तेज गति की वजह से यह राइड बेहद थ्रिलिंग है।

झूले की खासियत

ये झूला138 फीट ऊंचा है। इसकी कीमत भी कम नहीं है। बात अगर झूले की लागत की करें तो इसे 8.7 मिलियन (करीब 95 करोड़ रुपए) बताया जा रहा है। ये जायरो स्विंग है। इसकी शुरुआत हाल ही में 21 मई को की गई। यह झूला रिजॉर्ट के सबसे बड़े आकर्षणों में शामिल हो गया है। यहां पहले से ही 'द बिग वन'जैसा फेमस रोलर कोस्टर है, लेकिन एविकतास ने उसे भी पीछे छोड़ दिया है।

क्यों है इतना खतरनाक?

यह सामान्य झूला नहीं है। इसमें सवार होने वाले व्यक्ति को 360 डिग्री तक घुमाया जाता है। तेज गति, अचानक झटके और खाली हवा में लटकने का अनुभव दिल की धड़कन बढ़ा देता है। डॉक्टर्स की सलाह है कि हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग या कमजोर दिल वाले लोग इस झूले पर बिल्कुल ना चढ़ें। वीडियो वायरल होते ही लोग कमेंट्स में लिख रहे हैं – ये तो मौत का खेल है, रूह अलग होने वाला अनुभव सुनकर डर लग गया, मैं तो नाम सुनकर ही नहीं चढ़ूंगा, एडवेंचर लवर्स के लिए स्वर्ग। कई थ्रिल सीकर इसे ट्राई करने के लिए ब्लैकपूल पहुंच रहे हैं।

रोचक खबरें

5300 साल पुरानी ममी के अंदर मिले जीवित सूक्ष्म जीव

रोम। वैज्ञानिकों ने 5300 वर्ष पुरानी ममी को लेकर बेहद चौंकाने खुलासा खुलासा किया है। इस ममी की मौत इटली के आल्प्स पर्वतों में करीब 5300 वर्ष पहले एक तीर के हमले में हुई थी। इस ममी का नाम ओत्जी द आइसमैन है, जिसकी कहानी पहले से ही रहस्यी और रोमांच से भरी हुई थी। अब वैज्ञानिकों की नई खोज ने इसे और रोमांचक बना दिया है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि यूरोप की सबसे प्रसिद्ध ममी के भीतर मौजूद प्रागैतिहासिक आंतों के बैक्टीरिया और ठंडे वातावरण में पनपने वाले यीस्ट आज भी चयापचय (मेटाबॉलिक) तौर पर सक्रिय हैं। माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तापमान वाला विशेष संरक्षण कक्ष इस ममी को समय के प्रभाव से बचाने के लिए बनाया गया था। लेकिन, माइक्रोबायोम जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन के मुताबिक, ओत्जी के शरीर में मौजूद प्राचीन सूक्ष्मजीव न सिर्फ जीवित हैं, बल्कि लगातार खुद को नए वातावरण के अनुसार ढाल भी रहे हैं। इटली के यूरैक रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रमुख शोधकर्ता मोहम्मद सरहान और उनकी टीम ने ममी की त्वचा, आंतरिक ऊतकों तथा पिघले बर्फीले पानी के नमूनों का विश्लेषण किया। इस अध्ययन में एक छिपे प्रागैतिहासिक सूक्ष्मजीवीय संसार का पता चला है। यह मानव इतिहास और स्वास्थ्य के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करता है। वैज्ञानिकों को शोध में पता चला है कि सक्रिय आंत बैक्टीरिया ओत्जी के अंतिम भोजन से पूरी तरह मेल खाते हैं। उसके भोजन में अधिक वसा वाला जंगली मांस, प्राचीन अनाज और एक विषैला फर्न पौधा शामिल था।

खूबसूरत लड़की से बन गई ड्रैगन, टैटू से भर लिया शरीर

केनबरा। ऑस्ट्रेलिया की 31 वर्षीय एम्बर ल्यूक आजकल सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में हैं। उन्हें दुनिया की सबसे ज्यादा टैटू वाली महिला माना जाता है। उनके पूरे शरीर पर सिर से पैर तक टैटू भरे हुए हैं। लेकिन, एम्बर अब और आगे बढ़ गई हैं। वह सामान्य टैटू से आगे बॉडी मॉडिफिकेशन की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया में कुछ एक्सट्रीम बॉडी मॉडिफिकेशन 7 साल पहले बैन कर दिए गए थे। लेकिन, एम्बर ने इन्हें करवाने की ठान ली है। इसके लिए वह ऑस्ट्रेलिया से स्पेन के बार्सिलोना पहुंच गई हैं। वहां वह दो बड़े मॉडिफिकेशन करवाने वाली हैं– कान में कॉइन स्लॉट और हाथ में सिलिकॉन बो इम्प्लांट। कॉइन स्लॉट में कान के हेलिक्स (ऊपरी हिस्से) से एक हिस्सा काटकर छेद किया जाता है। इसमें खास ईयरिंग्स लगाई जाती हैं। वहीं, हाथ में सिलिकॉन बो इम्प्लांट त्वचा के नीचे लगाया जाता है, जिससे हाथ पर बो (धनुष) जैसी उभरी हुई आकृति बन जाती है। एम्बर ने कहा कि वह पिछले डेढ़ साल से इसकी प्लानिंग कर रही थी। एम्बर ने अपने फॉलोअर्स को बताया, 'ऑस्ट्रेलिया में ये प्रक्रियाएं 7 साल से हाईली इललीगल हैं। मैं स्पेन में ये दोनों बॉडी मॉड करवाने जा रही हूं। मेरा मिशन है कि अंतिम नतीजा परफेक्ट हो, कोई गड़बड़ न हो।'एम्बर काफी पहले से बॉडी आर्ट और मॉडिफिकेशन की दीवानी हैं। उन्होंने पूरे शरीर पर टैटू बनवाए हैं, जीभ स्प्लिट (बाइफिड) करवाई है, और कई अन्य एक्सट्रीम काम करवाए हैं। अब वह अपने कानों और हाथ को नया लुक देने जा रही हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। कुछ लोग उन्हें क्रिएटिव और बोल्ड कहते हैं तो कई लोग उनकी आलोचना भी करते हैं। ऑस्ट्रेलिया में स्वास्थ्य जोखिम की वजह से कुछ प्रकार के सबडर्मल इम्प्लांट्स (त्वचा के नीचे लगाए जाने वाले) को प्रतिबंधित कर दिया गया है। लेकिन, स्पेन में ये अभी कानूनी हैं।

खोज

पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन, दौड़ने के लिए तैयार

साइलेंसर से धुआं नहीं, निकलेगा पानी!

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे जल्द ही एक ऐसी ट्रेन को पटरी पर उतारने जा रहा है, जो देश की नई पहचान बन सकती है। हरियाणा के जींद-सोनीपत रूट पर भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन चलने वाली है।

जरा सोचिए, एक ऐसी ट्रेन जो पटरी पर तो स्पीड बुलट ट्रेन के जैसे पकड़ेगी, लेकिन साइलेंसर से काले धुएं के बजाय बिल्कुल साफ पानी की भाप छोड़ेगी! भारतीय रेलवे कुछ ऐसा ही करके इतिहास बनाने की तैयारी में है। देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच दौड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। टेक्नोलॉजी की दुनिया में इसे जीरो-इमिशन यानी शून्य प्रदूषण वाला सफर कहा जा रहा है। देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन का ट्रायल जल्द ही हरियाणा के जींद से सोनीपत रूट पर शुरू होने वाला है।

बिजली का जनरेशन

इलेक्ट्रॉन्स के इसी बहाव से लगातार बिजली बनती है, जिससे ट्रेन की हैवी मोटर चलती है। इसमें कुछ भी जलाया नहीं जाता, इसलिए बायप्रोडक्ट के रूप में सिर्फ साफ पानी की भाप ही निकलता है।

दुनिया के सबसे ताकतवर डिजाइनों में से एक : चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में बनी यह ट्रेन कई मायने में खास है। 2,400 किलोवाट की भारी-भरकम प्रोपल्शन पावर के साथ यह दुनिया की सबसे पावरफुल हाइड्रोजन ट्रेनों में से एक है। भारतीय मौसम और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इसमें एडवांस लीक डिटेक्टर्स और फ्लेम सेंसर्स जैसे इंटरनेशनल सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं।

जींद में बना ग्रीन फ्यूल प्लांट

हाइड्रोजन ट्रेन को चलाने के लिए हरियाणा के जींद में एक खास ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट बनाया गया है। जहां पर वॉटर इलेक्ट्रोलेसिस यानी पानी से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को अलग करने की तकनीक के जरिए इस ट्रेन के लिए फ्यूल तैयार किया जाएगा। इस प्लांट को चलाने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी यानी सौर ऊर्जा का इस्तेमाल होगा, जिससे यह फ्यूल पूरी तरह से इको-फ्रेंडली होगा। भारतीय रेलवे फिलहाल इसके वैलिडेशन फेज या टेस्टिंग में है। इस पायलट रन से यह देखा जाएगा कि यह ट्रेन भारत की भीषण गर्मी और धूल भरे माहौल में कैसा परफॉर्म करती है।

कैसे काम करती है हाइड्रोजन वाली तकनीक?

ज्यादातर ट्रेन में फ्यूल को जलाकर इंजन चलाया जाता है, लेकिन,हाइड्रोन ट्रैन में ऐसा बिल्कुल नहीं होता है। इसके काम करने का तरीका पूरी तरह से अलग है।

स्मार्ट एनर्जी बॉक्स : हाइड्रोजन ट्रेन में एक फ्यूल सेल लगा होता है, जिसे आप एक एडवांस बिजली बनाने वाला बॉक्स कह सकते हैं।

केमिकल रिएक्शन : इस बॉक्स के अंदर ट्रेन के टैंक में रखी हाइड्रोजन और हवा से ली गई ऑक्सीजन के बीच एक कंट्रोल्ड केमिकल रिएक्शन होता है।

माइक्रोस्कोपिक गेटकीपर : फ्यूल सेल के अंदर एक बहुत ही पतली झिल्ली होती है, जो गेटकीपर की तरह काम करती है। यह हाइड्रोजन के एटम्स से इलेक्ट्रॉन्स को अलग करती है।

खसखस के दाने जितना छोटा दिमाग, लेकिन कारनामा इंसानों जैसा!

लंदन। अब तक दुनिया भर के वैज्ञानिक और रिसर्चर्स यही मानते आए थे कि समय के छोटे-छोटे हिस्सों (जैसे कुछ सेकेंड या उसके आधे हिस्से) को गिनने और समझने की काबिलियत सिर्फ इंसानों, बंदरों या कुछ खास रीढ़ वाले जीवों तक ही सीमित है। माना जाता था कि समय को प्रोसेस करने के लिए एक बेहद बड़े और जटिल दिमाग की जरूरत होती है। लेकिन, लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी अभूतपूर्व रिसर्च की है, जिसने विज्ञान जगत के इस पुराने भ्रम को पूरी तरह चकनाचूर कर दिया है। वैज्ञानिकों ने साबित कर दिया है कि एक छोटे से बफ-टेल्ड भौंरे के पास, जिसका दिमाग सिर्फ एक खसखस के दाने के बराबर होता है, समय को मापने की एक बेहतरीन और सटीक कला होती है। ये नन्हे जीव न सिर्फ समय के बदलाव को समझ सकते हैं, बल्कि इसका इस्तेमाल अपने फायदे के लिए भी करते हैं, जिसने बड़े-बड़े वैज्ञानिकों को हैरत में डाल दिया है।

मीठी चाशनी का लालच और भौंरों की समझदारी

इस टेस्ट के दौरान वैज्ञानिकों ने क्लासिकल कंडीशनिंग का सहारा लिया। जब लाइट एक खास समय (जैसे 2.5 सेकेंड) के लिए चमकती, तो भौंरों को इनाम के तौर पर मीठी चाशनी दी जाती थी। वहीं, जब लाइट कम समय (जैसे 0.5 सेकेंड) के लिए चमकती, तो वहां कड़वा केमिकल रख दिया जाता था। बहुत ही कम समय में भौंरों ने यह समझ लिया कि कौन सी लाइट की टाइमिंग उनके लिए मीठा खाना लाएगी और कौन सी कड़वाहट। वे सटीक टाइमिंग देखकर ही सही जगह पर जाने लगे।

एक साथ रहती हैं 39 विधवाएं सबका था एक ही पति

आइजोल। भारत की विविधता और अनोखी परंपराओं की कहानियां कभी-कभी हैरान कर देती है। ऐसा ही एक परिवार है मिजोरम राज्य के बकतावंग गांव में रहने वाला जियोना परिवार, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा परिवार माना जाता है। इस परिवार के मुखिया ज़ियोना चंग ने 39 महिलाओं से विवाह किया था। उनकी मृत्यु के बाद अब 39 विधवाएं एक ही विशाल घर में रह रही हैं और मिलकर 94 बच्चों की परवरिश कर रही हैं। ज़ियोना परिवार की कहानी पूरे विश्व में चर्चित रही है। ज़ियोना चंग एक धार्मिक नेता थे और उनकी मान्यता के अनुसार उन्होंने कई विवाह किए थे। उनके परिवार में कुल मिलाकर कई सदस्य हैं – पत्नियां, बच्चे, पोते-पोतियां समेत परिवार की संख्या 180 से ज्यादा बताई जाती है। मुखिया की मौत के बाद अब परिवार कैसे जीता है, आइये आपको बताते हैं।

आज भी एक साथ है परिवार

पूरा परिवार एक ही बड़े घर में रहता है, जहां अलग-अलग कमरे बने हैं। ज़ियोना चंग की मृत्यु के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनकी विधवाओं और बड़े बच्चों पर आ गई है। आश्चर्य की बात यह है कि 39 सौतनें आज भी एक- दूसरे के साथ बेहद प्रेम और समझदारी से रह रही हैं। वे बच्चों की देखभाल, घरेलू कामकाज और परिवार की परंपराओं को संभाल रही हैं। परिवार के सदस्य बताते हैं कि पिता की मृत्यु के बाद भी घर में एकता बनी हुई है। यह परिवार अपनी अनोखी जीवनशैली के लिए प्रसिद्ध है। घर इतना बड़ा है कि इसमें कई रसोई, शयनकक्ष और सामुदायिक जगहें हैं।

बनाया है वर्ल्ड रिकॉर्ड

मिजोरम के इस परिवार ने कई बार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह बनाने का दावा किया है। एक समय में इस परिवार को दुनिया का सबसे बड़ा परिवार माना जाता था। ज़ियोना चंग ने खुद को ईश्वर का दूत बताते हुए कई विवाह किए थे। उनकी पत्नियों ने भी इस व्यवस्था को स्वीकार किया और परिवार को आगे बढ़ाया। पति की मृत्यु के बाद परिवार पर कई चुनौतियां आईं, लेकिन 39 विधवाओं ने हिम्मत नहीं हारी। वे बच्चों को प्यार और अनुशासन के साथ बड़ा कर रही हैं। परिवार के सदस्य कहते हैं कि 'हमारे पिता की इच्छा थी कि हम सब एक साथ रहें, इसलिए हम उनकी विरासत को संभाल रहे हैं।' सोशल मीडिया पर जब इस परिवार की तस्वीरें और वीडियो वायरल होते हैं तो लोग हैरानी जताते हैं। कोई इसे अनोखा उदाहरण मानता है तो कोई आधुनिक समय में इस प्रथा पर सवाल उठाता है। फिर भी परिवार की एकता और आपसी प्रेम को लोग सराहते हैं।

दुनिया में सबसे ज्यादा अमेरिका तो सबसे कम फ्रांस में हैं हवाई अड्डे

नई दिल्ली। किसी भी देश का हवाई अड्डा नेटवर्क आज के समय में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा को संभव बनाने के साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन और देश की अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अड्डों की विशाल संख्या के साथ अमेरिका दुनिया के सबसे ज्यादा एयरपोर्ट्स वाले देशों की लिस्ट में सबसे ऊपर है. इस विशाल नेटवर्क में बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ-साथ कई छोटे क्षेत्रीय हवाई अड्डे भी शामिल हैं, जो पूरे देश में व्यापक संपर्क प्रदान करते हैं।

अमेरिकाः 15,873 हवाई अड्डे

अमेरिकाः 15,873 हवाई अड्डों की विशाल संख्या के साथ अमेरिका दुनिया के सबसे ज्यादा एयरपोर्ट्स वाले देशों की लिस्ट में सबसे ऊपर है. इस विशाल नेटवर्क में बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ-साथ कई छोटे क्षेत्रीय हवाई अड्डे भी शामिल हैं, जो पूरे देश में व्यापक संपर्क प्रदान करते हैं।

ब्राजील में हैं 4,919 हवाई अड्डे

ब्राजीलः इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर ब्राजील का नाम शामिल हैं, जहां 4,919 हवाई अड्डे स्थित हैं। देश का बड़ा आकार और दूरदराज के क्षेत्रों को शहरी केंद्रों से जोड़ने की आवश्यकता हवाई अड्डों की बड़ी संख्या का मुख्य कारण है।

ऑस्ट्रेलिया में 2,180 एयरपोर्ट

ऑस्ट्रेलियाः 2,180 हवाई अड्डों के साथ ऑस्ट्रेलिया में भी बड़ी संख्या में छोटे क्षेत्रीय हवाई अड्डे हैं, जो विशाल दूरी में फैली और बिखरी हुई आबादी की सेवा करते हैं। ये हवाई अड्डे पर्यटन और स्थानीय व्यापार दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

रूसः 904 हवाई अड्डों के साथ रूस एक विशाल भौगोलिक क्षेत्र में फैला हुआ है। इसके अनेक हवाई अड्डे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सेवा करते हैं, जो मॉस्को से लेकर साइबेरिया तक शहरों को जोड़ते हैं।

जर्मनीः जर्मनी के फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख जैसे शहरों में कुल 838 एयरपोर्ट्स स्थित हैं। जो जर्मनी को दुनिया का आठवां सबसे ज्यादा एयरपोर्ट वाला बनाती हैं।

अर्जेंटीनाः अर्जेंटीना के 756 हवाई अड्डे लिस्ट में नौवें स्थान पर हैं। इनमें से कई हवाई अड्डे घरेलू और क्षेत्रीय यात्रा के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

फ्रांसः वहीं, इस लिस्ट में आखिरी और दुनिया के 10वां सबसे ज्यादा एयरपोर्ट्स वाला देश फ्रांस है, जहां, कुल 689 हवाई अड्डे स्थित हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com